

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

बी.ए./बी.एस-सी.: चतुर्थ सेमेस्टर - 2015-16 एवं 2016-17

अनिवार्य प्रश्नपत्र-सामान्य हिंदी Code UGFHN 9004

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

- इकाई- 1 पल्लवन, पारिभाषिक शब्दावली
इकाई- 2 पत्र लेखन(निजी पत्र, व्यावहारिक पत्र, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, आवेदन पत्र)
इकाई- 3 पर्यायवाची, युग्म-शब्द, शब्द-शुद्धि, उपसर्ग, प्रत्यय, तत्सम,तद्भव शब्द, मुहावरे-लोकोक्ति।
इकाई- 4 देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानक रूप, कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग।
इकाई- 5 हिंदी अपठित, संक्षेपण।

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीयता के अमर खबर -डॉ. धनंजय वर्मा
2. प्रयोजन मूलक हिंदी -विनोद गोदरे
3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग -विजय कुमार मल्होत्रा
4. हिंदी संक्षिप्त लेखन -रामप्रसाद किचलू
5. हिंदी शब्द सामर्थ्य - शिवनारायण चतुर्वेदी
6. हिंदी व्याकरण एवं रचना -डॉ. प्रभा ब्यौहार

--0--

अध्ययन मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले - सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

अनुमोदित

27/09/14

27/09/14

Ranking

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. शील प्रभा मिश्र, प्राचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय, पाली, जिला - कोरबा
2. डॉ. डी.एस.ठाकुर, प्राध्यापक हिंदी, शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. राम नारायण पटेल, रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगत रामका, प्रधान संपादक इरपात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14)

1. श्री मुरली चौहान

अंक विभाजन - 04 दीर्घ उत्तरीय/निबंधात्मक प्रश्न - 4x10 = 40 अंक
05 लघु उत्तरीय/टिप्पणी - 5x6 = 30 अंक
10 बहुविकल्पीय/आत्मलघु उत्तरीय - 10x10 = 10 अंक
कुल 80 अंक

उषा आठल

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़, छत्तीसगढ़

बी.ए./बी.एस-सी.: पंचम सेमेस्टर -2016-17 एवं 2017-18

अनिवार्य प्रश्नपत्र : सामान्य हिंदी Code U6FHIN 9005

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

इकाई- 1 (निबंध) 1. महात्मा गांधी -सत्य और अहिंसा
2. विनोबा भावे -ग्रामसेवा
3. आचार्य नरेन्द्रदेव - युवकों का समाज में स्थान

इकाई- 2 (निबंध) 1. वासुदेवशरण अग्रवाल -नातृभूमि
2. भगवतशरण उपाध्याय -हिमालय की व्युत्पत्ति
3. हरिटाकुर -डॉ. खूबचंद बघेल

इकाई- 3 हिंदी भाषा और उस के विविध रूप -
~~सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृ भाषा, कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित्त एवं वाणिज्य की भाषा, तकनीकी भाषा (मशीनी भाषा)~~

इकाई- 4 अनुवाद- अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, क्षेत्र, प्रक्रिया। हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास।

इकाई- 5 समाचार-लेखन (रिपोर्टिंग) हिन्दी की व्यावहारिक कौशिल्य -
~~समाचार के प्रकार, समाचार लेखन के महत्वपूर्ण अंग, समाचारों के उदाहरणों के अभ्यास। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, संघि समास एवं संश्लिष्टियाँ।~~

सहायक पुस्तकें :

- हिंदी भाषा और संस्कृति -संपा. डॉ. राजेन्द्र मिश्र
- प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी -डॉ. दिनेश गुप्ता
- अनुवाद कला -डॉ. एन.ई.विश्वनाथ अय्यर
- हिंदी भाषा -महावीर प्रसाद द्विवेदी
- बोलचाल की हिंदी और संचार - मधु धवन

अध्ययन मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विभागीय सदस्य :

- डॉ. मीनकेतन प्रधान - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
- डॉ. उषा वैरागकर आठले - सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
- डॉ. बेठियार सिंह साहू - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
- श्री रामकुमार वंजारे - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

विषय विशेषज्ञ :

- डॉ. शील प्रभा मिश्र, प्राचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय, पाली, जिला - कोरवा
- डॉ. डी.एस.ठाकुर, प्राध्यापक हिंदी, शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

कुलपति द्वारा नामांकित :

- डॉ. राम नारायण पटेल, रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- औद्योगिक/निगम क्षेत्र : 1. श्री नवनीत जगतरावका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़
- भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) 1. श्री मुरली चौहान

अंक विभाजन - 04 दीर्घ उत्तरी/निबंधात्मक प्रश्न 4x10=40
 05 लघु उत्तरी/टिप्पणी 5x6=30
 10 वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय 10x04=40

Handwritten signature and initials.

Handwritten initials.

Handwritten signature and date: 27/09/14

Handwritten signature.

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य) Code - 900L

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : प्राचीन से तात्पर्य है—आधुनिक काल से पूर्व का काल। सही अर्थ में हिंदी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से होता है। इसमें लौकिक और अलौकिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे परिभाषित किया जाता है। मध्यकालीन काव्य में भक्तिकाव्य, जहाँ लोक जागरण को स्वर देने वाला है, वहीं रीतिकाल, अपने लौकिक-श्रृंगारिक परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को स्पष्टतः अभिव्यंजित करता है। अतः भाषा, संस्कृति, मानवता, काव्य-वस्तु, काव्यरूपता, लौकिकता, पारलौकिक आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है।

पाठ्य विषय :

इकाई- 1 कवीर— (प्रारम्भिक 50 साखियाँ)—सम्पादक— कांति कुमार जैन

इकाई- 2 जायसी—संक्षिप्त पदभावत, (नागमती वियोग खण्ड)

सम्पादक—आचार्य रामचंद्र शुक्ल

इकाई- 3 सूरदास—भ्रमरगीतसार, (प्रारम्भिक 25 पद)—सम्पादक—आचार्य रामचंद्र शुक्ल

इकाई- 4 तुलसीदास—रामचरितमानस—(अयोध्या कांड के 25 दोहे चौपाई छंद सहित)

इकाई- 5 घनानंद (प्रारम्भिक 25 छंद)—सम्पादक—विश्वनाथ प्रसाद मिश्र,

1. द्रुतपठन : 1. चंदबरदाई 2. रसखान 3. भूषण

—00—

अंक विभाजन :

2 व्याख्यात्मक प्रश्न - $2 \times 10 = 20$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 आलोचनात्मक प्रश्न- $2 \times 15 = 30$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 लघूत्तरी प्रश्न - $2 \times 5 = 10$ अंक (द्रुत पाठ से विकल्प सहित)

10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न $10 \times 2 = 20$ अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3 डॉ. विहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठलें

7 श्री रामकुमार चंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. बेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतारामका

He

NO

टप्पणी— अध्ययन मण्डल यह अनुशंसा करता है कि पाठ्य-विषय में उल्लेखित कवियों के काल का संक्षिप्त परिचय तथा कवि परिचय सहित दिये गये अंशों को एक समिति द्वारा संकलित कर शीघ्र प्रकाशित किया जाए, ताकि छात्र/छात्राओं को विषय-सामग्री एक साथ उपलब्ध हो सके।

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जाँजगीर-चांपा

अनुमोदित

हस्ताक्षर

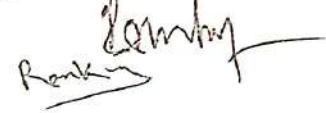


कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवानिवृत्त प्राचार्य ग्राम चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष-
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य-
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-

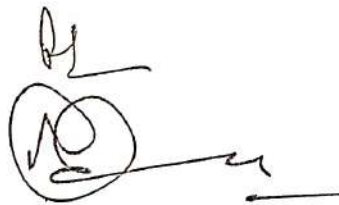


औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य -

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य -



कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सन् 2016-2017 एवं 2017-2018

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

(हिन्दी कथा साहित्य) Code 9002

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : गद्य की प्रमुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इनमें आधुनिक जीवन अपनी विविध छवियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियों, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन अपेक्षित है।

पाठ्य विषय :

उपन्यास- 1. अमृतलाल नागर -मानस का हंस (विद्यार्थी संस्करण)

कहानी- 1. प्रेमचंद -कफन
2. फणीश्वरनाथ रेणु -ठेस
3. जयशंकर प्रसाद -पुरस्कार

द्रुतपठन- द्रुतपाठ के लिए निम्नांकित तीन कथाकारों का अध्ययन अपेक्षित है, जिन पर लघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे-

1. भगवतीचरण वर्मा 2. भीष्म साहनी 3. मोहन राकेश

—00—

अंकविभाजन :

2 व्याख्यात्मक प्रश्न - 2 × 10 = 20 अंक

(उपन्यास से 01 एवं कहानियों से 01 व्याख्याएं आंतरिक विकल्प सहित)

2 आलोचनात्मक प्रश्न- 2 × 15 = 30 अंक

(उपन्यास से 01 एवं कहानियों से 01 आलोचनात्मक आंतरिक विकल्प सहित)

2 लघूत्तरी प्रश्न - 2 × 5 = 10 अंक (द्रुत पाठ से विकल्प सहित)

10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न 10 × 1 = 10 अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3 डॉ. बिहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

7 श्री रामकुमार बंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. वेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतसामका

H

टिप्पणी- अध्ययन मण्डल यह अनुशांसा करता है कि पाठ्य-विषय में उल्लेखित कहानीकारों की कहानियों का कथा-संकलन शीघ्र प्रकाशित किया जाए, ताकि छात्र/छात्राओं को विषय-सामग्री एक साथ उपलब्ध हो सके।

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

2. डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवानिवृत्त प्राचार्य ग्राम चांटीपाली, पो. वरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष-
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य-
3. डॉ. बेटियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य -

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

2. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य -

अनुमोदित

हस्ताक्षर

-

-

कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

(आधुनिक हिन्दी काव्य) Code 9003

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : आधुनिक काव्य आधुनिकता की सभी विशेषताओं को समेटे हुए है। इसमें खड़ी बोली हिन्दी की काव्यवस्तु एवं भाषा-शिल्प के नवीन आयामों के विकास के साथ-साथ समसामयिक प्रवृत्तियों का प्रतिबिम्ब भी दिखाई देता है। स्वतंत्रतापूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य की काव्यधाराओं का क्रमिक अध्ययन प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं के माध्यम से किया जाना अपेक्षित है।

पाठ्य विषय :

इकाई- 1. मैथिलीशरण गुप्त -काव्य-शिक्षा एवं शुभकामना

इकाई- 2. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' -सखि बसंत आया, वर दे, वीणा वादिनी, वर दे!, हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र, तोड़ती पत्थर, ...

इकाई- 3. सुमित्रानंदन पंत -बादल, परिवर्तन, ताज, झंझा में नीम, भारत माता

इकाई- 4. माखनलाल चतुर्वेदी -निःशस्त्र सेनानी, एक विरल प्रश्नोत्तर सृष्टि

बलि पंथी से, उलाहना)

इकाई- 5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' -दूर्वाचल, साम्राज्ञी का नैवेद्य-दान, घर,

द्रुत पाठ : निम्नांकित कवियों के साहित्यिक परिचय का अध्ययन अपेक्षित है, जिन पर लघु उत्तरीय प्रश्न किये जाएंगे -

1. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 2. सुभद्राकुमारी चौहान 3. श्रीकांत वर्मा

--00--

अंक विभाजन : 2 व्याख्याएँ - 2 x 10 = 20 अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 आलोचनात्मक प्रश्न - 2 x 15 = 30 अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 लघूत्तरीय प्रश्न - 2 x 5 = 10 अंक (द्रुत पाठ से विकल्प सहित)

10 अतिलघूत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10 x 1 = 10 अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3 डॉ. बिहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

7 श्री रामकुमार बंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

पाठ्य/सहायक पुस्तकें -

1 छायावाद

2 निराला की काव्य दृष्टि

3 निराला

4 मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन

5 अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन- चंद्रकान्त वांदिबडेकर,

6 प्रगतिवादी काव्य के राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना - डॉ. विद्या प्रधान,

2. डॉ. फूलदास भंडत

4 डॉ. मीनकैतन प्रधान

6 डॉ. वेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतारामका

14

10

टिप्पणी- अध्ययन मंडल यह अनुशंसा करता है कि पाठ्य-विषय में उल्लिखित कवियों के काल का संक्षिप्त परिचय, कवि-परिचय तथा कविताओं को एक समिति द्वारा संकलित करवाकर शीघ्र प्रकाशित कर छात्र-छात्राओं के लिए उपलब्ध किया जावे।

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

3. डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. वरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष-
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य-
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य-
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य-

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

3. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

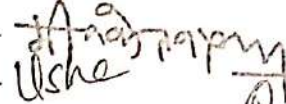
अनुमोदित

हस्ताक्षर

- 

- 

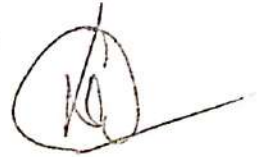


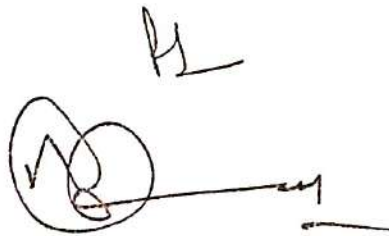




-

-





कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

विषय-हिन्दी नाटक, एकांकी एवं निबंध (वैकल्पिक प्रश्न पत्र) code 9004

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : आधुनिक काल में गद्य की प्रमुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इनमें आधुनिक जीवन अपनी विविध छवियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियों, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी विधाओं के उद्भव-विकास का सामान्य अध्ययन अपेक्षित है।

पाठ्य विषय :

इकाई- 1 नाटक :

ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद अथवा लहरों के राजहंस - मोहन राकेश

इकाई- 2 एकांकी :

1. डॉ. रामकुमार वर्मा - औरंगजेब की आखिरी रात
2. लक्ष्मीनारायण मिश्र - एक दिन

इकाई- 3 निबंध :

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल - क्रोध
2. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी - बसंत आ गया है
3. हरिशंकर परसाई - बेईमानी की परत

द्रुत पठन - निम्नांकित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय का अध्ययन अपेक्षित है -

1. बाबू गुलाबराय 2. महादेवी वर्मा 4. हबीब तनवीर

—00—

अंक विभाजन :

2 व्याख्याएँ (तीनों इकाइयों से एक-एक आंतरिक विकल्प सहित) - 2 × 10 = 20 अंक

2 आलोचनात्मक प्रश्न (तीनों इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित) - 2 × 15 = 30 अंक

2 लघूत्तरी प्रश्न (द्रुत पाठ से विकल्प सहित) - 2 × 5 = 10 अंक

10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (समग्र पाठ्य विषय से विकल्प सहित) - 10 × 2 = 20 अंक

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3 डॉ. बिहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

7 श्री रामकुमार बंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. बेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतारामका

सहायक ग्रन्थ :-

- 1 नाटककार जयशंकर प्रसाद - संपादक सत्येन्द्र कुमार तनेजा,
- 2 व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई - डॉ भरत पटेल,
- 3 निबंधालोक : विद्यानिवास मिश्र - डॉ दिलीप देशमुख,
- 4 हिन्दी निबन्धकार - जयनाथ नलिन
- 5 प्रसाद : भारतीयता के प्रतिमान - सत्यपाल चुंग

टिप्पणी- अध्ययन मंडल यह अनुशांसा करता है कि पाठ्य-विषय में उल्लिखित रचनाकारों के काल का संक्षिप्त परिचय, लेखक-परिचय तथा कविताओं को एक समिति द्वारा संकलित करवाकर शीघ्र प्रकाशित कर छात्र-छात्राओं के लिए उपलब्ध किया जावे।

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एम. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

4. डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष-
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य-
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

4. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

-

-

वि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

वी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

(वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

Code 9004 (A)

X लागू नहीं है

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। हिन्दी क्षेत्र की परिस्थितियों से क्रमोवेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी रूँज हिन्दी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं-नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है।

पाठ्य विषय :

इकाई एक :

1. हिन्दी साहित्येतिहास-लेखन की परम्परा
2. हिन्दी साहित्येतिहास : काल-विभाजन
3. हिन्दी साहित्येतिहास : नामकरण

इकाई दो :

4. आदिकाल : परिस्थितियाँ एवं विशेषताएँ
5. आदिकालीन साहित्य : सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य

इकाई तीन :

6. भक्तिकाल : परिस्थितियाँ एवं विशेषताएँ
7. भक्तिकालीन साहित्य : निर्गुण काव्यधारा - ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी
सगुण काव्यधारा - रामभक्ति शाखा एवं कृष्णभक्ति शाखा

इकाई चार :

8. रीतिकाल : परिस्थितियाँ एवं विशेषताएँ
9. रीतिकालीन काव्यधाराएँ - रीतिवद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त

अंक विभाजन :

2 आलोचनात्मक प्रश्न	- 2x 15 = 30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	- 5x 06 = 30 अंक
10 अतिलघुत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न	- 10x 2 = 20 अंक

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. टाकूर

3 डॉ. बिहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

7 श्री रामकुमार वंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. वेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीता जगतशमका

H
S

साध्य/ सहायक ग्रंथ:-

- 1 हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल,
- 2 हिन्दी साहित्य का आदिकाल एवं धीसलदेव रास - डॉ. मीनकेतन प्रधान,
- 3 भक्ति काव्य-यात्रा - डॉ. रामचरुण चतुर्वेदी,
- 4 हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे
- 5 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. वच्चन सिंह
- 6 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

5. डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. वरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष-
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य-
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

5. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित

हस्ताक्षर

-

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. पंचम सेमेस्टर

छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) Code 9005

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : हिन्दी जगत में अनेक बोलियाँ विद्यमान हैं, जिनमें लिखित साहित्य भी विपुल मात्रा में उपलब्ध है। जनपदीय भाषा छत्तीसगढ़ी निरंतर विकास की ओर अग्रसर हो रही है। अतः इस भाषा का और इसमें रचित साहित्य का इतिहास एवं उसके विकास का अध्ययन आवश्यक है।

पाठ्य विषय :

इकाई एक : छत्तीसगढ़ी भाषा का परिचय

इकाई दो : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास

इकाई तीन : छत्तीसगढ़ी काव्य : संत धर्मदास के पद (गुरु पद्यों, नैनन आगे ख्याल घनेरा, भजन करौ भाई रे) विनय कुमार पाठक की कविताएँ (तैय उदथस सुरज उथे, एक किसिम के निधाव) मुकुन्द कौशल की छत्तीसगढ़ी गजलें

इकाई चार : छत्तीसगढ़ी गद्य : सोनपान (लेख) - लखनलाल गुप्त, सीख सीख के गोठ - सत्यभामा आड़िल

द्रुत पाठ : सुंदरलाल शर्मा, रामचंद्र देशमुख, कपिलनाथ कश्यप

—00—

अंक विभाजन : 2 व्याख्याएँ — $2 \times 10 = 20$ अंक

(इकाई तीन एवं इकाई चार से आंतरिक विकल्प सहित)

2 आलोचनात्मक प्रश्न — $2 \times 15 = 30$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 लगभगीय प्रश्न — $2 \times 5 = 10$ अंक (द्रुत पाठ से)

10 अतिलघुत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न — $10 \times 2 = 20$ अंक (समग्र पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. टाकुर

3 डॉ. विहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

7 श्री रामकुमार वंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. मोनकंतन प्रधान

6. डॉ. वेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतसामिका

सहायक ग्रंथ :

1. जनपदीय भाषा -साहित्य (छत्तीसगढ़ी), सम्पादक - डॉ. सत्यभामा आड़िल
प्रकाशक - छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी, संस्करण प्रथम 2010

2. छत्तीसगढ़ी साहित्य : दशा एवं दिशा - नंदकिशोर तिवारी
मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण - चन्द्रलाल चन्द्राकर

3. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी - डॉ. वित्तरंजन कर

4. छत्तीसगढ़ी अभिव्यक्ति के परिप्रेक्ष्य - डॉ. विहारी लाल साहू

5. छत्तीसगढ़ी का इतिहास एवं परम्परा - डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा

टिप्पणी- अध्ययन मण्डल यह अनुशंसा करता है कि पाठ्य-विषय में उल्लिखित विषयों, रचनाकारों के काल का संक्षिप्त परिचय तथा रचनाकार के परिचय सहित दिये गये अंशों को एक समिति द्वारा संकलित कर शीघ्र प्रकाशित किया जाए, ताकि छात्र/छात्राओं को विषय-सामग्री एक साथ उपलब्ध हो सके।

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.विलास कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभासी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जौजेपुर, जिला-जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

6. डॉ. विहारी लाल साहू,
सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांदीपाली, पो. वरगकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. गीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष-
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य-
3. डॉ. वेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य-
4. श्री रामकुमार वंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य-

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतंरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य -

शूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

6. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य -

अनुमोदित
हस्ताक्षर

: सदस्य -

-

: सदस्य -

-

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सन् 2018-2019 एवं 2019-2020

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. पंचम सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) Code - 9005 (A)

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : हिन्दी जगत की बोलियों या विभाषाओं में अमूल्य लोकसाहित्य-संपदा विद्यमान है। इसके संकलन, संपादन, सर्वेक्षण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संस्कृति को संरक्षित किया जा सकता है और हिन्दी का जनाधार बढ़ाया जा सकता है। हमारे प्रदेश की राजभाषा छत्तीसगढ़ी में भी विपुल मात्रा में लोकसाहित्य विद्यमान है। अस्तु, इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्विवाद है।

पाठ्य विषय :

इकाई एक : लोकसाहित्य : अर्थ, स्वरूप और विशेषताएँ
इकाई दो : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य की विविध विधाएँ : सामान्य परिचय
इकाई तीन : छत्तीसगढ़ी लोकगीत एवं लोकगाथा : प्रकार एवं उदाहरण
इकाई चार : छत्तीसगढ़ी लोककथा एवं लोकनाट्य : प्रकार एवं उदाहरण

--00--

अंक विभाजन : 4 आलोचनात्मक प्रश्न $- 2 \times 15 = 30$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

5 लघूत्तरीय प्रश्न $- 5 \times 6 = 30$ अंक (समग्र पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

10 अतिलघूत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न $- 10 \times 1 = 10$ अंक (समग्र पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर--

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3 डॉ. विहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

7 श्री रामकुमार बंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. बेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतारामका

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

वी.ए. पंचम सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) code - 9005 (A)

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : हिन्दी जगत की बोलियों या विभाषाओं में अमूल्य लोकसाहित्य-संपदा विद्यमान है। इसके संकलन, संपादन, सर्वेक्षण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संस्कृति को संरक्षित किया जा सकता है और हिन्दी का जनाधार बढ़ाया जा सकता है। हमारे प्रदेश की राजभाषा छत्तीसगढ़ी में भी विपुल मात्रा में लोकसाहित्य विद्यमान है। अस्तु, इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्विवाद है।

पाठ्य विषय :

इकाई एक : लोकसाहित्य : अर्थ, स्वरूप और विशेषताएँ
इकाई दो : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य की विविध विधाएँ : सामान्य परिचय
इकाई तीन : छत्तीसगढ़ी लोकगीत एवं लोकगाथा : प्रकार एवं उदाहरण
इकाई चार : छत्तीसगढ़ी लोककथा एवं लोकनाट्य : प्रकार एवं उदाहरण

—00—

अंक विभाजन : 4 आलोचनात्मक प्रश्न - $2 \times 15 = 30$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

5 लघूत्तरीय प्रश्न - $5 \times 6 = 30$ अंक (समग्र पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

10 अतिलघूत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न - $10 \times 3 = 30$ अंक (समग्र पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर—

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3 डॉ. विहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

7 श्री रामकुमार बंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. वेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतरामका

अध्ययन/सहायक पुस्तकें :-

1. डॉ. बिहारीलाल साहू - छत्तीसगढ़ी भाषा एवं लोकसाहित्य
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले - छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य और रंगकर्म
3. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
4. लोकसाहित्य अर्थ और व्याप्ति - डॉ. सुरेश गौतम,
5. भारत में लोकसाहित्य - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय,

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत,

सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य

शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

7. डॉ. बिहारी लाल साहू,

सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य

3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

: सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

7. श्री राजीव गुप्ता

धनुहारडेरा रायगढ़

: सदस्य

अनुमोदित

हस्ताक्षर

- श्री नवनीत जगतरामका
- Usharaj
- Ranika
- Ranika

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए.-षष्ठ सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य :

हिन्दी भाषा-साहित्य का इतिहास एवं काव्यांग विवेचन Code 9006

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

इकाई एक : 1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास। आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल।

2. भारतीय आर्य भाषाएँ—

1. प्राचीन आर्य भाषाएँ, 2. मध्यकालीन आर्य भाषाएँ, 3. आधुनिक आर्य भाषाएँ

इकाई दो : 1. हिन्दी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ

2. हिन्दी का शब्द भण्डार — तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।

इकाई तीन : हिन्दी साहित्य का इतिहास —

आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल), उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल), आधुनिक काल।

इकाई चार : काव्यांग विवेचन —

1. रस — परिभाषा, रस के अंग, रस के प्रकार (उदाहरण सहित)।

2. छंद — दोहा, सोरठा, चौपाई, सवैया (उदाहरण सहित)।

3. अलंकार —

शब्दालंकार— अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति।

अर्थालंकार— उग्रा, उत्प्रेक्षा, रूपक, विभावना।

—00—

अंक विभाजन : 2 आलोचनात्मक प्रश्न— $2 \times 15 = 30$ अंक
(समस्त पाठ्य विषय से आंतरिक विकल्प सहित)

5 लघूत्तरीय प्रश्न — $5 \times 06 = 30$ अंक
(प्रश्न पत्र के समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

10 अतिलघूत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न — $10 \times 1 = 10$ अंक
(प्रश्न पत्र के समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

—0—

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3 डॉ. बिहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

7 श्री रामकुमार बंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. बेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतरामका

पाठ्य/सहायक पुस्तकें :-

1. हिंदी भाषा-साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन - संपादक - डॉ. सत्यभामा आड़ित
2. हिंदी भाषा का इतिहास - मोलानाथ तिवारी
3. हिंदी भाषा का उद्गम एवं विकास - डॉ. उदय नारायण,
4. हिंदी भाषा-इतिहास और स्वरूप - डॉ. राजचमि शर्मा
5. हिंदी व्याकरण नीमांश - कारीराम शर्मा,
6. हिंदी की नामक वर्तनी - कैलाराचंद्र नाटिया

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एच. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास्त्र.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास्त्र.महाविद्यालय, सैजेपुर, जिला-जांजगीर-चांदा

कुलपति द्वारा नामांकित :

9. डॉ. बिहारी लाल साहू,
जे.ए.ए.ए. प्राचार्य, चांदीनाली, पो. बरनकैला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. नीलकंठन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठलें-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बंटीयार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संचालक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

मूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिंदी, सत्र 2014-15) :

9. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारदेव रायगढ़ : सदस्य

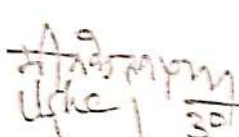
अनुमोदित

हस्ताक्षर

- 

- 



-  30/11/20

- 

- 



कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

बी.ए./बी.एस.सी. : चतुर्थ सेमेस्टर Code - UGF Hin - 9004

सामान्य हिंदी

अनिवार्य प्रश्नपत्र

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

- इकाई- 1 पल्लवन, पारिभाषिक शब्दावली
इकाई- 2 पत्र लेखन (निजीपत्र, व्यावहारिकपत्र, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, आवेदनपत्र)
इकाई- 3 पर्यायवाची, युग्म-शब्द, शब्द-शुद्धि, उपसर्ग, प्रत्यय, तत्सम, तद्भव शब्द, मुहावरे-लोकोक्ति।
इकाई- 4 देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानक रूप, कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग।
इकाई- 5 हिंदी अपठित, संक्षेपण।

---00---

सहायक पुस्तकें :

- | | |
|---------------------------------|-----------------------|
| 1. भारतीयता के अमर स्वर | -डॉ. धनंजय वर्मा |
| 2. प्रयोजन मूलक हिंदी | -विनोद गोदरे |
| 3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग | -विजय कुमार मल्होत्रा |
| 4. हिंदी संक्षिप्त लेखन | -रामप्रसाद किचलू |
| 5. हिंदी शब्द सामर्थ्य | - शिवनारायण चतुर्वेदी |
| 6. हिंदी व्याकरण एवं रचना | -डॉ. प्रभा व्यौहार |

2 आलोचनात्मक प्रश्न

- $2 \times 15 = 30$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

5 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन

- $5 \times 6 = 30$ अंक (" " " " ")

10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न

- $10 \times 2 = 20$ अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

- [Signature]

3 डॉ. बिहारी लाल साहू

- [Signature]

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

- [Signature]

7 श्री रामकुमार बंजारे

- [Signature]

9 श्री राजीव गुप्ता

- [Signature]

2. डॉ. फूलदास महंत

[Signature]

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

- [Signature]

6 डॉ. बेटियार सिंह साहू

- [Signature]

8 श्री नवनीत जगतारामका

- [Signature]

[Signature]

प्रयन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवानिवृत्त प्राचार्य ग्राम चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

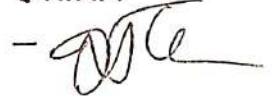
1. श्री नवनीत जगतारामका, : सदस्य
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य
धनुहारडेरा रायगढ़

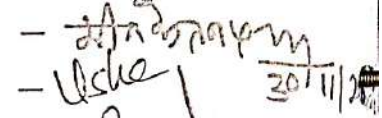
अनुमोदित

हस्ताक्षर

- 

- 

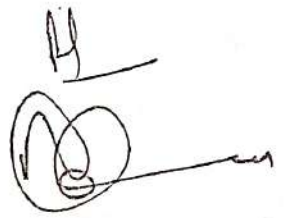
- 

- 

- 

- 

- 



कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

वी.ए./वी. एस-सी. : पंचम सेमेस्टर Code Ugf Him 9005

सामान्य हिंदी

अनिवार्य प्रश्नपत्र

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

विषय विषय :

इकाई- 1

(निबंध)

1. महात्मा गांधी --सत्य और अहिंसा
2. विनोबा भावे --ग्रामसेवा
3. आचार्य नरेन्द्रदेव --युवकों का समाज में स्थान

इकाई- 2

(निबंध)

1. वारुदेवशरण अग्रवाल --मातृभूमि
2. भगवतशरण उपाध्याय --हिमालय की व्युत्पत्ति
3. हरि ठाकुर --डॉ. खूबचंद वघेल

इकाई- 3

हिंदी भाषा और उसके विविध रूप- कार्यालयीन भाषा,
गोडिया की भाषा, वित्त एवं वाणिज्य की भाषा, तकनीकी भाषा (मशीनी भाषा)

इकाई- 4

अनुवाद-अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, क्षेत्र, प्रक्रिया।

इकाई- 5

हिन्दी की व्यावहारिक कोटियाँ- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण,
सन्धि, समास एवं संक्षिप्तियाँ।

---00---

अंक विभाजन :

- 2 दीर्घउत्तरीय/निबंधात्मक प्रश्न - $2 \times 15 = 30$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)
- 5 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन - $5 \times 6 = 30$ अंक
- 10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न - $10 \times 2 = 20$ अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3 डॉ. बिहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

7 श्री रामकुमार बंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. वेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतशामका

H. [Signature]

[Signature]
30/11/16

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

बी.ए./बी.एस-सी.: चतुर्थ सेमेस्टर - 2015-16 एवं 2016-17

अनिवार्य प्रश्नपत्र-सामान्य हिंदी Code UGFHN 9004

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

- इकाई- 1 पल्लवन, पारिभाषिक शब्दावली
इकाई- 2 पत्र लेखन(निजी पत्र, व्यावहारिक पत्र, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, आवेदन पत्र)
इकाई- 3 पर्यायवाची, युग्म-शब्द, शब्द-शुद्धि, उपसर्ग, प्रत्यय, तत्सम,तद्भव शब्द, मुहावरे-लोकोक्ति।
इकाई- 4 देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानक रूप, कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग।
इकाई- 5 हिंदी अपठित, संक्षेपण।

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीयता के अमर स्वर -डॉ. धनंजय वर्मा
2. प्रयोजन मूलक हिंदी -विनोद गोदरे
3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग -विजय कुमार मल्होत्रा
4. हिंदी संक्षिप्त लेखन -रामप्रसाद किचलू
5. हिंदी शब्द सामर्थ्य - शिवनारायण चतुर्वेदी
6. हिंदी व्याकरण एवं रचना -डॉ. प्रभा ब्यौहार

--0--

अध्ययन मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले - सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

अनुमोदित

श्री.म.म.प.म.

Uske
27.09.14

Ranking

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. शील प्रभा मिश्र, प्राचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय, पाली, जिला - कोरबा
2. डॉ. डी.एस.ठाकुर, प्राध्यापक हिंदी, शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. राम नारायण पटेल, रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगत रामका, प्रधान संपादक इरपात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14)

1. श्री मुरली चौहान

अंक विभाजन - 04 दीर्घ उत्तरीय/निबंधात्मक प्रश्न - 4x10 = 40 अंक
05 लघु उत्तरीय/टिप्पणी - 5x6 = 30 अंक
10 बहुविकल्पीय/आत्मलघु उत्तरीय - 10x10 = 10 अंक
कुल 80 अंक

श्री.म.म.प.म.

श्री.म.म.प.म.

उषा आठल

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़, छत्तीसगढ़

बी.ए./बी.एस-सी.: पंचम सेमेस्टर -2016-17 एवं 2017-18

अनिवार्य प्रश्नपत्र : सामान्य हिंदी Code U6FHIN 9005

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

इकाई- 1 (निबंध) 1. महात्मा गांधी -सत्य और अहिंसा
2. विनोबा भावे -ग्रामसेवा
3. आचार्य नरेन्द्रदेव - युवकों का समाज में स्थान

इकाई- 2 (निबंध) 1. वासुदेवशरण अग्रवाल -नातृभूमि
2. भगवतशरण उपाध्याय -हिमालय की व्युत्पत्ति
3. हरिटाकुर -डॉ. खूबचंद बघेल

इकाई- 3 हिंदी भाषा और उस के विविध रूप -
~~सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृ भाषा, कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित्त एवं वाणिज्य की भाषा, तकनीकी भाषा (मशीनी भाषा)~~

इकाई- 4 अनुवाद- अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, क्षेत्र, प्रक्रिया। हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास।

इकाई- 5 समाचार-लेखन (रिपोर्टिंग) हिन्दी की व्यावहारिक कौशिल्य -
~~समाचार के प्रकार, समाचार लेखन के महत्वपूर्ण अंग, समाचारों के उदाहरणों के अभ्यास। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, संघि समास एवं संश्लिष्टियाँ।~~

सहायक पुस्तकें :

- हिंदी भाषा और संस्कृति -संपा. डॉ. राजेन्द्र मिश्र
- प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी -डॉ. दिनेश गुप्ता
- अनुवाद कला -डॉ. एन.ई.विश्वनाथ अय्यर
- हिंदी भाषा -महावीर प्रसाद द्विवेदी
- बोलचाल की हिंदी और संचार - मधु धवन

अध्ययन मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विभागीय सदस्य :

- डॉ. मीनकेतन प्रधान - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
- डॉ. उषा वैरागकर आठले - सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
- डॉ. बेठियार सिंह साहू - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
- श्री रामकुमार वंजारे - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

विषय विशेषज्ञ :

- डॉ. शील प्रभा मिश्र, प्राचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय, पाली, जिला - कोरवा
- डॉ. डी.एस.ठाकुर, प्राध्यापक हिंदी, शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

कुलपति द्वारा नामांकित :

- डॉ. राम नारायण पटेल, रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

औद्योगिक/निगम क्षेत्र : 1. श्री नवनीत जगतरावका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) 1. श्री मुरली चौहान

अंक विभाजन - 04 दीर्घ उत्तरी/निबंधात्मक प्रश्न 4x10=40
05 लघु उत्तरी/टिप्पणी 5x6=30
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय 10x10=100

Handwritten signature and initials.

Handwritten initials.

Handwritten signature and date: 27/09/14

Handwritten signature.

कला 50 अंक

प्रस्तावित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021
 एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर-चतुर्थ
 अनिवार्य प्रश्नपत्र-प्रथम : छायावादोत्तर काव्य code 913

प्रस्तावना :

छायावादी कृतिव में यथार्थ और स्वप्न दोनों की समान संस्थिति थी। राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समस्त शक्ति-सामर्थ्य तथा कतिपय नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जोर पकड़ते गए, जिसके बीज-बिंदु छायावाद में पड़ चुके थे। औद्योगीकरण के साथ-साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्रूपताओं ने प्रगतिशील साहित्यिक आंदोलन को बढ़ावा दिया। नए मार्ग की अन्वेषी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्यधारा के रूप में अपने को विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद मोहभंग की स्थिति ने जन्म लिया। स्वप्न अधूरे रहे, संकल्प टूटे। आक्रोश और विद्रोह की प्रवृत्तिव्यापक पैमाने पर परिलक्षित हुई। विज्ञान ने बौद्धिकता का विकास किया। फलस्वरूप नए-नए बिम्ब, प्रतीक एवं अभिव्यंजना-रूप विकसित हुए। अंतर्विरोधी स्थितियों ने मूल्य-विघटन, तनाव-संक्रमण, मोहभंग की स्थिति पैदा की, जिसकी अभिव्यंजना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता विवजनीन हो गई। इस वैश्विक संदर्भ की जानकारी और समझदारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत कवियों से 03 व्याख्यात्मक, 03 आलोचनात्मक प्रश्न एवं द्रुत पाठ से लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प होगा। संपूर्ण पाठ्य-विषय से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय': नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, साँप।
2. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, यह तुम थी, वह तो था बीमार, नईपौध, कालिदास, मैं तुम्हें अपना चुम्बन दूँगा, पैसे दाँतों वाली, तो फिर क्या हुआ ? शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद।
3. गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में।

द्रुत पठन :

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', रघुवीर सहाय, धूमिल, दुष्यंत कुमार, अरुणकमल

—0—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

03-व्याख्या	-3 × 10 = 30	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03-आलोचनात्मक प्रश्न	-3 × 10 = 30	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03-लघूत्तरी प्रश्न	-3 × 05 = 15	(द्रुत पाठ से)
05-वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	-5 × 01 = 05	(समादृत पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
7. डॉ. बेठियार सिंह साहू
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. चित्तरंजन कर

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

6. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुर्रे

8. श्री नवनीत जगतारामका

(Handwritten signatures and dates)
 21/8/18
 22

संदर्भ ग्रंथ :

1. मावस्यदा और प्रागैशियल साहित्य
2. आधुनिक हिंदी कविता में दुरुहता
3. आधुनिक हिंदी कविता और विचार
4. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
5. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन
6. असाध्य बीजा और अज्ञेय
7. बाबा नागार्जुन
8. कविता के नए प्रतिमान
9. छायावादोत्तर काल्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
10. प्रागैशियली काल्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना
11. अज्ञेय : प्रकृति काल्य : काल्य में प्रकृति
12. दुष्यंत कुमार की गजलों का समीक्षणक अध्ययन
13. कवि कलानीकर अज्ञेय और मुक्तिबोध : संवेदना और दृष्टि
14. नागार्जुन की कविता
15. अंतराल का पूरा विस्तार : अज्ञेय में
16. नई कविता : चिराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध
17. रघुवीर सहजय का कविकर्म
18. समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में
19. ब्रह्मदेव सहजय का कविकर्म
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद
21. अज्ञेय-काल्य में प्रागैशियन और मिथक
22. धमकतु धूमिल और साठोत्तरी कविता
23. निराला और मुक्तिबोध
24. रघुवीर सहजय और श्रीकांत वर्मा की कविता
25. नाजलकार दुष्यंतकुमार
26. नागार्जुन के काल्य में जनवादी चेतना

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य
शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चित्तरंजन कर,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
प. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकौतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मणवती कुर्र-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसामका,
प्रधान सपादक इस्पात टाइम्स, रायपुर
मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15)
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारखेरा रायपुर

: रामविलास शर्मा

: डॉ. एस.यसवंता

: डॉ. राजेन्द्रमोहन भटनगर

: गजानन भास्व मुक्तिबोध

: वंदकांत बारिचवडेकर

: रमेशचंद्र शाह

: नरेन्द्र कोइली

: नामवर सिंह

: डॉ. कमलाप्रसाद

: डॉ. विद्या प्रधान

: संजय कुमार

: डॉ. सारदार मुजावर

: डॉ. भरत सिंह

: अजय तिवारी

: सपादक - निर्मला जैन

: विद्या सिन्हा

: सुरेश शर्मा

: शशि शर्मा

: डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र

: डॉ. मास्कर मिया

: डॉ. सी.एम.राजान

: मीनाली जोशी

: नंदविशोर नंदल

: अभिय कुमार साहू

: डॉ. अभिनाश कासाडे

: डॉ. रमकांत आपरे

अनुमोदित

हस्ताक्षर



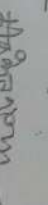


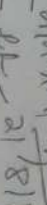


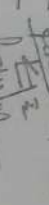






















































































































































































































































































































































प्रस्तावित सन् 2019-2020 एवं 2020-2021

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर-चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र-द्वितीय

पारचात्य काव्यशास्त्र Code 914

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूलबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। पारचात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का भी हमारी काव्य-दृष्टि पर प्रभाव पड़ा है अतः आधुनिक रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए पारचात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख)से 01 आलोचनात्मक प्रश्न तथा, समस्त पाठ्य-विषय से लघुलघु प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प रहेंगा।

पाठ्य विषय :

(क) 1. चेतो

2. अरस्तू

3. लॉजाइनस

4. वर्ड्सवर्थ

5. कॉलरिज

6. मैथ्यू आर्नल्ड

7. टी. एस. इलियट

8. आई.ए.रिचर्ड्स

(ख) (1) सिद्धांत और वाद

(2) आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, विखंडनवाद, शैलीविज्ञान, चत्तरशाधुनिकतावाद।

अंक विभाजन :

3 आलोचनात्मक प्रश्न

3 लघुलघु प्रश्न / टिप्पणी

5 वस्तुनिष्ठ / अति लघुलघु प्रश्न

-3 x 20 = 60 (खण्ड क से 02 एवं खण्ड ख से 01)

-3 x 05 = 15 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

-5 x 01 = 05 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

कुल अंक 80

—0—

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर
1. डॉ. राजेश दुबे
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
7. डॉ. देवियार सिंह साहू
9. श्री. राजीव गुप्ता

2. डॉ. वितरंजन कर
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
6. सुश्री लक्ष्मण कुर्से
8. श्री. नवनीत जगतारामका

21/8/18

प्रस्तावना :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्वदेशीय प्रयोग तभी हो सकता है, जब इन दूरस्थ-श्रव्य माध्यमों से संबंधित विधाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजगारप्ररक है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 तथुत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य-विषय से 05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

(अ) मीडिया लेखन : 1. जनसंचार : प्रौद्योगिकी और चुनौतियाँ।

2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट।
3. श्रव्य माध्यम (रेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार-लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा-लेखन, विज्ञापन-लेखन, कीचर तथा रिपोर्टाज
4. दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं वीडियो) : दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर), पटकथा लेखन, टेली ड्रामा, सवाद-लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतर, विज्ञापन की भाषा।

(ब) हिंदी कम्प्यूटिंग : 1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग-क्षेत्र

2. इंटरनेट एवं वेब वर्ल्ड वाइड का परिचय।
3. इंटरनेट एक्सट्रीसर अथवा नेटकेप।
4. लिंक, ई-मेल भेजना, प्राप्त करना, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।
5. हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी की प्रमुख वेबसाइट्स, हिंदी के ब्लॉग्स, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेजिंग।
6. एम्.एस.वर्ड, कोटबॉप, कवर डिजाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मल्टीमीडिया, ई-कॉमर्स का सामान्य परिचय।
7. इंटरनेट : सामग्री-सृजन।

(स) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार : 1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।

2. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. मशीनी अनुवाद।

—0—

कुल अंक 80

अंक विभाजन :	
3 आलोचनात्मक प्रश्न	-3 × 20 = 60 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 तथुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	-3 × 05 = 15 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति तथुत्तरी प्रश्न	-5 × 01 = 05 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन भण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे
2. डॉ. चितरंजन कर
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
4. डॉ. मीनकान्त प्रधान
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
6. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुरू
7. डॉ. बंदि्यार सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतारामका
9. श्री राजीव गुप्ता

संदर्भ ग्रंथ :
1. पत्रकारिता और जनसंचार

डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
Dr. R. K. Sharma

प्रस्तावना :

हिंदी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है। उसकी अनेक विभागाओं में आज भी पर्याप्त साहित्य-सृजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की राजभाषा के रूप में छत्तीसगढ़ी प्रतिष्ठित हो चुकी है। अतः इसके पृथक् अध्ययन से इस विभाषा का उत्तरोत्तर विकास ही होगा। इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघुलंघी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य-विषय से 05 वस्तुनिष्ठ/अतिरिक्त प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

खण्ड - अ. छत्तीसगढ़ी भाषा

1. छत्तीसगढ़ का नामकरण।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा : उद्भव, विकास एवं परंपरा।
3. छत्तीसगढ़ी भाषा का भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य।
4. छत्तीसगढ़ी की उपबोलियाँ एवं उनका वर्गीकरण।
5. छत्तीसगढ़ी का मानक व्याकरण एवं शब्दकोश।

खण्ड - ब. छत्तीसगढ़ी साहित्य

1. छत्तीसगढ़ी साहित्य : उद्भव, विकास एवं प्रवृत्तियाँ-
पद्य साहित्य- मुक्तक काव्य/गीत, खण्ड काव्य, महाकाव्य, नई कविता।
नव्य साहित्य- कथानी, उपन्यास, निबंध, नाटक, एकांकी, आलोचना, संस्मरण,
यात्रासाहित्य।
2. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य की विविध विधाएँ-
लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकनृत्य, लोकसंगीत, लोक सुभाषित, झाना।

अंक विभाजन :

- 3 आलोचनात्मक प्रश्न -3 × 20 = 60 (समादृत संपूर्ण पाठ्य विषय से)
- 3 लघुलंघी प्रश्न/टिप्पणी -3 × 05 = 15 (समादृत संपूर्ण पाठ्य विषय से)
- 5 वस्तुनिष्ठ/अति लघुलंघी प्रश्न -5 × 01 = 05 (समादृत संपूर्ण पाठ्य विषय से)

कुल अंक 80

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर-

1. डॉ. राजेश दुबे
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधरी
7. डॉ. भदियार सिंह साहू
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. सितारंजन कर
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
6. सुश्री लक्ष्मणरी कुरे
8. श्री नवनील जगतसमका

संदर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकसाहित्य
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्भविकार

3. डॉ. विहारीलाल साहू
4. डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा

3. छत्तीसगढ़ी, इन्दी, भरसी भाषाओं का वैज्ञानिक अध्ययन
4. छत्तीसगढ़ी : दशा एवं दिशा
5. छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश
6. छत्तीसगढ़ : इतिहास, संस्कृति एवं परम्परा
7. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश
8. राजभाषा छत्तीसगढ़ी
9. छत्तीसगढ़ का भूगोल
10. गानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं रंगकर्म
12. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी
13. छत्तीसगढ़ी : अभिव्यक्ति के पर्यवेक्ष्य
14. छत्तीसगढ़ी बोली, व्याकरण और कोश
15. छत्तीसगढ़ी जनभाषा
16. प्राचीन छत्तीसगढ़
17. छत्तीसगढ़ी पहलियाँ
18. छत्तीसगढ़ी मुहवरा कोश
19. प्रहेलिकार और छत्तीसगढ़ी संस्कृति
20. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं परम्परा
21. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन
22. छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन
23. छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियाँ
24. छत्तीसगढ़ी साहित्य के समर्पित हस्ताक्षर
25. बीसवीं शताब्दी का छत्तीसगढ़ी साहित्य

: गोलवन्द राव वैजंग
: नन्दकिशोर शिवारी
: शैरलाल शुक्ल
: डॉ. तुषा शर्मा
: डॉ. रमेशचन्द्र महेशेत्रा
: डॉ. सुधीर शर्मा
: डॉ. किरण गजपाल
: वंदूलाल चंद्राकर
: डॉ. उषा वैरागाकर आठले
: डॉ. चित्तरंजन कर
: डॉ. विशरीलाल साहू
: डॉ. कतिकुमार
: डॉ. व्यासनारायण दुबे
: प्यरेलाल गुप्ता
: डॉ. विशरीलाल साहू
: संपा. - रमेशचन्द्र महेशेत्रा एवं चित्तरंजन कर
: डॉ. विशरीलाल साहू
: डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा
: डॉ. शंकर शेष
: डॉ. विमल कुमार पाठक
: डॉ. चित्तरंजन कर
: डॉ. विनय कुमार पाठक
: डॉ. मजु शर्मा

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,

प्राचार्य

शास.नवीन महाविद्यालय खरसा, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. चित्तरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

प. रविशंकर शुक्ल विश्वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग

छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. गीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. (श्रीमती) स्वीन्द वीर-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

3. सुश्री लक्ष्मणेश्वरी कुरे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

4. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसमक,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायपुर

गृहपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायपुर

अनुमोदित

हस्ताक्षर

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

- 21

21/8/18

21/8/18

सदस्य

सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर-चतुर्थ

परियोजना-कार्य Code 920

प्रस्तावना :-

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमोत्तर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। विद्यार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, श्रेय-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केंद्रित आलेख की रचना हेतु लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित विधि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। विद्यार्थी का मौलिक दृष्टिकोण अवलंबित है।

निर्धारित विषय

1. रायगढ़ जिले के साहित्यकारों से साक्षात्कार।
2. जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों की रचनाओं पर शोधपरक लेख।
3. इंटरनेट-माध्यम से किसी एक साहित्यिक व्यंग का विश्लेषण।
4. किसी फिल्म/शेड्यो नाटक/टी वी धारावाहिक/दूरदर्शन के लिए पटकथा लेखन।
5. अनुवाद : छत्तीसगढ़ी/हिंदी/उड़िया का पारस्परिक अनुवाद।
6. छत्तीसगढ़ के संदर्भ में लगभग 25 विज्ञापन तैयार करना।
7. पर्याय कव्यशास्त्र के पाठ्यतर किसी एक विचारक/सिद्धांत/वाद की समीक्षा/जुलनात्मक अध्ययन।
8. छायावादोत्तर/इक्कीसवीं सदी के किसी एक हिंदी/छत्तीसगढ़ी/उड़िया/अन्य भाषा के कवि/काल्प-कृति का साहित्यिक मूल्यांकन।
9. आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित कार्यक्रमों की समीक्षा।
10. रायगढ़ जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास।
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य के विशिष्ट रचनाकार।
12. संदर्भित सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्कृति से)

अंक विभाजन : कुल अंक - 50, शोध आलेख - 30 अंक एवं मौखिकी : 20 अंक
अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. राजेश दुबे,

प्राचार्य

2. डॉ. चितरंजन कर,
शासनवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
प. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधरी-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मणेश कुंठुरे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. वेदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनील जगतारामका,

सदस्य

प्रधान संपादक इस्थाल टाइम्स, रायगढ़

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़

अनुमोदित

हस्ताक्षर

-24-

-Rakesh-

-Rakesh-

-Rakesh-

-Rakesh-

19.9.18

-Rakesh-

कि. शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य

एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक विभाजन				योग
			सेमेस्टर परीक्षा		आंतरिक मूल्यांकन		
			अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
1.	प्रथम	हिंदी साहित्य का इतिहास(सन् 1857 ई. से आज तक)	80	29	20	07	100
2.	द्वितीय	प्रेमाख्यानक काव्य एवं रीतिकाव्य	80	29	20	07	100
3.	तृतीय	हिंदी भाषा	80	29	20	07	100
4.	चतुर्थ	आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवंकहानी	80	29	20	07	100
5.		परियोजना कार्य			50	18	50
					कुल		450

बैठक दिनांक : 30.11.2016

विभागाध्यक्ष - हिन्दी

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं संदर्भ ग्रंथ सूची संलग्न
नोट : परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में सेमेस्टर परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में अलग-अलग
36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

- डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
- डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

- डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

- डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
- डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
- डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
- श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

- श्री नवनीत जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

- श्री राजीव गुप्ता
धनुवारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

- [Signature]

- [Signature]

[Signature]

- [Signature]

- [Signature]

-

- [Signature]

[Signature]

प्रस्तावना :

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के साथ समूचे भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवर्तन होने लगे थे। इसका प्रभाव हिंदी भाषा और साहित्य पर भी दृष्टिगोचर होता है। एक ओर विभिन्न बोलियों का स्थान खड़ी बोली हिंदी ले रही थी, वहीं दूसरी ओर साहित्य के विषयों में भी स्वाधीनता आंदोलन एवं स्वतंत्रता के स्वर मिलने लगे। स्वतंत्रता के पहले और बाद अनेक प्रकार की विचारधाराएँ और शैलियाँ विकसित हुईं, जिनके विकास का क्रमबद्ध अध्ययन इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
2. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
4. छायावादी युग : हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का आग्रिम विकास : छायावादी काव्य - प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
5. उत्तर छायावाद : विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, उत्तरआधुनिकतावादी कविता, नारी विमर्श, दलित विमर्श : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
6. हिंदी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का विकास - कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि।
7. हिंदी आलोचना का उदभव और विकास।
8. उर्दू साहित्य का साक्षर इतिहास।
9. उर्दू साहित्य का साक्षर इतिहास।
10. हिदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- | | |
|------------------------------------|---|
| 3 आलोचनानत्मक प्रश्न | 3 × 20 = 60 (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 3 लघुत्तरीय प्रश्न / टिप्पणी लेखन | 3 × 5 = 15 (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघुत्तरीय प्रश्न | 5 × 1 = 05 (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
2. डॉ. विहारी लाल साहू
3. डॉ. उषा वैरागकर आठले
4. श्री रामकुमार बंजारे
5. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत
4. डॉ. मीनकंतन प्रधान
6. डॉ. बेरियार सिंह साहू
8. श्री नवनील जगतारामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
2. दूसरी परम्परा की खोज
3. छायावाद एवं अन्य निबंध
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल
6. आधुनिक हिंदी गद्य और गद्यकार
7. छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
8. उल्लरआधुनिक साहित्यिक विमर्श
9. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास
11. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना
12. देरिदा : विखंडन की सैद्धांतिकी
13. हिंदी आलोचना का विकास
14. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत
15. ओडिया साहित्य का इतिहास
16. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
17. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
18. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
19. हिंदी साहित्य : दौसवीं शताब्दी
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद
21. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य
22. स्त्री विमर्श : साहित्यिक और व्यावहारिक संदर्भ
23. दलित साहित्य : प्रकृति और संदर्भ
24. दलित साहित्य : विविध आयाम
25. नाशी विमर्श की नई दिशाएँ

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. टी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजपुर, जिला जाँजगीर-बाँपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बटियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

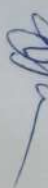
- श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश रायगढ़

- बचन सिंह
नामवर सिंह
संपादक - सतीश चतुर्वेदी
लक्ष्मीसागर वर्ण्य
श्रीनारायण चतुर्वेदी
डॉ. जेकब पी. जॉर्ज

- डॉ. कमलाप्रसाद
सुधीश पवीरी
प्रो. सैयद ऐहतशाम हुसैन
डॉ. बापूराव देसाई
डॉ. विद्या प्रधान
सुधीश पवीरी
नंदकिशोर नवल
योगेन्द्र प्रताप सिंह
डॉ. पूर्णिमा कोडिया
ओमप्रकाश वाल्मीकि
डॉ. बचन सिंह
नामवर सिंह
आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
डॉ. भारकर भैया
क्षमा शर्मा
डॉ. करुणा उमरे
डॉ. सजय नवले
डॉ. सुनीता साखरे
डॉ. रेणुका मोरे

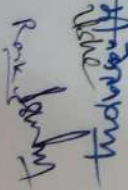
अनुमोदित

हस्ताक्षर











प्रस्तावना :

पूर्वमध्यकाल में सूफी काव्य की एक सशक्त धारा दिखाई देती है, जिसमें हिंदू और इस्लामी संस्कृति का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। उत्तरमध्यकालीन काव्य (शैतिकाव्य) अपनी कलात्मक अभिव्यजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धड़कनों को समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत तीनों काव्य-कृतियों से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प-युक्त लघूत्तरी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य विषय :

1. जायसी : संक्षिप्त पदमावत - (पदमावती खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)
समादक-श्यामसुंदर दास

2. घनानंद : घनानंद चयनिका
समादक - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा (प्रारम्भिक 25 छंद)

3. बिहारी : बिहारी सार्द्धशाली
समादक - ओमप्रकाश (प्रारम्भिक 100 दोहे)

द्रुत पाठ के कवि : केशव, देव, भूषण, सेनापति, पदमाकर

—00—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 3 व्याख्यात्मक प्रश्न -3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न -2 × 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
3 लघूत्तरी प्रश्न / टिप्पणी लेखन-3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न-5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
3. डॉ. बिहारी लाल साहू
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले - Usha
7. श्री रामकुमार बंजारे
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत
4. डॉ. मीनकान्त प्रधान
6. डॉ. बंशधर सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतारामका

(Handwritten signatures and initials)

संदर्भ ग्रंथ :

1. घनानंद : काव्य और आलोचना
2. घनानंद का काव्य
3. विहारी भण्ड
4. विहारी की काव्य-साधना
5. विहारी
6. विहारी : आलोचनात्मक अध्ययन
7. विहारी का नया मूल्यांकन
8. सूफ़ी मत
9. पद्मावत का अनुशीलन
10. जायसी : एक नई दृष्टि
11. शैतिकालीन कविता में भक्तिभाव
12. हिंदी शैलि साहित्य
13. शैतिकालीन कविता की प्रेम-व्यंजना
14. शैतिकाल्य की इतिहास-दृष्टि
15. केशवदास
16. केशव-काव्यसुधा
17. मीरा का काव्य
18. हिंदी साहित्य का मध्यकाल
19. शैतिवद्ध काव्य में तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का स्वरूप
20. बोधा के काव्य में जीवन-मूल्य
21. शैतिमुक्त कवि जकुर और उनका काव्य
22. कवि आलम और उनकी आत्मकलि
23. मध्ययुगीन रहस्यवादी प्रवृत्तियों के मूल स्रोत
24. मध्यकालीन हिंदी काव्य
25. भूषण का प्रशस्तिकाव्य

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जैजपुर, जिला जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठल-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसरमका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश रायगढ़ : सदस्य

डॉ. किशोरीलाल

डॉ. रामदेव शुक्ल

डॉ. देशराजसिंह भाटी

डॉ. देशराजसिंह भाटी

डॉ. राजकिशोर सिंह

डॉ. राजकिशोर सिंह

डॉ. बच्चन सिंह

डॉ. कन्हैया सिंह

इंद्रचंद्र नारंग

डॉ. रघुवश

डॉ. उषा पुरी

डॉ. भगीरथ मिश्र

डॉ. बच्चन सिंह

सुधीन्द्र कुमार

विजयपाल सिंह

कृष्णदेव शर्मा

विश्वनाथ त्रिपाठी

डॉ. ईश्वरदत्त शील

डॉ. तारा श्रीवास्तव

डॉ. वेदप्रकाश

डॉ. जगदेवकुमार शर्मा

डॉ. वेदप्रकाश

डॉ. आनंदमोहन उपाध्याय

संपादक - डॉ. दिलीप मेहरा

डॉ. रमा नवल

अनुमोदित

हस्ताक्षर

प्रस्तावना :

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कम्प्यूटर-सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैश्वीकरण, विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अद्यता के लिए अत्यंत उपयोगी है। हिंदी भाषा के विकास के आधुनिक चरण में कामकाजी हिंदी महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य-विषय से आलोचनात्मक/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :
प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ -

वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत- उनकी विशेषताएँ।

मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ -

पालि, प्राकृत - शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश- उनकी विशेषताएँ।

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ -वर्गीकरण।

2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार :

हिंदी की उपभाषाएँ -

पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, विहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।
खड़ी बोली, ब्रज, अवधी- उनकी विशेषताएँ।

3. हिंदी का भाषिक स्वरूप:

हिंदी शब्द-रचना -

उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समस।

हिंदी रूप-रचना -

लिंग, वचन, कारक-व्यवस्था, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।

हिंदी वाक्य-रचना -

पदक्रम और अन्विति।

4. हिंदी के विविध रूप-
सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा।

हिंदी की सांविधानिक स्थिति।

कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) :

प्रमुख प्रकार - प्रारूपण, टिप्पण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन।

5. देवनागरी लिपि :

व्युत्पत्ति, विशेषताएँ और मानकीकरण।

—00—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

02 आलोचनात्मक प्रश्न	—	3 × 20 = 60 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
03 लघूत्तरी प्रश्न	—	3 × 5 = 15 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	—	5 × 1 = 05 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. जी. एस. ठाकुर

3. डॉ. विहारी लाल साहू

5. डॉ. उषा वैरागकर आठले

7. श्री रामकुमार बंजारे

9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. भीमकेतन प्रधान

6. डॉ. वेदियार सिंह साहू

8. श्री नवनील जगतसामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा की सृष्टि-संरचना
2. हिंदी संज्ञा-संरचना और रूपिम
3. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी
4. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास
5. भाषा एवं भाषाविज्ञान
6. हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप
7. हिंदी भाषा-संरचना के विविध आयाम
8. हिंदी भाषा का इतिहास
9. भाषा : इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका
10. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन: डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा
11. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा
12. हिंदी शब्दानुशासन
13. अपभ्रंश के योग
14. भाषा और प्रौद्योगिकी
15. भाषा और व्यवहार
16. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा
17. हिंदी की मानक वर्तनी
18. हिंदी भाषा : विकास और स्वरूप
19. भाषा चिंतन के नए आयाम
20. हिंदी व्याकरण भीमासा
21. वाक्य-संरचना और विश्लेषण : नए प्रतिमान: बदरीनाथ कपूर
22. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के इस्ताफ़र :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शास. विद्यासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत,

शास. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य

शास. महाविद्यालय, जेजेपुर, जिला जौनपीर-बांण

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य

3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसामका,

प्रधान सपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता,

धनुहारडेरा रायगढ़

डॉ. भोलानाथ तिवारी

डॉ. प्रीति सोहनी

सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या

डॉ. उदयनारायण तिवारी

महावीरसरन जैन

डॉ. राजमणि शर्मा

रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

डॉ. भोलानाथ तिवारी

डॉ. वादियेज

डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

डॉ. किशोरीदास बाजपेयी

प्रस्तावना :

आज गद्य साहित्य उपन्यास एवं कथा साहित्य जैसी विधाओं के साथ वागमन से विराट हो गया है। हिंदी गद्य की विधाओं में आज उपन्यास और कहानी सर्वाधिक विकसित एवं लोकप्रिय हैं क्योंकि इसमें किसी क्षेत्र के विस्तृत या सीमित फलक पर घटित होने वाली ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक घटनाओं तथा उनके परिप्रेक्ष्य में अनेक व्यक्ति-समूहों को चित्रित किया जाता है अतः इन विधाओं का अध्ययन अपेक्षित है। इन विधाओं के क्रमिक विकास के साथ कुछ कृतियों का अध्ययन भी अपेक्षित है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे। समूचे पाठ्य-विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

उपन्यास :

1. गोदान : प्रेमचंद
2. ~~शकुन्तला~~ ^{गुनगुनी} : हजारीप्रसाद द्विवेदी

कहानी :

1. उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
3. कफन : प्रेमचंद
4. वापसी : उषा प्रियंवदा

द्रुत पाठ :

उपन्यासकार : जैनेन्द्रकुमार, फणीश्वरनाथ रेणु, मन्नु भंडारी ।
कहानीकार : कमलेश्वर, कृष्णा सोबती, अमरकांत ।

—00—

अंक विभाजन :

03	व्याख्या	—	3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
02	आलोचनात्मक प्रश्न	—	2 × 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
03	लघूत्तरी प्रश्न	—	3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
05	वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	—	5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ से)

कुल अंक 80

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. टाकुर
3. डॉ. विहारी लाल साहू
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले
7. श्री रामकुमार बंजारे
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
6. डॉ. बेडियार सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतसमका

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन : डॉ. इंदनाथ मदान
2. प्रेमचंद का पुनर्मुल्यांकन : शंभुनाथ
3. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
4. प्रेमचंद : संपादक - सत्येन्द्र
5. प्रेमचंद के उपन्यासों में व्यंग्यबोध : उर्मिला सिन्हा
6. आद्यबिम्ब और गोदान : कृष्णमुरारी मिश्र
7. आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद : सत्यकाम
8. पुनर्नवा और लोकजीवन : सुरेन्द्रप्रताप यादव
9. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की साहित्य सर्जना : विद्यवासीनीनंदन पाण्डेय
10. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यास : संस्कृति और इतिहास : डॉ. अरुण कुलकर्णी
11. हिंदी उपन्यास का विकास : मधुरेश
12. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास : इंदनाथ मदान

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित

विषय विशेषज्ञ :

हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य, शास. महाविद्यालय, जैजपुर, जिला जाँजगीर-बाँपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू, सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वैठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामबुध्दर बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुहारदेश रायगढ़ : सदस्य

11

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-द्वितीय

परियोजना-कार्य Code - 918

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवंटित पाठ्यक्रमों पर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/रस-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय :

1. दलित गद्य साहित्य
2. हिंदी गद्य साहित्य में नारी-विमर्श
3. साठोत्तरी हिंदी कथा साहित्य
4. छत्तीसगढ़ का गद्य साहित्य
5. हिंदी कथा साहित्य में उत्तरआधुनिकता
6. हिंदीतर भाषा-साहित्य का अध्ययन
7. पाठ्यक्रमों पर आधुनिक हिंदी आलोचना/समीक्षा
8. हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी का प्रयोग
9. हिंदी भाषा-शिक्षण का व्यावहारिक प्रयोग
10. विदेशों में हिंदी की लोकप्रियता
11. अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

अंक विभाजन : कुल अंक - 50

शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 10)

मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 08)

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित
हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शास. विद्यापीठ कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत,

सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य

शास. महाविद्यालय, जंजोपुर, जिला जाँजगीर-बाँपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी बाल साहू

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किराडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिंदी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडैरा रायगढ़

: सदस्य

-

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018
एम.ए.हिंदी सेमेस्टर-प्रथम
अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम
हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 700 ई. से 1857 ई. तक) code 901

प्रस्तावना :

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोवेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूँज हिंदी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं-नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय : इतिहास-दर्शन एवं साहित्येतिहास।

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब।
4. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
5. हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।
7. हिंदी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
8. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा प्रमुख रचनाकारों का वैशिष्ट्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य।
9. भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्त्व।
10. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ, रीतिकालीन गद्यसाहित्य।
11. आदिकाल एवं रीतिकाल की महिला साहित्यकारों का वैशिष्ट्य।

00

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 3 आलोचनात्मक प्रश्न - $10 \times 3 = 60$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी - $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न - $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3 डॉ. बिहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

7 श्री रामकुमार बंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. बेटियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतारामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हिंदी साहित्य का इतिहास
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
4. हिंदी साहित्य की भूमिका
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
7. हिंदी साहित्य का इतिहास
8. भारतीय साहित्य
9. भारतीय साहित्य
10. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ
11. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था
12. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
13. हिंदी शैलि साहित्य
14. हिंदी साहित्य के विकास की रूपरेखा
15. हिंदी साहित्य का आदिकाल
16. साहित्य और इतिहास—दृष्टि
17. हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं बीसलदेव रास
18. हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ
19. इतिहास दर्शन और हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
20. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका
21. साहित्यइतिहास दृष्टि
22. भारतीय साहित्य
23. साहित्यइतिहासकारों की दृष्टि—मीमांसा

- : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
: संपादक — डॉ. नगोन्द्र
: डॉ. बन्धन सिंह
: डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
: डॉ. रामकुमार वर्मा
: डॉ. सुमन राणे
: डॉ. चातक
: संपादक — डॉ. नगोन्द्र
: संपादक — डॉ. मूलचंद गौतम
: के. सचिदानंद
: डॉ. आररु
: डॉ. नगीश मिश्र
: रामअवध द्विवेदी
: हजारीप्रसाद द्विवेदी
: मैनेजर पाण्डेय
: डॉ. मीनकान्त प्रधान
: संपादक — श्याम कश्यप
: योगेन्द्र प्रताप सिंह
: डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
: डॉ. कचन यादव
: डॉ. ब्रजकिशोरप्रसाद सिंह
: डॉ. वैद्यप्रकाश

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी, शासकविद्यालय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. पूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य शासकविद्यालय, जौजेपुर, जिला— जौजगीर—बापा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. शिवशरी ताल साहू, सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान—प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले—सहायक प्राध्यापक—हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू—अतिथि व्याख्याता—हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकुमार वजारे—अतिथि व्याख्याता—हिंदी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनील जगतशमका, प्रधान संपादक — इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुषारदेश रायगढ़

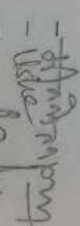
अनुमोदित

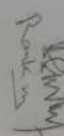
हस्ताक्षर



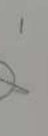












11

प्रस्तावना :

हिन्दी के पूर्वमध्यकालीन काव्य या भक्तिकालीन काव्य का साहित्येतिहास में विशेष महत्त्व रहा है। भक्तिकाव्य लोक-जागरण और लोकमंगल का नवीन स्वर लेकर आया। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परम्परा को सुरक्षित रखा है।

इस प्रश्नपत्र में समाहित तीन काव्य-कृतियों से आंतरिक विकल्प युक्त व्याख्यानक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघुलंघी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ / अतिलघुलंघी प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य विषय :

1. कबीर : संपादक - डॉ. कान्हि कुमार जैन (सम्पूर्ण)
2. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड के प्रारम्भिक 50 दोहे और चौपाइयों)
3. सूरदास : भ्रमरगीत सार - संपादक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल (51 से 100 तक)

द्रुत पाठ के कवि : विद्यापति, भीरवाहर्ष, दादुरयाल, रैदास, रहीम

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 3 व्याख्यात्मक प्रश्न -3 × 10 = 30 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनो कृतियों से)
- 2 आलोचनात्मक प्रश्न -2 × 15 = 30 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
- 3 लघुलंघी प्रश्न / टिप्पणी लेखन -3 × 5 = 15 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
- 5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघुलंघी प्रश्न-5 × 1 = 05 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

संदर्भ ग्रंथ :

1. सूरदास - हरवंशालाल शर्मा
2. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय
3. सूर साहित्य - हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. महाकवि सूरदास - नंददुलारे वाजपेयी
5. कबीर - संपादक : विजयेन्द्र स्नातक
6. कबीर तेरे रूप अनेक - संपादक : महावीर अग्रवाल
7. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. कबीर की कविता - डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
9. कबीर मीमांसा - डॉ. रामचंद्र त्रिवाशी
10. रामभक्ति में रसिक सम्प्रदाय - डॉ. मंगवतीप्रसाद सिंह
11. तुलसी - संपादक : उदयभानु सिंह
12. तुलसी मंजरी - संपादक : विद्यानिवास मिश्र

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. टाकुर

2. डॉ. फूलदास महंत

3. डॉ. विश्वेश ताल साहू

4. डॉ. मीनकान्त प्रधान

5. डॉ. उषा वैशगकर आठले

6. डॉ. देविदार सिंह साहू

7. श्री रामकुमार बंजारे

8. श्री नवनील जगतरामका

9. श्री राजीव गुप्ता

13. वैष्णव भक्ति आंदोलन का अध्यक्ष
 - डॉ. मलिक मुहम्मद
14. रामचरित मानस
 - सुधाकर पाण्डेय
15. रामचरित मानस का तुलनात्मक अध्ययन
 - डॉ. शिवकुमार शुक्ल
16. कबीर, सूर, तुलसी
 - डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
17. विद्यापति के गीत
 - वैजनाथ सिंह
18. भक्ति काल-यात्रा
 - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
19. रहस्यवाद
 - राममूर्ति त्रिपाठी
20. संत साहित्य और लोकमंगल
 - ओमप्रकाश त्रिपाठी
21. रामचरितमानस : पाठ, लीला, चित्र
 - रमण सिन्हा
22. तुलसीदास
 - नंदकिशोर नवल
23. अकथ कहानी प्रेम की
 - पुरुषोत्तम अग्रवाल
24. रामचरित मानस
 - रमण सिन्हा
25. रामचरित मानस में चरित्र-सृष्टि
 - डॉ. योगेश दुबे

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजपुर, जिला-जौनपीर-बांग

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
सोचानिवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकरेन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार वंजारे-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक-इस्थान टाइम्स,रायगढ़ : सदस्य

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2013-14) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य
धनुवारडेरा रायगढ़

अनुमोदित
हस्ताक्षर







HL

प्रस्तावना :

साहित्य आदर्शात एक भाषिक निर्मित है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट एवं सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक ईकाइयों तथा भाषा-संरचना के विविध स्तरों पर उनके अंतरसंबंधों के विन्यास को आलोचित कर न केवल अर्थता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा-विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। भाषा के साहित्योत्तर प्रयोजन मूलक रूपों के अध्ययन के लिए भाषावैज्ञानिक चिंतन का लाभ दृष्टिगोचर होता है। इस प्रश्न पत्र में समादृत सम्पूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प युक्त आलोचनात्मक/तत्पूरतरीय एवं वस्तुनिष्ठ/अतिव्युत्तरीय प्रश्न किंचे जायेंगे।

पाठ्य विषय :

1. भाषा और भाषाविज्ञान :

(अ) भाषा - परिभाषा, उत्पत्ति के सिद्धांत, विशेषताएँ एवं प्रवृत्तियाँ।
(ब) भाषा विज्ञान - भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति।

अध्ययन की दिशाएँ - वर्णमूलक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रयोगात्मक, संरचनात्मक।

2. (स) साहित्य और भाषा विज्ञान - साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।
ध्वनि का वर्गीकरण - स्थान, प्रयत्न, करण।

ध्वनि के भेद - स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण।
ध्वनि परिवर्तन (चिह्नार) - ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण।

स्वनिभ सिद्धांत (ध्वनि ग्राम) - अवधारणा, ध्वनि ग्राम के भेद-खण्ड्य और खण्ड्येतर।

3. पद विज्ञान (रूप विज्ञान) - पद का स्वरूप और शाखाएँ।
रूप ग्राम (कृषिभ) - कृषिभ की अवधारणा।

रूप ग्राम के भेद- 1. प्रयोग के आधार पर- मुक्त, बद्ध, मुक्त-बद्ध 2. रचना के आधार पर - सयुक्त, मिश्रित 3. अर्थतत्त्व प्रदर्शक एवं संबन्धतत्त्व-प्रदर्शक

4. खण्डिकरण - खण्डान्तक, अखण्डान्तक।
वाक्य संवर्धी सिद्धांत - स्फोटवाद, अतिम वर्णवाद, वर्णसमूहवाद, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद।

वाक्य विज्ञान : वाक्य विज्ञान का स्वरूप एवं लक्षण।
वाक्य संवर्धी सिद्धांत - स्फोटवाद, अतिम वर्णवाद, वर्णसमूहवाद, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद।

वाक्य के भेद- रचना, आकृति, अर्थ, क्रिया एवं शैली के आधार पर।

5. अर्थविज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-परिवर्तन : - अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण।

अंक विभाजन : कुल अंक 80

02 आलोचनात्मक प्रश्न - 3 × 10 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

03 तत्पूरतरीय प्रश्न/टिप्पणी लेखन - 3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

05 वस्तुनिष्ठ/अति तत्पूरतरीय प्रश्न - 5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

2. डॉ. पूलदास महंत

3. डॉ. विहारी लाल साहू

4. डॉ. मीनकान्त प्रधान

5. डॉ. उषा वैसागर आठले

6. डॉ. देविदार सिंह साहू

7. श्री रामकुमार बंजारे

8. श्री नवनील जगतसामिका

9. श्री राजीव गुप्ता

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : राजमल वीरा
2. हिंदी शब्दानुशासन : पं. किशोरीदास बाजपेयी
3. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
4. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन : डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
5. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. भाषा एवं भाषा विज्ञान : देवेन्द्रनाथ शर्मा
7. आधुनिक भाषा विज्ञान : महावीर सरन जैन
8. भाषा विज्ञान की रूपरेखा : डॉ. राजमणी शर्मा
9. भारतीय भाषा विज्ञान : डॉ. रविदत्त कौशिक
10. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत : पं. किशोरीदास बाजपेयी
11. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत : डॉ. रामकिशोर शर्मा

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास.दिलीसा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य शास.महाविद्यालय, जैजपुर, जौजगीर-बांग्ला

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू, सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किशोरीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेंशन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बंदि्यार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बजारे-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतशामका,

प्रधान संपादक-इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुवारडेरा रायगढ़

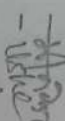
अनुमोदित

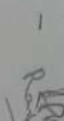
हस्ताक्षर

















प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-18
एम.ए.हिंदी :सेमेस्टर प्रथम

आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी नाटक एवं निबंध Code 904

प्रस्तावना :

नाटक साहित्य की महत्वपूर्ण शिधा है। यह श्रव्य एवं दृश्य दोनों रूपों को समेटे हुए है। धारण करके देखा एवं पाठक दोनों को मनोरंजन के साथ-साथ समाज-निर्माण एवं परिवर्तन की चेतना प्रदान करते हुए अपने साथ में दृश्य होने के कारण सीधे संघर्ष से जुड़ा हुआ है, जिसे विविध काल के अतिरिक्त ललित कलाएँ तथा कलाकार मिलकर आकार देते हैं। इसीतरह निबंध गद्य का प्रारंभ तथा शक्तिशाली प्रतिरूप है, जो किसी भी निबंधकार की वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य-चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है।

इस प्रश्न पत्र में समाहित दोनों नाटकों/निबंधों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दोनों नाटकों/निबंधों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघुलरी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। समूचे पाठ्य-विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघुलरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

- नाटक : 1. जयशंकर प्रसाद : चंद्रगुप्त
2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन

निबंध :

1. रामचंद्र शुक्ल : कविता क्या है?
2. इजारीप्रसाद द्विवेदी : शिरीष के फूल
3. नंददुलारे वाजापेयी : निराला
4. हरिशंकर परसाई : विकलांग श्रद्धा का दौर

द्रुत पाठ के नाटककार : भारत-न्दु हरिश्चंद्र, धर्मवीर भारती, विष्णु प्रभाकर।
द्रुत पाठ के निबंधकार : आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी, लोचनप्रसाद पाण्डेय, कुबेरनाथ राय

अंक विभाजन :

- 3 व्याख्यात्मक प्रश्न -3 x 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न -2x 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
3 लघुलरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन-3 x 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघुलरी प्रश्न-5 x 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन नण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर
1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
3. डॉ. विहारी लाल साहू
5. डॉ. रघु वैरागकर आठले
7. श्री रामकुमार वंजारे
9. श्री राजीव गुप्ता

कुल अंक 80
2. डॉ. फूलदास भट्ट
4. डॉ. भीमकेतन प्रधान
6. डॉ. वैद्यार सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतारामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी निबंध की विभिन्न शैलियाँ
2. लोचनप्रसाद पाण्डेय के निबंध
3. पं. लोचनप्रसाद पाण्डेय चयनिका
4. साहित्य वाचस्पति लोचनप्रसाद पाण्डेय
5. हिंदी निबंधकार
6. प्रसाद के नाटकों में नियतिवाद
7. हिंदी नाटकों का रूपविधान और वस्तु-विकास
8. प्रसाद : भारतीयता के प्रतिमान
9. हिंदी नाटकों का विकासान्मक अध्ययन
10. हिंदी के ऐतिहासिक नाटकों में इतिहास-तत्व
11. मोहन राकेश की संसृष्टि
12. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि
13. मोहन राकेश और उनके नाटक
14. हिंदी नाटक : कल और आज
15. मोहन राकेश के साहित्य में सामाजिक चित्रण
16. कुबेरनाथ राय
17. निबंधालोक : विद्यानिवास मिश्र
18. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन
19. व्यंग्यकार हरिश्चंकर परसाई
20. हिंदी नाटक
21. हिंदी व्यंग्यकर्म एवं सामकालीन परिदृश्य
22. नाटककार जयशंकर प्रसाद
23. मोहन राकेश के नाटकों में नारी

- : डॉ. मोहन अवस्थी
- : देवीप्रसाद वर्मा
- : ईश्वरशरण पाण्डेय
- : शिखा बेहरा
- : जयनाथ नलिन
- : पद्माकर भार्गव
- : डॉ. चंद्रलाल दुबे
- : सत्यपाल चूंग
- : डॉ. शांतिगोपाल पुरोहित
- : डॉ. धनंजय
- : जगदीश शर्मा
- : संकलित
- : निरीश रत्तोनी
- : केदार सिंह
- : अर्जुन के. तडवी
- : डॉ. सुरेश माहेश्वरी
- : डॉ. दिलीप देशमुख
- : डॉ. बाबुराम
- : डॉ. भरत पटेल
- : डॉ. बच्चन सिंह
- : संपादक - डॉ. विनय कुमार पाठक
- : संपादक - सत्येन्द्रकुमार तनेजा
- : डॉ. प्रतिभा येरेकर

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित

विषय विशेषज्ञ :

हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. कूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य शास.महाविद्यालय, जैजपुर, खिला - जौंजनीर-चांपा

हस्ताक्षर

कुलपति द्वारा नामांकित :

हस्ताक्षर

1. डॉ. बिहारी लाल साहू, सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किरोडीमल कालोनी, रायगढ़

हस्ताक्षर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकंतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी
2. डॉ. उषा वैरागकर आठल-सहायक प्राध्यापक हिन्दी
3. डॉ. बंदि्यार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी
4. श्री रामकुमार बजारे-अतिथि व्याख्याता हिन्दी

हस्ताक्षर

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

हस्ताक्षर

1. श्री नवनीत जगतारामका, प्रधान संपादक- इस्पात टाइम्स,रायगढ़

हस्ताक्षर

शूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सात्र २०१३-१४) :

हस्ताक्षर

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुवारडेरा रायगढ़

हस्ताक्षर

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम्. ए. हिंदी : सेमेस्टर प्रथम

परियोजना-कार्य Code 917

प्रस्तावना :-

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवंटित पाठ्यक्रमों पर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौखिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रक्रियाओं पर केन्द्रित आलेख की रचना/स्व-रचना लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करनी अनिवार्य होगी।

निर्धारित विषय

1. मुक्तिशोध का गद्य साहित्य
2. शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य
3. महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य
4. लोचनप्रसाद पाण्डेय का गद्य साहित्य
5. महावशय सप्रे का गद्यसाहित्य
6. हरीश तनवीर के नाटक
7. छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य के विविध व्याकरणिक रूपों का विवेचन
8. किसी एक पाठ्यक्रमों पर नाटक का तात्विक अथवा रंगमंचीय विवेचन
9. पाठ्यक्रमों पर निबंधों का विवेचन
10. जीवनी/चरितचित्रक कृति का अध्ययन
11. अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक विभागीय संस्कृति से)

-0-

अंक विभाजन : कुल अंक - 50

शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 10)

मीडियाली : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 08)

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शासकशिक्षा कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शासक महाविद्यालय, जीजपुर, जिला - जॉन्गीर-बांध

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू,
सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किशोरीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वेदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार वजार-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

: सदस्य

1. श्री नवनील जगतसमक,

: सदस्य

प्रधान संपादक-इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

: सदस्य

श्री राजीव गुप्ता, धनुवारडेश रायगढ़

: सदस्य

: सदस्य

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

एम. ए. हिंदी

सेमेस्टर द्वितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1857 से आज तक) code 905

प्रस्तावना : सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के साथ समूचे भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवर्तन होने लगे थे। इसका प्रभाव हिंदी भाषा और साहित्य पर भी दृष्टिगोचर होता है। एक ओर विभिन्न बोलियों का स्थान खड़ी बोली हिंदी ले रही थी, वहीं दूसरी ओर साहित्य के विषयों में भी स्वाधीनता आंदोलन एवं स्वतंत्रता के स्वर मिलने लगे। स्वतंत्रता के पहले और बाद अनेक प्रकार की विचारधाराएँ और भौलियाँ विकसित हुईं, जिनके विकास का क्रमबद्ध अध्ययन इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

पाठ्य विषय :

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
2. भारतेंदु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
4. छायावादी युग : हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास : छायावादी काव्य - प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
5. उत्तर छायावाद : विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, उत्तरआधुनिकतावादी कविता, नारी विमर्श, दलित विमर्श, विकलांग विमर्श : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
6. हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, हिन्दी आलोचना, रिपोर्टाज) का विकास।
7. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
8. उड़िया साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3×20 = 60 (इस प्रश्न पत्र केसंपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरीय प्रश्न	3 × 5 = 15 (इस प्रश्न पत्र केसंपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 × 1 = 05 (इस प्रश्न पत्र केसंपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे
- 3 डॉ. विनय कुमार पाठक
- 5 डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
- 7 डॉ. बेठियार सिंह साहू
- 9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. चित्तरंजन कर

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुरे

8 श्री नवनीत जगतशामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
2. दूसरी परम्परा की खोज

: बच्चन सिंह

: नामवर सिंह

3. छायावाद एवं अन्य निबंध
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल
6. आधुनिक हिंदी गद्य और गद्यकार
7. छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
8. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श
9. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास
11. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना
12. देरिदां : विखंडन की सैद्धांतिकी
13. हिंदी आलोचना का विकास
14. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत
15. ओडिया साहित्य का इतिहास
16. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
17. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
18. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
19. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद
21. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य
22. स्त्री विमर्श : साहित्यिक और व्यावहारिक संदर्भ
23. दलित साहित्य : प्रकृति और संदर्भ
24. दलित साहित्य : विविध आयाम
25. नारी विमर्श की नई दिशाएँ
26. विकलांग विमर्श
27. विकलांग विमर्श का वैश्विक परिदृश्य

- : संपादक - सतीश चतुर्वेदी
 : लक्ष्मीसागर वाष्णीय
 : श्रीनारायण चतुर्वेदी
 : डॉ. जेकब पी. जॉर्ज
 : डॉ. कमलाप्रसाद
 : सुधीश पचौरी
 : प्रो. सैयद ऐहतेशाम हुसैन
 : डॉ. बापूराव देसाई
 : डॉ. विद्या प्रधान
 : सुधीश पचौरी
 : नंदकिशोर नवल
 : योगेन्द्र प्रताप सिंह
 : डॉ. पूर्णिमा केडिया
 : ओमप्रकाश वाल्मीकि
 : डॉ. बच्चन सिंह
 : नामवर सिंह
 : आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
 : डॉ. भास्कर भैया
 : क्षमा शर्मा
 : डॉ. करुणा उमरे
 : डॉ. संजय नवले
 : डॉ. सुनीता साखरे
 : डॉ. रेणुका मोरे
 : डॉ. विनय कुमार पाठक
 : डॉ. सुरेश माहेश्वरी

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य
शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चित्तरंजन कर,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेठियार सिंह साहू -अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

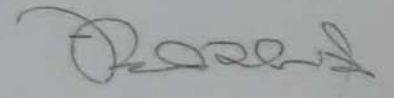
1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

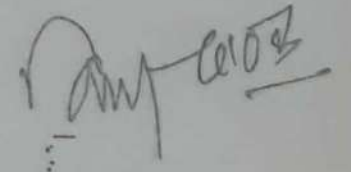
भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

- श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

- 2/





- श्रीमती रवीन्द्र चौबे
- 21/8/18
- K. R. Bhatnagar

- 

प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-द्वितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र द्वितीय

प्रेमाख्यानक काव्य और रीतिकाव्य code 906

प्रस्तावना : पूर्वमध्यकाल में सूफी काव्य की एक सशक्त धारा दिखाई देती है, जिसमें हिंदू और इस्लामी संस्कृति का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। उत्तरमध्यकालीन काव्य (रीतिकाव्य) अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धड़कनों को समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है। आलोचनात्मक प्रश्न प्रमुख तीन कवियों पर तथा लघूत्तरी प्रश्न द्रुत पाठ पर केन्द्रित किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. जायसी : संक्षिप्त पदमावत, संपादक-श्यामसुंदर दास (नागमती वियोग खंड एवं पदमावती खंड)

आलोचना-व्यक्तित्व-कृतित्व, पदमावत में प्रेमभाव, सौंदर्य वर्णन, विरह वर्णन, रहस्यभावना एवं दर्शन, प्रकृति चित्रण, काव्यकला, भाषा, अलंकार योजना।

2. घनानंद : घनानंद चयनिका, संपादक - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा (प्रारम्भिक 25 छंद)

आलोचना- व्यक्तित्व-कृतित्व, विरह वर्णन, प्रेम वर्णन, काव्यकला।

3. बिहारी : बिहारी सार्द्धशती, संपादक - ओमप्रकाश (प्रारम्भिक 100 दोहे)

आलोचना-व्यक्तित्व-कृतित्व, संयोग-वियोग निरूपण, सौंदर्य चित्रण, बहुज्ञता, काव्य सौंदर्य, भाषा शैली, काव्य कला, अलंकार योजना।

द्रुत पाठ के कवि : केशवं, देव, भूषण, सेनापति, पद्माकर

(द्रुत पाठ से वैकल्पिक लघूत्तरी प्रश्नों में से कोई तीन उत्तर लिखने होंगे)

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

03 व्याख्या	-3 × 10 = 30	(प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
02 आलोचनात्मक प्रश्न	-2 × 15 = 30	(प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
03 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन	-3 × 5 = 15	(प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अतिलघूत्तरी प्रश्न	-5 × 1 = 05	(प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे	-	2. डॉ. चित्तरंजन कर	-
3. डॉ. विनय कुमार पाठक	-	4. डॉ. मीनकेतन प्रधान	-
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे	-	6. सुश्री लक्षेश्वरी कुरें	-
7. डॉ. बेठियार सिंह साहू	-	8. श्री नवनीत जगत रामका	-
9. श्री राजीव गुप्ता	-		

संदर्भ ग्रंथ :

1. घनानंद : काव्य और आलोचना	: डॉ. किशोरीलाल
2. घनानंद का काव्य	: डॉ. रामदेव शुक्ल
3. बिहारी भाष्य	: डॉ. देशराजसिंह भाटी
4. बिहारी की काव्य-साधना	: डॉ. देशराजसिंह भाटी
5. बिहारी	: डॉ. राजकिशोर सिंह
6. बिहारी : आलोचनात्मक अध्ययन	: डॉ. राजकिशोर सिंह
7. बिहारी का नया मूल्यांकन	: डॉ. बच्चन सिंह

8. सूफ़ी मत : डॉ. कन्हैया सिंह
9. पदमावत का अनुशीलन : इंद्रचंद्र नारंग
10. जायसी : एक नई दृष्टि : डॉ. रघुवंश
11. रीतिकालीन कविता में भक्तितत्व : डॉ. उषा पुरी
12. हिंदी रीति साहित्य : डॉ. भगीरथ मिश्र
13. रीतिकालीन कवियों की प्रेम-व्यंजना : डॉ. बच्चन सिंह
14. रीतिकाव्य की इतिहास-दृष्टि : सुधीन्द्र कुमार
15. केशवदास : विजयपाल सिंह
16. केशव-काव्यसुधा : कृष्णदेव शर्मा
17. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी
18. हिंदी साहित्य का मध्यकाल : डॉ. ईश्वरदत्त शील
19. रीतिबद्ध काव्य में तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का स्वरूप : डॉ. तारा श्रीवास्तव
20. बोधा के काव्य में जीवन-मूल्य : डॉ. वेदप्रकाश
21. रीतिमुक्त कवि ठाकुर और उनका काव्य : डॉ. जगदेवकुमार शर्मा
22. कवि आलम और उनकी आलमकेलि : डॉ. वेदप्रकाश
23. मध्ययुगीन रहस्यवादी प्रवृत्तियों के मूल स्रोत : डॉ. आनंदमोहन उपाध्याय
24. मध्यकालीन हिंदी काव्य : संपादक - डॉ. दिलीप मेहरा
25. भूषण का प्रशस्तिकाव्य : डॉ. रमा नवले

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

- डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य
शास.नवीन.महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
- डॉ. चित्तरंजन कर,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

- डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

- डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
- डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
- सुश्री लक्षेश्वरी कुर्रे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
- डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

- श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

- श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
- 21/8/18
[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

एम. ए. हिंदी
सेमेस्टर-द्वितीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र तृतीय : हिंदी भाषा code 907

प्रस्तावना : भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कम्प्यूटर-सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है। हिंदी भाषा के विकास के आधुनिक चरण में कामकाजी हिंदी महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से आलोचनात्मक/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :
प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ- वैदिक तथा लौकिक संस्कृत - उनकी विशेषताएँ।
मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ - पालि, प्राकृत - शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।
आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ- वर्गीकरण।
2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार :
हिंदी की उपभाषाएँ -
पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।
3. हिंदी का भाषिक स्वरूप:
हिंदी शब्द-रचना- उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास।
हिंदी रूप-रचना- लिंग, वचन, कारक-व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।
हिंदी वाक्य-रचना- पदक्रम और अन्विति।
4. हिंदी के विविध रूप- सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिंदी की सांविधानिक स्थिति।
कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) : प्रमुख प्रकार - प्रारूपण, टिप्पण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन।
5. देवनागरी लिपि : व्युत्पत्ति, विशेषताएँ और मानकीकरण।

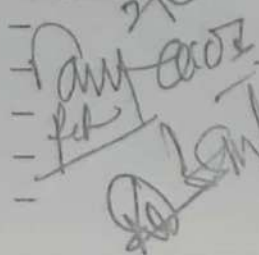
अंक विभाजन :

कुल अंक 80

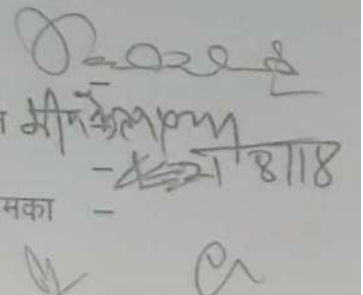
03 आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 20 = 60 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
03 लघूत्तरी प्रश्न	3 × 5 = 15 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 × 1 = 05 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
7. डॉ. बेठियार सिंह साहू
9. श्री राजीव गुप्ता



2. डॉ. चित्तरंजन कर
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
6. सुश्री लक्षेश्वरी कुरै
8. श्री नवनीत जगतारामका



सर्व ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा की संधि-संरचना
2. हिंदी संज्ञा-संरचना और रूपिम
3. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी
4. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास
5. भाषा एवं भाषाविज्ञान
6. हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप
7. हिंदी भाषा-संरचना के विशिष्ट आयाम
8. हिंदी भाषा का इतिहास
9. भाषा : इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका
10. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन
11. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा
12. हिंदी शब्दानुशासन
13. अपभ्रंश के योग
14. भाषा और प्रौद्योगिकी
15. भाषा और व्यवहार
16. हिंदी : विविध व्यंजनों की भाषा
17. हिंदी की मानक वर्तनी
18. हिंदी भाषा : विकास और स्वरूप
19. भाषा चिंतन के नए आयाम
20. हिंदी व्याकरण भीमांसा
21. वाक्य-संरचना और विश्लेषण : नए प्रतिमान
22. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य

: डॉ. भोलानाथ तिवारी
: डॉ. प्रीति सोहनी
: सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या
: डॉ. उदयनारायण तिवारी
: महावीरसरन जैन
: डॉ. राजमणि शर्मा
: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
: डॉ. भोलानाथ तिवारी
: डॉ. वद्विदेव
: डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा
: डॉ. केशरीदास सकसेना
: प. किशोरीदास बाजपेयी
: नामवर सिंह
: डॉ. विनीत प्रसाद
: ब्रजमोहन
: सुवास कुमार
: कैलाशचंद्र भट्टिया
: कैलाशचंद्र भट्टिया
: डॉ. रामकिशोर शर्मा
: काशीराम शर्मा
: बदरीनाथ कपूर
: डॉ. पंडित बन्ने

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य

2. डॉ. चित्तरंजन कर,
शास.नवीन महाविद्यालय खरोल, रायपुर (छ.ग.)
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
प. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुर्ये-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. केशियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

1. श्री नवनीत जंगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़

: सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

[Signature]

[Signature]

[Signature]
21/8/18

[Signature]

[Signature]

प्रस्तावित सन् 2018-2019 एवं 2019-2020

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-द्वितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र चतुर्थ

शाधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवं कहानी Code 908

प्रस्तावना : आज गद्य साहित्य उपन्यास एवं कथा साहित्य जैसी विधाओं के साथ वामन से विरट हो गया है। हिंदी गद्य की विधाओं में आज उपन्यास और कहानी सर्वाधिक विकसित एवं लोकप्रिय हैं क्योंकि इसमें किसी क्षेत्र के विस्तृत या सीमित फलक पर घटित होने वाली ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक घटनाओं तथा उनके परिप्रेक्ष्य में अनेक व्यक्ति-समूहों को चित्रित किया जाता है अतः इन विधाओं का अध्ययन अपेक्षित है। इन विधाओं के क्रमिक विकास के साथ कुछ कृतियों का अध्ययन भी अपेक्षित है। प्रत्येक उपन्याससे एक-एक एवं कहानियों से एक व्याख्या/आलोचनात्मक प्रश्न किया जाएगा। द्रुत पाठ से वैकल्पिक लघुल्लरी प्रश्नों में से कोई तीन उत्तर लिखने होंगे। वस्तुनिष्ठ/अतिलघुल्लरी प्रश्न समूचे पाठ्य-विषय से किये जा सकेंगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प होंगे।

पाठ्य विषय :

उपन्यास :

1. गोदान : प्रेमचंद
2. बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारीप्रसाद द्विवेदी

कहानी :

1. उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2. आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
3. कफन : प्रेमचंद
4. परिदे : निर्मल वर्मा
5. चापसी : उषा प्रियंवदा

द्रुत पाठ :

उपन्यासकार : जैनेन्द्रकुमार, फणीश्वरनाथ रेणु, मन्नु भंडारी।
कहानीकार : कमलेश्वर, कृष्णा सोबती, अमरकांत।

(द्रुत पाठ से वैकल्पिक लघुल्लरी प्रश्नों में से कोई तीन उत्तर लिखने होंगे)

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 03 व्याख्या - $3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
02 आलोचनात्मक प्रश्न - $2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
03 लघुल्लरी प्रश्न - $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुल्लरी प्रश्न - $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
7. डॉ. वैदियार सिंह साहू
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. चित्तरंजन कार
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
6. सुश्री लक्ष्मणी कुंजर
8. श्री नवनीत जगतसामका

Handwritten signatures and marks of the members of the study center.

सदस्य ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन
2. प्रेमचंद का पुनर्मुखान्त
3. प्रेमचंद और उनका युग
4. प्रेमचंद
5. प्रेमचंद के उपन्यासों में व्यंग्यबोध
6. आदर्श और गौरव
7. आलोचनात्मक व्यंग्यवाद और प्रेमचंद
8. बाणभट्ट की आत्मकथा
9. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की साहित्य सर्जना
10. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यास : संस्कृति और इतिहास
11. हिंदी उपन्यास का विकास
12. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास

डॉ. इंदुनाथ मदान
: शशुनाथ
: रामविलास शर्मा
: संपादक - सत्येन्द्र
: उर्मिला सिन्हा
: कृष्णमुरारी मिश्र
: सत्यकाम
: हजारी प्रसाद द्विवेदी
: विद्यासिनीनंदन पाण्डेय
: डॉ. अरुण कुलकर्णी
: मधुरेश
: इंदुनाथ मदान

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,

प्राचार्य

शास.नवीन महाविद्यालय खरोश, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. चितरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

प. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेशन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

3. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुर्से-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

4. डॉ. कैठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/पिगम क्षेत्र : सदस्य

1. श्री नवनीत जगतसमका,
प्रधान संपादक इस्मात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव मुच्चा, धनुहारडेश रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

— ११

— १२

— १३

— १४
— १५
— १६
— १७
— १८
— १९
— २०
— २१
— २२
— २३
— २४
— २५
— २६
— २७
— २८
— २९
— ३०

— ३१

— ३२

— ३३

— ३४

— ३५

— ३६

— ३७

— ३८

— ३९

— ४०

— ४१

— ४२

— ४३

— ४४

— ४५

— ४६

प्रस्तावित सन् 2018-2019 एवं 2019-2020

एम. ए. हिंदी-सेमेस्टर-द्वितीय

परियोजना-कार्य Code 918

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की रचना हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निम्नलिखित विधि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निम्नलिखित विषय :

1. दलित गद्य साहित्य
2. हिंदी गद्य साहित्य में नारी-विमर्श
3. साठोत्तरी हिंदी कथा साहित्य
4. छत्तीसगढ़ का गद्य साहित्य
5. हिंदी कथा साहित्य में उत्तरआधुनिकता
6. हिंदीतर भाषा-साहित्य का अध्ययन
7. पाठ्यक्रमेतर आधुनिक हिंदी आलोचना/समीक्षा/हिन्दीतर प्रदेश का हिन्दी गद्य साहित्य
8. हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी का प्रयोग
9. हिंदी भाषा-शिक्षण का व्यावहारिक प्रयोग
10. विदेशों में हिंदी की लोकप्रियता
11. हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य।
12. विकलांग विमर्श

13. अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

अंक विभाजन : कुल अंक : 50, शीघ्र आलेख : 30 अंक, मौखिकी : 20 अंक
अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. राजेश दुबे,

प्राचार्य

शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. चित्तरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

प. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्याश-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग

छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेलन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधरी-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

3. सुश्री लक्ष्मणेश कुर्रे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

4. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसमका,

प्रधान संपादक इरपात टाइम्स रायगढ़

मूलपूर्व विद्यार्थी (रजतकोत्तर हिन्दी, सन् 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडंग रायगढ़

19/09/18

19/09/18

सदस्य

सदस्य

हस्ताक्षर

अनुमोदित

हस्ताक्षर

अनुमोदित

हस्ताक्षर

अनुमोदित

हस्ताक्षर

अनुमोदित

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम.ए.हिंदी सेमेस्टर-प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 700 ई. से 1857 ई. तक) 901-code

प्रस्तावना :

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोवेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूँज हिंदी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं-नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय : इतिहास-दर्शन एवं साहित्येतिहास।

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब।
4. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
5. हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।
7. हिंदी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
8. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा प्रमुख रचनाकारों का वैशिष्ट्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य।
9. भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्व।
10. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ, रीतिकालीन गद्यसाहित्य।
11. आदिकाल एवं रीतिकाल की महिला साहित्यकारों का वैशिष्ट्य।

00

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 3 आलाचनात्मक प्रश्न - $10 \times 3 = 60$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी - $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न - $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3 डॉ. बिहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

7 श्री रामकुमार बंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. बेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतारामका

संदर्भ ग्रंथ :

- | | |
|---|----------------------------|
| 1. हिंदी साहित्य का इतिहास | : आचार्य रामचंद्र शुक्ल |
| 2. हिंदी साहित्य का इतिहास | : संपादक - डॉ. नगेन्द्र |
| 3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास | : डॉ. बच्चन सिंह |
| 4. हिंदी साहित्य की भूमिका | : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी |
| 5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास | : डॉ. रामकुमार वर्मा |
| 6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास | : डॉ. सुमन राजे |
| 7. हिंदी साहित्य का इतिहास | : डॉ. याताक |
| 8. भारतीय साहित्य | : संपादक - डॉ. नगेन्द्र |
| 9. भारतीय साहित्य | : संपादक - डॉ. मूलचंद गौतम |
| 10. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ | : के. साच्चिदानंद |
| 11. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था | : डॉ. आरसु |
| 12. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ | : रामविलास शर्मा |
| 13. हिंदी शक्ति साहित्य | : डॉ. भगीरथ मिश्र |
| 14. हिंदी साहित्य के विकास की रूपरेखा | : रामअवध द्विवेदी |
| 15. हिंदी साहित्य का आदिकाल | : हजारीप्रसाद द्विवेदी |
| 16. साहित्य और इतिहास-दृष्टि | : मैनेजर पाण्डेय |
| 17. हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं शैशवकाल | : डॉ. मीनकान्त प्रधान |
| 18. हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ | : संपादक - श्याम कश्यप |
| 19. इतिहास दर्शन और हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ | : योगेन्द्र प्रताप सिंह |
| 20. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक भौतिका | : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी |
| 21. साहित्येतिहास दृष्टि | : डॉ. कंचन यादव |
| 22. भारतीय साहित्य | : डॉ. ब्रजकिशोरप्रसाद सिंह |
| 23. साहित्येतिहासकारों की दृष्टि-मीमांसा | : डॉ. वेदप्रकाश |

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास.विद्यालया कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य शास.महाविद्यालय, जैजपुर, जिला- जौजगीर-बांधा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू, सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक- हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता- हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार वंजारे-अतिथि व्याख्याता- हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसभमका, प्रधान संपादक - इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुवारडेश रायगढ़

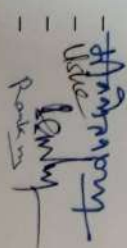
अनुमोदित

हस्ताक्षर











ll

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-18

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र - द्वितीय

भक्ति काव्य Code 902

प्रस्तावना :

हिंदी के पूर्वमध्यकालीन काव्य या भक्तिकालीन काव्य का साहित्यतिहास में विशेष महत्त्व रहा है। भक्तिकाव्य लोक-जागरण और लोकमंगल का नवीन स्वर लेकर आया। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परम्परा को सुरक्षित रखा है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत तीन काव्य-कृतियों से आंतरिक विकल्प युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघुत्तरी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य विषय :

1. कबीर : संपादक - डॉ. कान्हि कुमार जैन (सम्पूर्ण)
2. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड के प्रारम्भिक 50 दोहे और चौपाइयों)
3. सूरदास : भ्रमरगीत सार - संपादक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल (51 से 100 तक)

द्रुत पाठ के कवि : विद्यापति, भीखाबाई, दादूदयाल, रैदास, रहीम

00

कुल अंक 80

- 3 व्याख्यात्मक प्रश्न -3 × 10 = 30 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
- 2 आलोचनात्मक प्रश्न -2 × 15 = 30 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
- 3 लघुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन -3 × 5 = 15 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
- 5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न-5 × 1 = 05 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

संदर्भ ग्रंथ :

1. सूरदास - हरवंशालाल शर्मा
 2. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय
 3. सूर साहित्य - हजारीप्रसाद द्विवेदी
 4. महाकवि सूरदास - नंददुलारे वाजपेयी
 5. कबीर - संपादक : विजयचन्द्र स्नातक
 6. कबीर तेरे रूप अनेक - संपादक : महावीर अग्रवाल
 7. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी
 8. कबीर की कविता - डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
 9. कबीर मीमांसा - डॉ. रामचंद्र तिवारी
 10. रामभक्ति में रसिक सम्प्रदाय - डॉ. भगवतीप्रसाद सिंह
 11. तुलसी - संपादक : उदयमानु सिंह
 12. तुलसी मंजरी - संपादक : विद्यानिवास मिश्र
- अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -
1. डॉ. डी. एस. ठाकुर -
 2. डॉ. फूलदास महंत -
 3. डॉ. विहारी लाल साहू -
 4. डॉ. मीनकतन प्रधान -
 5. डॉ. उषा वैरागकर आठले -
 6. डॉ. बेठियार सिंह साहू -
 7. श्री रामकुमार बंजारे -
 8. श्री नवनीत जगलशामका -
 9. श्री राजीव गुप्ता -

13. वैष्णव भक्ति आंदोलन का अध्ययन
14. रामचरित मानस
15. रामचरित मानस का तुलनात्मक अध्ययन
16. कबीर, सूर, तुलसी
17. विद्यापति के गीत
18. भक्ति काव्य-यात्रा
19. रहस्यवाद
20. संत साहित्य और लोकमंगल
21. रामचरितमानस : पाठ, लीला, चित्र
22. तुलसीदास
23. अकथ कहानी प्रेम की
24. रामचरित मानस
25. रामचरित मानस में चरित्र-सृष्टि

- डॉ. मलिक मुहम्मद
— सुधाकर पाण्डेय
— डॉ. शिवकुमार शुक्ल
— डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
— बैजनाथ सिंह
— डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
— राममूर्ति त्रिपाठी
— ओमप्रकाश त्रिपाठी
— रमण सिन्हा
— नंदकिशोर नवल
— पुरुषोत्तम अग्रवाल
— रमण सिन्हा
— डॉ. योगेश दुबे

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजपुर, जिला-जाँजगीर-बांग

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठल-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वेदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसामका,
प्रधान संपादक-इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य
धनुवारडेरा रायगढ़

अनुमोदित

हस्ताक्षर

(Signature)

(Signature)
(Signature)
(Signature)

(Signature)

H

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम. ए. हिंदी-सेमेस्टर प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र - तृतीय

भाषा विज्ञान Code - 903

प्रस्तावना :

साहित्य आद्यत एक भाषिक निर्मित है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुरूप एवं सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाइयों तथा भाषा-संरचना के विविध स्तरों पर उनके अंतरसंबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा-विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। भाषा के साहित्यतर प्रयोजन मूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषावैज्ञानिक चिंतन का लाभ दृष्टिगोचर होता है। इस प्रश्न पत्र में समादृत सम्पूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प युक्त आलोचनात्मक/लघुलरीय एवं वस्तुनिष्ठ/अतिलघुलरीय प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य विषय :

1. भाषा और भाषाविज्ञान :

(अ) भाषा - परिभाषा, उत्पत्ति के सिद्धांत, विशेषताएँ एवं प्रवृत्तियाँ।

(ब) भाषा विज्ञान - भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति।

अध्ययन की दिशाएँ - वर्णमूलक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रयोगात्मक, संरचनात्मक।

2. ध्वनि विज्ञान (स्वन-प्रक्रिया) - ध्वनि विज्ञान का स्वरूप, वाक् अवयव एवं उनके कार्य, ध्वनि के भेद - स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण।

ध्वनि परिवर्तन (विकार) - ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण।

स्वनिम सिद्धांत(ध्वनि ग्राम) - अवधारणा, ध्वनि ग्राम के भेद-खण्ड्य और खण्ड्येतर।

3. पद विज्ञान (रूप विज्ञान) - पद का स्वरूप और शाखाएँ।

रूप ग्राम (कृषि) - रूपिण की अवधारणा।

रूप ग्राम के भेद- 1. प्रयोग के आधार पर- मुक्त, बद्ध, मुक्त-बद्ध 2. रचना के आधार पर - संयुक्त, मिश्रित 3. अर्थात्त्व प्रदर्शक एवं संबंधात्त्व-प्रदर्शक

4. खण्ड्यीकरण -खण्ड्यतात्मक, अखण्ड्यतात्मक।

4. वाक्य विज्ञान : वाक्य विज्ञान का स्वरूप एवं लक्षण।

वाक्य संबंधी सिद्धांत - रफोटवाद, अंतिम वर्णवाद, वर्णसमूहवाद, अभिहितान्वयवाद, अनिचिताभिधानवाद।

वाक्य के भेद- रचना, आकृति, अर्थ, क्रिया एवं शैली के आधार पर।

5. अर्थविज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-परिवर्तन : - अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण।

00

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

02 आलोचनात्मक प्रश्न

-2 x 20 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

03 लघुलरीय प्रश्न/टिप्पणी लेखन- 3 x 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

05 वस्तुनिष्ठ/अति लघुलरीय प्रश्न- 5 x 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1 डॉ. डी. एस. ठाकुर

3 डॉ. विहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठल

7 श्री रामकुमार बजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. भीमकेतन प्रधान

6. डॉ. बालियार सिंह साहू

8. श्री नवनीत जगतारामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : राजमल वोरा
2. हिंदी शब्दानुशासन : पं. किशोरीदास बाजपेयी
3. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
4. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन : डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
5. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. भाषाविज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा
7. भाषा एवं भाषा विज्ञान : महावीर सरन जैन
8. आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ. राजमणी शर्मा
9. भाषा विज्ञान की रूपरेखा : डॉ. रविदत्त कौशिक
10. भारतीय भाषा विज्ञान : पं. किशोरीदास बाजपेयी
11. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत : डॉ. रामकिशोर शर्मा

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य शास.महाविद्यालय, जैजपुर, जाँजगीर-बांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू, सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किरोडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेटियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बजार-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका, प्रधान संपादक-इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुवारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित

हस्ताक्षर

—

—

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-18

एम.ए.हिंदी :सेमेस्टर प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र चतुर्थ

आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी नाटक एवं निबंध Code 904

प्रस्तावना :

नाटक साहित्य की महत्वपूर्ण विधा है। यह श्रव्य एवं दृश्य दोनों रूपों को समेटे हुए है। नाटक प्रत्यक्ष कल्पना एवं अभ्यवसाय का विषय बन सत्य तथा कल्पना से समन्वित विलक्षण रूप धारण करके द्रष्टा एवं पाठक दोनों को मनोरंजन के साथ-साथ समाज-निर्माण एवं परिवर्तन की चेतना प्रदान करते हुए अपने साध्य में दृश्य होने के कारण सीधे रागमंच से जुड़ा हुआ है, जिसे विविध काव्य के अतिरिक्त ललित कलाएँ तथा कलाकार मिलकर आकार देते हैं। इसीतरह निबंध गद्य का प्रौढ़ तथा शक्तिशाली प्रतिरूप है, जो किसी भी निबंधकार की वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य-चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत दोनों नाटकों/निबंधों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दोनों नाटकों/निबंधों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघुत्तरी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। समूचे पाठ्य-विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिरिक्तरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

- नाटक : 1. जयशंकर प्रसाद : चंद्रगुप्त
2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन

निबंध :

1. रामचंद्र शुक्ल : कविता क्या है?
2. हजाश्रीप्रसाद द्विवेदी : शिरीष के फूल
3. नंददुलारे वाजपेयी : निराशा
4. हरिशंकर परसाई : विकलांग श्रद्धा का दौर

द्रुत पाठ के नाटककार :

भारतेन्दु हरिश्चंद्र, धर्मवीर भारती, विष्णु प्रभाकर।

द्रुत पाठ के निबंधकार :

आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी, लोचनप्रसाद पाण्डेय, कुबेरनाथ राय

00

अंक विभाजन :

- 3 व्याख्यात्मक प्रश्न - $3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न - $2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
3 लघुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन - $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरी प्रश्न - $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

कुल अंक 80

- अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर
1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
3. डॉ. विहारी लाल साहू
5. डॉ. उषा वैरागकर आठल
7. श्री रामकुमार बंजारे
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत
4. डॉ. मीनकान्त प्रधान
6. डॉ. बेदियार सिंह साहू
8. श्री नवनील जगतारामका

HL

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी निबंध की विभिन्न शैलियाँ
 2. लोचनप्रसाद पाण्डेय के निबंध
 3. पं. लोचनप्रसाद पाण्डेय चयनिका
 4. साहित्य याचस्पति लोचनप्रसाद पाण्डेय
 5. हिंदी निबंधकार
 6. प्रसाद के नाटकों में नियतिवाद
 7. हिंदी नाटकों का रूपविधान और वस्तु-विकास
 8. प्रसाद : भारतीयता के प्रतिमान
 9. हिंदी नाटकों का विकासात्मक अध्ययन
 10. हिंदी के ऐतिहासिक नाटकों में इतिहास-तत्त्व
 11. मोहन राकेश की रंगसृष्टि
 12. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि
 13. मोहन राकेश और उनके नाटक
 14. हिंदी नाटक : कल और आज
 15. मोहन राकेश के साहित्य में सामाजिक चित्रण
 16. कुबेरनाथ राय
 17. निबंधालोक : विद्यानिवास मिश्र
 18. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन
 19. व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई
 20. हिंदी नाटक
 21. हिंदी व्यंग्यकर्म एवं समकालीन परिदृश्य
 22. नाटककार जयशंकर प्रसाद
 23. मोहन राकेश के नाटकों में नारी
- : डॉ. मोहन अवस्थी
: देवीप्रसाद वर्मा
: ईश्वरशरण पाण्डेय
: शिखा बेहरा
: जयनाथ नतिन
: पद्माकर भार्गो
: डॉ. चंद्रलाल दुबे
: सत्यपाल चुग
: डॉ. शांतिगोपाल पुरोहित
: डॉ. धनंजय
: जगदीश शर्मा
: संकलित
: मिश्रीश रस्तोगी
: केदार सिंह
: अर्जुन के तडवी
: डॉ. सुरेश माहेश्वरी
: डॉ. दिलीप देशमुख
: डॉ. बाबुराम
: डॉ. भरत पटेल
: डॉ. बच्चन सिंह
: सपादक - डॉ. विनय कुमार पाठक
: सपादक - सत्येन्द्रकुमार तनेजा
: डॉ. प्रतिभा येरेकर

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.बिलासा कल्या. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जेजेपुर, जिला - जौनपुर-बांण

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू
सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा बैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बोटियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/नियम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान सपादक- इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

1. श्री राजीव गुप्ता
धनुवारडेरा रायगढ़

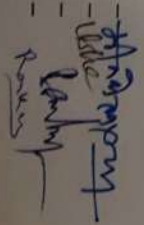
अनुमोदित

हस्ताक्षर













प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर प्रथम

परियोजना-कार्य Code . 917

प्रस्तावना :-

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवंटित पाठ्यक्रमों पर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौखिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की रचयिता/रचयिता लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय

1. मुक्तिबोध का गद्य साहित्य
2. शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य
3. महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य
4. लोचनप्रसाद पाण्डेय का गद्य साहित्य
5. माधवशव सप्रे का गद्यसाहित्य
6. हबीब तनवीर के नाटक
7. छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य के विविध व्याकरणिक रूपों का विवेचन
8. किसी एक पाठ्यक्रमों के नाटक का तात्विक अथवा रंगमंचीय विवेचन
9. पाठ्यक्रमों के विषयों का विवेचन
10. जीवनी/चरितनामक कृति का अध्ययन
11. अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक - 50

शोध आलेख : 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 10)

मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 08)

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभाषी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जौनपुर, जिला - जौनपुर-बापा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू,
सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसामका,

प्रधान संपादक-इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुवारडेरा रायगढ़

अनुमोदित

हस्ताक्षर

: सदस्य

: सदस्य

कि. शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य

एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक विभाजन				योग
			सेमेस्टर परीक्षा		आंतरिक मूल्यांकन		
			अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
1.	प्रथम	हिंदी साहित्य का इतिहास(सन् 1857 ई. से आज तक)	80	29	20	07	100
2.	द्वितीय	प्रेमाख्यानक काव्य एवं रीतिकाव्य	80	29	20	07	100
3.	तृतीय	हिंदी भाषा	80	29	20	07	100
4.	चतुर्थ	आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवंकहानी	80	29	20	07	100
5.		परियोजना कार्य			50	18	50
					कुल		450

बैठक दिनांक : 30.11.2016

मीनकेतन प्रधान
विभागाध्यक्ष - हिन्दी

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं संदर्भ ग्रंथ सूची संलग्न
नोट : परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में सेमेस्टर परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में अलग-अलग
36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

- डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
- डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर-चांपा

अनुमोदित
हस्ताक्षर

- *[Signature]*
- *[Signature]*

कुलपति द्वारा नामांकित :

- डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

[Signature]

विभागीय सदस्य :

- डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
- डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
- डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
- श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

- *[Signature]*
- *[Signature]*
- *[Signature]*

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

- श्री नवनीत जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

- श्री राजीव गुप्ता
धनुवारडेरा रायगढ़ : सदस्य

- *[Signature]*

[Signature]

प्रस्तावना :

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के साथ समूचे भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवर्तन होने लगे थे। इसका प्रभाव हिंदी भाषा और साहित्य पर भी दृष्टिगोचर होता है। एक ओर विभिन्न बोलियों का स्थान खड़ी बोली हिंदी ले रही थी, वहीं दूसरी ओर साहित्य के विषयों में भी स्वाधीनता आंदोलन एवं स्वतंत्रता के स्वर मिलने लगे। स्वतंत्रता के पहले और बाद अनेक प्रकार की विचारधाराएँ और शैलियाँ विकसित हुईं, जिनके विकास का क्रमबद्ध अध्ययन इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
2. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
4. छायावादी युग : हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का आग्रिम विकास : छायावादी काव्य - प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
5. उत्तर छायावाद : विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, उत्तरआधुनिकतावादी कविता, नारी विमर्श, दलित विमर्श : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
6. हिंदी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का विकास - कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि।
7. हिंदी आलोचना का उदभव और विकास।
8. उर्दू साहित्य का साक्षर इतिहास।
9. उर्दू साहित्य का साक्षर इतिहास।
10. हिदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- | | |
|------------------------------------|---|
| 3 आलोचनानत्मक प्रश्न | 3 × 20 = 60 (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 3 लघुत्तरीय प्रश्न / टिप्पणी लेखन | 3 × 5 = 15 (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघुत्तरीय प्रश्न | 5 × 1 = 05 (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
2. डॉ. विहारी लाल साहू
3. डॉ. उषा वैरागकर आठले
4. श्री रामकुमार बंजारे
5. श्री राजीव गुप्ता

(Signature)

2. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. मीनकंतन प्रधान
6. डॉ. बेरियार सिंह साहू
8. श्री नवनील जगतारामका

(Signature)

(Signature)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
2. दूसरी परम्परा की खोज
3. छायावाद एवं अन्य निबंध
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल
6. आधुनिक हिंदी गद्य और गद्यकार
7. छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
8. उल्लरआधुनिक साहित्यिक विमर्श
9. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास
11. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना
12. देरियां : विखंडन की सैद्धांतिकी
13. हिंदी आलोचना का विकास
14. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत
15. आँखिया साहित्य का इतिहास
16. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
17. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
18. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
19. हिंदी साहित्य : दौसवीं शताब्दी
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद
21. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य
22. स्त्री विमर्श : साहित्यिक और व्यावहारिक संदर्भ
23. दलित साहित्य : प्रकृति और संदर्भ
24. दलित साहित्य : विविध आयाम
25. नाशी विमर्श की नई दिशाएँ

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. टी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजपुर, जिला जौजगीर-बाण

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बटियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

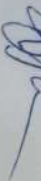
भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

- श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश रायगढ़

- डॉ. बच्चन सिंह : बच्चन सिंह
डॉ. नामवर सिंह : नामवर सिंह
डॉ. संपादक - सतीश चतुर्वेदी : संपादक - सतीश चतुर्वेदी
डॉ. लक्ष्मीसागर वर्णय्य : लक्ष्मीसागर वर्णय्य
डॉ. श्रीनारायण चतुर्वेदी : श्रीनारायण चतुर्वेदी
डॉ. जेकब पी. जॉर्ज : डॉ. जेकब पी. जॉर्ज
डॉ. कमलाप्रसाद : डॉ. कमलाप्रसाद
सुशील पवीरी : सुशील पवीरी
प्रो. सैयद ऐहतशाम हुसैन : प्रो. सैयद ऐहतशाम हुसैन
डॉ. बापूराव देसाई : डॉ. बापूराव देसाई
डॉ. विद्या प्रधान : डॉ. विद्या प्रधान
सुशील पवीरी : सुशील पवीरी
नंदकिशोर नवल : नंदकिशोर नवल
योगेन्द्र प्रताप सिंह : योगेन्द्र प्रताप सिंह
डॉ. पूर्णिमा कोडिया : डॉ. पूर्णिमा कोडिया
ओमप्रकाश वाल्मीकि : ओमप्रकाश वाल्मीकि
डॉ. बच्चन सिंह : डॉ. बच्चन सिंह
नामवर सिंह : नामवर सिंह
आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
डॉ. भारकर भैया : डॉ. भारकर भैया
क्षमा शर्मा : क्षमा शर्मा
डॉ. करुणा उमरे : डॉ. करुणा उमरे
डॉ. सजय नवले : डॉ. सजय नवले
डॉ. सुनीता साखरे : डॉ. सुनीता साखरे
डॉ. रेणुका मोरे : डॉ. रेणुका मोरे

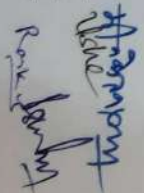
अनुमोदित

हस्ताक्षर









: सदस्य

: सदस्य

प्रस्तावना :

पूर्वमध्यकाल में सूफी काव्य की एक सशक्त धारा दिखाई देती है, जिसमें हिंदू और इस्लामी संस्कृति का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। उत्तरमध्यकालीन काव्य (शैतिकाव्य) अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धड़कनों को समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत तीनों काव्य-कृतियों से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प-युक्त लघूत्तरी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य विषय :

1. जायसी : संक्षिप्त पदमावत - (पदमावती खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)
समादक-श्यामसुंदर दास

2. घनानंद : घनानंद चयनिका
समादक - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा (प्रारम्भिक 25 छंद)

3. बिहारी : बिहारी सार्द्धशाली
समादक - ओमप्रकाश (प्रारम्भिक 100 दोहे)

द्रुत पाठ के कवि : केशव, देव, भूषण, सेनापति, पदमाकर

—00—

अंक विभाजन :

3 व्याख्यात्मक प्रश्न -3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)

2 आलोचनात्मक प्रश्न -2 × 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)

3 लघूत्तरी प्रश्न / टिप्पणी लेखन-3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)

5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न-5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

कुल अंक 80

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
3. डॉ. बिहारी लाल साहू
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले
7. श्री रामकुमार बंजारे
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत
4. डॉ. मीनकान्त प्रधान
6. डॉ. बंशधर सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतारामका

(Handwritten signatures and initials)

संदर्भ ग्रंथ :

1. घनानंद : काव्य और आलोचना
2. घनानंद का काव्य
3. विहारी भण्ड
4. विहारी की काव्य-साधना
5. विहारी
6. विहारी : आलोचनात्मक अध्ययन
7. विहारी का नया मूल्यांकन
8. सूफ़ी मत
9. पद्मावत का अनुशीलन
10. जायसी : एक नई दृष्टि
11. शैतिकालीन कविता में भक्तिभाव
12. हिंदी शैति साहित्य
13. शैतिकालीन कविता की प्रेम-व्यंजना
14. शैतिकाल्य की इतिहास-दृष्टि
15. केशवदास
16. केशव-काव्यसुधा
17. मीरा का काव्य
18. हिंदी साहित्य का मध्यकाल
19. शैतिबद्ध काव्य में तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का स्वरूप
20. बोधा के काव्य में जीवन-मूल्य
21. शैतिमुक्त कवि जकुर और उनका काव्य
22. कवि आलम और उनकी आत्मकलि
23. मध्ययुगीन रहस्यवादी प्रवृत्तियों के मूल स्रोत
24. मध्यकालीन हिंदी काव्य
25. भूषण का प्रशस्तिकाव्य

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जैजपुर, जिला जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :
1. डॉ. विहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठल-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसरमका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश रायगढ़ : सदस्य

डॉ. किशोरीलाल

डॉ. रामदेव शुक्ल

डॉ. देशराजसिंह भाटी

डॉ. देशराजसिंह भाटी

डॉ. राजकिशोर सिंह

डॉ. राजकिशोर सिंह

डॉ. बच्चन सिंह

डॉ. कन्हैया सिंह

इंद्रचंद्र नारंग

डॉ. रघुवश

डॉ. उषा पुरी

डॉ. भगीरथ मिश्र

डॉ. बच्चन सिंह

सुधीन्द्र कुमार

विजयपाल सिंह

कृष्णदेव शर्मा

विश्वनाथ त्रिपाठी

डॉ. ईश्वरदत्त शील

डॉ. तारा श्रीवास्तव

डॉ. वेदप्रकाश

डॉ. जगदेवकुमार शर्मा

डॉ. वेदप्रकाश

डॉ. आनंदमोहन उपाध्याय

संपादक - डॉ. दिलीप मेहरा

डॉ. रमा नवल

अनुमोदित

हस्ताक्षर

सदस्य

सदस्य

सदस्य

प्रस्तावना :

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कम्प्यूटर-सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैश्वीकरण, विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अद्यता के लिए अत्यंत उपयोगी है। हिंदी भाषा के विकास के आधुनिक चरण में कामकाजी हिंदी महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य-विषय से आलोचनात्मक/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :
प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ -

वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत- उनकी विशेषताएँ।

मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ -

पालि, प्राकृत - शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश- उनकी विशेषताएँ।

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ -वर्गीकरण।

2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार :

हिंदी की उपभाषाएँ -

पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, विहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।
खड़ी बोली, ब्रज, अवधी- उनकी विशेषताएँ।

3. हिंदी का भाषिक स्वरूप:

हिंदी शब्द-रचना -

उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समस।

हिंदी रूप-रचना -

लिंग, वचन, कारक-व्यवस्था, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।

हिंदी वाक्य-रचना -

पदक्रम और अन्विति।

4. हिंदी के विविध रूप-
सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा।

हिंदी की सांविधानिक स्थिति।

कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) :

प्रमुख प्रकार - प्रारूपण, टिप्पण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन।

5. देवनागरी लिपि :

व्युत्पत्ति, विशेषताएँ और मानकीकरण।

—00—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

02 आलोचनात्मक प्रश्न	—	3 × 20 = 60 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
03 लघूत्तरी प्रश्न	—	3 × 5 = 15 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	—	5 × 1 = 05 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. जी. एस. ठाकुर

3. डॉ. विहारी लाल साहू

5. डॉ. उषा वैरागकर आठले

7. श्री रामकुमार बंजारे

9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. भीमकेतन प्रधान

6. डॉ. वेदियार सिंह साहू

8. श्री नवनील जगतसामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा की सृष्टि-संरचना
2. हिंदी संज्ञा-संरचना और रूपिम
3. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी
4. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास
5. भाषा एवं भाषाविज्ञान
6. हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप
7. हिंदी भाषा-संरचना के विविध आयाम
8. हिंदी भाषा का इतिहास
9. भाषा : इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका
10. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन: डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा
11. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा
12. हिंदी शब्दानुशासन
13. अपभ्रंश के योग
14. भाषा और प्रौद्योगिकी
15. भाषा और व्यवहार
16. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा
17. हिंदी की मानक वर्तनी
18. हिंदी भाषा : विकास और स्वरूप
19. भाषा चिंतन के नए आयाम
20. हिंदी व्याकरण भीमासा
21. वाक्य-संरचना और विश्लेषण : नए प्रतिमान: बदरीनाथ कपूर
22. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के इस्ताफ़र :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास. विद्यासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य शास. महाविद्यालय, जेजेपुर, जिला जौनपुर-बांपा

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास. विद्यासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य शास. महाविद्यालय, जेजेपुर, जिला जौनपुर-बांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू, सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसामका, प्रधान सपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

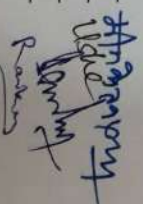
1. श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

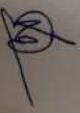
अनुमोदित
इस्ताफ़र











प्रस्तावना :

आज गद्य साहित्य उपन्यास एवं कथा साहित्य जैसी विधाओं के साथ वागमन से विराट हो गया है। हिंदी गद्य की विधाओं में आज उपन्यास और कहानी सर्वाधिक विकसित एवं लोकप्रिय हैं क्योंकि इसमें किसी क्षेत्र के विस्तृत या सीमित फलक पर घटित होने वाली ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक घटनाओं तथा उनके परिप्रेक्ष्य में अनेक व्यक्ति-समूहों को चित्रित किया जाता है अतः इन विधाओं का अध्ययन अपेक्षित है। इन विधाओं के क्रमिक विकास के साथ कुछ कृतियों का अध्ययन भी अपेक्षित है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे। समूचे पाठ्य-विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

उपन्यास :

1. गोदान : प्रेमचंद
2. ~~शकुन्तला~~ गुनगुनी : हजारीप्रसाद द्विवेदी

कहानी :

1. उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
3. कफन : प्रेमचंद
4. वापसी : उषा प्रियंवदा

द्रुत पाठ :

उपन्यासकार : जैनेन्द्रकुमार, फणीश्वरनाथ रेणु, मन्नु भंडारी ।
कहानीकार : कमलेश्वर, कृष्णा सोबती, अमरकांत ।

—00—

अंक विभाजन :

03	व्याख्या	—	3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
02	आलोचनात्मक प्रश्न	—	2 × 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
03	लघूत्तरी प्रश्न	—	3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
05	वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	—	5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ से)

कुल अंक 80

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
3. डॉ. विहारी लाल साहू
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले
7. श्री रामकुमार बंजारे
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
6. डॉ. बेडियार सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतसमका

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन : डॉ. इंदनाथ मदान
2. प्रेमचंद का पुनर्मुल्यांकन : शंभुनाथ
3. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
4. प्रेमचंद : संपादक - सत्येन्द्र
5. प्रेमचंद के उपन्यासों में व्यंग्यबोध : उर्मिला सिन्हा
6. आद्यबिम्ब और गोदान : कृष्णमुरारी मिश्र
7. आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद : सत्यकाम
8. पुनर्नवा और लोकजीवन : सुरेन्द्रप्रताप यादव
9. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की साहित्य सर्जना : विद्यवासीनीनंदन पाण्डेय
10. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यास : संस्कृति और इतिहास : डॉ. अरुण कुलकर्णी
11. हिंदी उपन्यास का विकास : मधुरेश
12. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास : इंदनाथ मदान

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित

विषय विशेषज्ञ :

हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य, शास. महाविद्यालय, जैजपुर, जिला जाँजगीर-बाँपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू, सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वैठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामबुध्दर बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुहारदेश रायगढ़ : सदस्य

11

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-द्वितीय

परियोजना-कार्य Code - 918

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवंटित पाठ्यक्रमों पर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/रस-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय :

1. दलित गद्य साहित्य
2. हिंदी गद्य साहित्य में नारी-विमर्श
3. साठोत्तरी हिंदी कथा साहित्य
4. छत्तीसगढ़ का गद्य साहित्य
5. हिंदी कथा साहित्य में उत्तरआधुनिकता
6. हिंदीतर भाषा-साहित्य का अध्ययन
7. पाठ्यक्रमों पर आधुनिक हिंदी आलोचना/समीक्षा
8. हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी का प्रयोग
9. हिंदी भाषा-शिक्षण का व्यावहारिक प्रयोग
10. विदेशों में हिंदी की लोकप्रियता
11. अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक - 50

शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 10)

मीखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 08)

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास. विद्यापीठ कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जंजोपुर, जिला जाँजगीर-बाँपा

अनुमोदित
हस्ताक्षर

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी बाल साहू

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किराडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिंदी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश रायगढ़

: सदस्य

-

प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

एम.ए.हिंदी सेमेस्टर-प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 700 ई. से 1857 ई. तक) Code 901

प्रस्तावना :

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कर्मोद्देश पूरा लेकर प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूँज हिंदी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं-नवीं शताब्दी से भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय : इतिहास-दर्शन एवं साहित्यइतिहास।

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप एवं अध्ययन की समस्याएँ।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्यइतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।
4. हिंदी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
5. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ, तथा प्रमुख रचनाकारों का वैशिष्ट्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य, प्रमुख सूफी कवि और काव्य।
6. उत्तर मध्यकाल (शीतकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परम्परा, शैतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (शैतिबद्ध, शैतिसिद्ध और शैतिमुत्त), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ, शैतिकालीन गद्यसाहित्य।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- | | |
|----------------------------------|---|
| 3 आलोचनात्मक प्रश्न | 20 × 3 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 5 लघुवृत्तीय प्रश्न / टिप्पणी | 3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 5 वस्तुनिष्ठ / अतिवृत्तीय प्रश्न | 5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से) |

अध्ययन भण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
7. डॉ. वेदियार सिंह साहू
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. चित्तरंजन कर

4. डॉ. मीनकान्त प्रधान
5. सुश्री लक्ष्मणेशी कुंठे
8. श्री नवनीत जनतारामका

21/8/18

En

01

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हिंदी साहित्य का इतिहास
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
4. हिंदी साहित्य की भूमिका
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
7. हिंदी साहित्य का इतिहास
8. भारतीय साहित्य
9. भारतीय साहित्य
10. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ
11. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था
12. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
13. हिंदी शक्ति साहित्य
14. हिंदी साहित्य के विकास की रूपरेखा
15. हिंदी साहित्य का आदिकाल
16. साहित्य और इतिहास-दृष्टि
17. हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं दीसलदेव रास
18. हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ
19. इतिहास दर्शन और हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
20. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका
21. साहित्येतिहास दृष्टि
22. भारतीय साहित्य
23. साहित्येतिहासकारों की दृष्टि-मीमांसा

- : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
: संपादक - डॉ. नरोत्तर
: डॉ. बच्चन सिंह
: डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
: डॉ. रामकुमार वर्मा
: डॉ. सुमन राजे
: डॉ. चातक
: संपादक - डॉ. नरोत्तर
: संपादक - डॉ. मूलचंद्र गौतम
: के. साय्यदानंद
: डॉ. आरसु
: रामविलास शर्मा
: डॉ. मगीरथ मिश्र
: रामशंकर द्विवेदी
: हजारीप्रसाद द्विवेदी
: मैनेजर पाण्डेय
: डॉ. मीनकेतन प्रधान
: संपादक - श्याम कश्यप
: योगेन्द्र प्रताप सिंह
: डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
: डॉ. कंचन यादव
: डॉ. ब्रजकिशोरप्रसाद सिंह
: डॉ. वेदप्रकाश

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य

शासनदीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. चित्तरंजन कर,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

प. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग

छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुर्रे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बंठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक - इस्पात टाइम्स, रायगाढ़

सूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारडेरा रायगाढ़

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

हस्ताक्षर

21/8/18

21/8/18

21/8/18

21/8/18

21/8/18

21/8/18

21/8/18

21/8/18

21/8/18

प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र द्वितीय

भक्ति काव्य Code 902

प्रस्तावना :

हिंदी के पूर्वमध्यकालीन काव्य या भक्तिकालीन काव्य का साहित्यतिहास में विशेष महत्त्व रहा है। भक्तिकाव्य लोक-जागरण और लोकमंगल का नवीन स्वर लेकर आया। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परम्परा को सुरक्षित रखा है।

इस प्रश्नपत्र में समानुद्ध तीन काव्य कृतियों से व्याख्यानक एवं आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प युक्त) किये जाएंगे। द्रुत पाठ से लघुलरी प्रश्न (विकल्प युक्त) एवं प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से वस्तुनिष्ठ/लघुलरी प्रश्न (विकल्प युक्त) किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. कबीर : सपादक - श्यामसुंदर दास (प्राथमिक 1 से 100 दोहे)
आलोचना-व्यक्तित्व-कृतित्व, धार्मिक विचार, सामाजिक विचार, प्रेमतत्त्व विरह भावना, रहस्यवाद दार्शनिकता, प्रासंगिकता, उलटबासिया, प्रतीक पद्धतियां, काव्यकला और भाषा।
2. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड संपूर्ण)
आलोचना-व्यक्तित्व-कृतित्व, भक्ति-भावना, लोकजीवन लोकनायकत्व, दार्शनिकता, भक्तिवत्त्व, अलंकार योजना, भाषा-शैली, रामचरित मानस का महाकाव्यत्व।
3. सूरदास: भ्रमरगीत सार - सपादक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल (51 से 100 तक)
आलोचना-व्यक्तित्व-कृतित्व, भक्ति-भावना, वियोग वर्णन, सूर की गोपियां, सूर के उद्भव, काव्य कला, भ्रमरगीत की दार्शनिक पृष्ठभूमि।

द्रुत पाठ के कवि : विद्यापति, मीराबाई, दादूदास, रैदास, रहीम

अंक विभाजन :

- | | |
|--|---|
| 3 व्याख्या | 00 |
| 2 आलोचनात्मक प्रश्न | -3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से) |
| 3 लघुलरी प्रश्न / टिप्पणी लेखन | -2 × 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से) |
| 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुलरी प्रश्न-5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से) | -3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से) |

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे
2. डॉ. चितरंजन कर
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
4. डॉ. मीनकान्त प्रधान
5. डॉ. श्रीमती रवीन्द्र चौबे
6. सुश्री लक्ष्मणी कुंठ
7. डॉ. वैदियार सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतसंनका
9. श्री राजीव गुप्ता

(Handwritten signatures and marks)

संदर्भ ग्रंथ :

1. सूरदास
2. उचित आंदोलन और सूरदास का काव्य
3. सूर साहित्य
4. महाकावि सूरदास
5. कबीर
6. कबीर तेरे रूप अनेक
7. कबीर
8. कबीर की कविता
9. कबीर श्रीमंसा
10. रामभक्ति में रसिक सम्प्रदाय
11. तुलसी
12. तुलसी मंजरी
13. ईष्णव भक्ति आंदोलन का अध्ययन
14. रामचरित मानस
15. रामचरित मानस का तुलनात्मक अध्ययन
16. कबीर, सूर, तुलसी
17. विद्यामति के गीत
18. भक्ति काव्य-यात्रा
19. रहस्यवाद
20. संत साहित्य और लोकमंगल
21. रामचरितमानस : पाठ, लीला, चित्र
22. तुलसीदास
23. अकथ कहानी प्रेम की
24. रामचरित मानस
25. रामचरित मानस में चरित्र-सृष्टि

- हरवंशाला शर्मा
- मैनेजर पाण्डेय
- हजारिप्रसाद द्विवेदी
- नंददुलारे वाजपेयी
- रामदास : विजयेन्द्र नारायण
- रामदास : महावीर अग्रवाल
- हजारिप्रसाद द्विवेदी
- डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
- डॉ. रामचंद्र तिवारी
- डॉ. मयावतीप्रसाद सिंह
- रामदास : उदयमानु सिंह
- रामदास : विद्यानिवास मिश्र
- डॉ. मलिक मुहम्मद
- सुधाकर पाण्डेय
- डॉ. शिवकुमार शुक्ल
- डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
- वैजनाथ सिंह
- डॉ. रामरत्नधर चतुर्वेदी
- राममूर्ति त्रिपाठी
- आनंदकाश त्रिपाठी
- रामण सिन्हा
- नंदकिशोर नवल
- पुरुषोत्तम अग्रवाल
- रामण सिन्हा
- डॉ. योगेश दुबे

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे, प्राचार्य

2. डॉ. चितरंजन कर, शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)

- पू. विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
- प. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक, पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग

छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. भिनकेंतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मणेश कुंभारे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. देविशार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायपुर

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता धनुहारडेया रायगढ़

अनुमोदित हस्ताक्षर

:- 24

Dr. Ramesh

Dr. Vinay

Dr. Binay
21/8/18
Dr. Ramesh

: सदस्य

: सदस्य

: सदस्य

: सदस्य

a

प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

एच. ए. हिंदी-सेमेस्टर प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र तृतीयः भाषा विज्ञान code 905

प्रस्तावना : साहित्य आद्यांत एक भाषिक निर्माते है। साहित्य के गभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट एवं सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक ईकाइयों तथा भाषा-संरचना के विविध स्तरों पर उनके अंतरसंबंधों के विन्यास को आत्मकित कर न केवल अथेता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा-विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। भाषा के साहित्यतर प्रयोजन मूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषावैज्ञानिक चिंतन का लाभ दृष्टिगोचर होता है।

पाठ्य विषय :

1. भाषा और भाषाविज्ञान :

(अ) भाषा - परिभाषा, उत्पत्ति के सिद्धांत, विशेषताएं एवं प्रवृत्तियाँ।

(ब) भाषा विज्ञान - भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति।

अध्ययन की दिशाएं - वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रयोगात्मक, संरचनात्मक।

(स) साहित्य और भाषा विज्ञान - साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

2. ध्वनि विज्ञान (स्वन-प्रक्रिया) - ध्वनि विज्ञान का स्वरूप, वाक् अवयव एवं उनके कार्य, ध्वनि का वर्गीकरण - स्थान प्रयत्न करण।

ध्वनि के भेद - स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनो का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन(विकार)- ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं, ध्वनि परिवर्तन के कारण, स्वनिम सिद्धांत(ध्वनि ग्राम) - अवधारणा, ध्वनि ग्राम के भेद-खण्ड्य और खण्ड्येतर।

3. पद विज्ञान (रूप विज्ञान) - पद का स्वरूप और शाखाएं।

रूप ग्राम (लघिम)- लघिम की अवधारणा

रूप ग्राम के भेद- 1. प्रयोग के आधार पर- मुक्त, बद्ध, मुक्त-बद्ध 2. रचना के आधार पर - संयुक्त, मिश्रित 3. अर्थत्व प्रदर्शक एवं सन्देशत्व-प्रदर्शक

4. खण्डीकरण-खण्डात्मक, अखण्डात्मक।

4. वाक्य विज्ञान : वाक्य विज्ञान का स्वरूप एवं लक्षण, वाक्य संबंधी सिद्धांत - स्कोटवाद, अंतिम वर्णवाद, वर्ण समूहवाद, अभिहितान्तरवाद, वाक्य के भेद- रचना, आकृति, अर्थ, क्रिया एवं शैली के आधार पर।

5. अर्थविज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोभता, अर्थ-परिवर्तन : - अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, अर्थ परिवर्तन के कारण।

अंक विभाजन : 00

कुल अंक 80

03 आलोचनात्मक प्रश्न - 3 x 20 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

03 लघुतरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन- 3 x 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

05 वस्तुनिष्ठ/अति लघुतरी प्रश्न- 5 x 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे

2. डॉ. चितरंजन कर

3. डॉ. विनय कुमार पाठक

4. डॉ. मीनकान्त प्रधान

5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे

6. सुश्री लक्ष्मणेश्वरी कुर्रे

7. डॉ. देवियार सिंह साहू

8. श्री नवनीत जगलरामका

9. श्री राजीव गुप्ता

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान
 2. हिंदी शब्दानुशासन
 3. भाषा विज्ञान
 4. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन
 5. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन
 6. मातृविज्ञान की भूमिका
 7. भाषा एवं भाषा विज्ञान
 8. आधुनिक भाषा विज्ञान
 9. भाषा विज्ञान की रूपरेखा
 10. भारतीय भाषा विज्ञान
 11. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत
- : राजमल बेरा
: पं. विश्वश्रीदास बाजपेयी
: भोलानाथ तिवारी
: डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा
: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
: देवेन्द्रनाथ शर्मा
: महावीर सरन जीन
: डॉ. राजमणी शर्मा
: डॉ. चरिदत्त कौशिक
: पं. विश्वश्रीदास बाजपेयी
: डॉ. रामकिशोर शर्मा

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्रचार्य

2. डॉ. चितरंजन कर,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

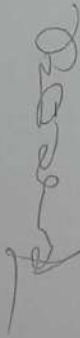
कुलपति द्वारा नामांकित :
1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर


विभागीय सदस्य :

1. डॉ. भीमकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मवरी कुर्र-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. वेदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स रायगढ़ : सदस्य
1. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारडस रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर













प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020
 एम.ए.हिंदी :सेमेस्टर प्रथम
 अनिवार्य प्रश्नपत्र चतुर्थ
 आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी नाटक एवं निबंध Code 904

प्रस्तावना :

नाटक साहित्य की महत्वपूर्ण विधा है। यह श्रव्य एवं दृश्य दोनों रूपों को समेटे हुए है। नाटक प्रत्यक्ष कल्पना एवं अथवासाय का विषय बन सत्य तथा कल्पना से समन्वित विलक्षण रूप धारण करके द्रष्टा एवं पाठक दोनों को मनोरंजन के साथ-साथ समाज-निर्माण एवं परिवर्तन का चेतना प्रदान करते हुए अपने साध्य में दृश्य होने के कारण सीधे रंगमंच से जुड़ा हुआ है, जिसे विविध काव्य के अतिरिक्त ललित कलाएँ तथा कलाकार मिलकर आकार देते हैं। इसीतरह निबंध गद्य का प्रौढ़ तथा शक्तिशाली प्रतिरूप है, जो किसी भी निबंधकार की वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य-चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत दोनों नाटकों/निबंधों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दोनों नाटकों/निबंधों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प युक्त लघुलरी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघुलरी प्रश्न सामूह्य पाठ्य-विषय से किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

- नाटक :
1. जयशंकर प्रसाद
 2. मोहन राकेश

: चंद्रभुवन
 : आषाढ़ का एक दिन

- निबंध :
1. रामचंद्र शुक्ल
 2. हजारीप्रसाद द्विवेदी
 3. नंददुलारे वाजपेयी
 4. हरिशंकर परसाई

: कविता क्या है?
 : शिरीष के फूल
 : निराला
 : विकलांग श्रद्धा का दौर

द्रुत पाठ के नाटककार :

भारतेन्दु हरिश्चंद्र, धर्मवीर भारती, विष्णु प्रभाकर।

द्रुत पाठ के निबंधकार :

आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी, पं.लोचनप्रसाद पाण्डेय, कुबेरनाथ राय

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 3 व्याख्या -3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
- 2 आलोचनात्मक प्रश्न -2 × 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
- 3 लघुलरी प्रश्न / टिप्पणी लेखन -3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
- 5 वस्तुनिष्ठ / अति लघुलरी प्रश्न -5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
7. डॉ. बेडियार सिंह साहू
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. वितरंजन कर :
 4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
 6. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुई
 8. श्री नवनील जगतारामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी निबंध की विभिन्न शैलियाँ
2. लोचनप्रसाद पाण्डेय के निबंध
3. पं. लोचनप्रसाद पाण्डेय चर्यानिका
4. साहित्य वाचस्पति लोचनप्रसाद पाण्डेय
5. हिंदी निबंधकार
6. प्रसाद के नाटकों में नियतिवाद
7. हिंदी नाटकों का रूपविधान और वस्तु-विकास
8. प्रसाद : भारतीयता के प्रतिमान
9. हिंदी नाटकों का विकासनात्मक अध्ययन
10. हिंदी के ऐतिहासिक नाटकों में इतिहास-तत्व
11. मोहन राकेश की रचनासृष्टि
12. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि
13. मोहन राकेश और उनके नाटक
14. हिंदी नाटक: कल और आज
15. मोहन राकेश के साहित्य में सामाजिक चित्रण
16. कुरुरनाथ राय
17. निबंधालोक : विद्यानिवास मिश्र
18. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन
19. व्यंग्यकार हरिश्चकर परसाई
20. हिंदी नाटक
21. हिंदी व्यंग्यकर्म एवं समकालीन परिदृश्य
22. नाटककार जयशंकर प्रसाद

- : डॉ. मोहन अवरुथी
: देवीप्रसाद वर्मा
: ईश्वरशरण पाण्डेय
: शिखा बेहरा
: जयनाथ नलिन
: पद्माकर भार्गव
: डॉ. वंदूलाल दुबे
: सत्यपाल दुंगा
: डॉ. शांतिगोपाल पुरोहित
: डॉ. धनंजय
: जगदीश शर्मा
: संकलित
: गिरीश रस्तोगी
: केदार सिंह
: अर्जुन के. तडवी
: डॉ. सुरेश माहेश्वरी
: डॉ. दिलीप देशमुख
: डॉ. बाबूराम
: डॉ. भरत पटेल
: डॉ. बच्चन सिंह
: संपादक - डॉ. विनय कुमार पाठक
: संपादक - सत्येन्द्रकुमार तनेजा

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य
शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चित्तरंजन कर्,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
प. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकैतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) स्वीन्द्र चौधे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मणवती कुरुर-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायपुर

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारडेरा रायपुर

: सदस्य
: सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

21/8/18

प्रस्तावना :-

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आर्गटिज पाठ्यक्रमों के किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख को स्वच्छ स्व-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

- निर्धारित विषय
1. मुक्तिबोध का गद्य साहित्य
 2. शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य
 3. महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य
 4. लोचनप्रसाद पाण्डेय का गद्य साहित्य
 5. माधवराव सद्दे का गद्यसाहित्य
 6. हबीब तनवीर के नाटक
 7. छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य के विविध व्याकरणिक रूपों का विवेचन
 8. किसी एक पाठ्यक्रमों के नाटक का तात्त्विक अथवा रंगमंचीय विवेचन
 9. पाठ्यक्रमों के निबंधों का विवेचन
 10. जीवनी/चरितनाटक कृति का अध्ययन
 11. आदिकाल एवं शैलिकाल के महिला साहित्यकारों का वैशिष्ट्य।
 12. भारत में सूफी मत का विकास। सूफी मत में लोकजीवन और लोकसंस्कृति के तत्त्व
 13. भारतीय साहित्य में आज के भारत का विम्व और हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अनिव्यक्ति।
 14. अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

अंक विभाजन : कुल अंक : 50, शोध आलेख : 30 अंक, मौखिकी : 20 अंक
अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित
हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य

2. डॉ. चित्तरंजन कर्,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

प. चरित्रकर श्रुतल वि. वि. रायपुर (छ.ग.)
कृतधति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अल्पक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग. शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मणेश्वरी कुर्-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बंदिपार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

: सदस्य

-

: सदस्य

-

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारडेरा रायगढ़

: सदस्य

-

: सदस्य

-

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम. ए. हिंदी

सेमेस्टर द्वितीय

अनिवार्य प्रश्न पत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1857 से आज तक) code 905

प्रस्तावना :

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के साथ समूचे भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवर्तन होने लगे थे। इसका प्रभाव हिंदी भाषा और साहित्य पर भी दृष्टिगोचर होता है। एक ओर विभिन्न बोलियों का स्थान खड़ी बोली हिंदी ले रही थी, वहीं दूसरी ओर साहित्य के विषयों में भी स्वाधीनता आंदोलन एवं स्वतंत्रता के स्वर मिलने लगे। स्वतंत्रता के पहले और बाद अनेक प्रकार की विचारधाराएँ और शैलियाँ विकसित हुईं, जिनके विकास का क्रमबद्ध अध्ययन इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
2. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
4. छायावादी युग : हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास : छायावादी काव्य - प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
5. उत्तर छायावाद : विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, उत्तरआधुनिकतावादी कविता, नारी विमर्श, दलित विमर्श : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
6. हिंदी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का विकास - कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्टाज आदि।
7. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास।
8. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
9. उड़िया साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
10. हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य।

—00—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	$3 \times 20 = 60$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी लेखन	$3 \times 5 = 15$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	$5 \times 1 = 05$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3. डॉ. बिहारी लाल साहू

5. डॉ. उषा वैरागकर आठले

7. श्री रामकुमार बंजारे

9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

6. डॉ. बेठियार सिंह साहू

8. श्री नवनीत जगतारामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
2. दूसरी परम्परा की खोज
3. छायावाद एवं अन्य निबंध
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल
6. आधुनिक हिंदी गद्य और गद्यकार
7. छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
8. उल्लेख्याधुनिक साहित्यिक विमर्श
9. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास
11. प्रागतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना
12. देरिवा : विखंडन की सैद्धांतिकी
13. हिंदी आलोचना का विकास
14. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत
15. ओडिया साहित्य का इतिहास
16. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
17. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
18. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
19. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद
21. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य
22. स्त्री विमर्श : साहित्यिक और व्यावहारिक संदर्भ
23. दलित साहित्य : प्रकृति और संदर्भ
24. दलित साहित्य : विविध आयाम
25. नारी विमर्श की नई दिशाएँ

- : डॉ. कमलाप्रसाद
- : सुशीला पर्वारी
- : प्रो. सेयद ऐहतेशाम हुसैन
- : डॉ. बापूराव देसाई
- : डॉ. विद्या प्रधान
- : सुशीला पर्वारी
- : नंदकिशोर नवल
- : योगेन्द्र प्रताप सिंह
- : डॉ. पूर्णिमा कोडिया
- : ओमप्रकाश वाल्मीकि
- : डॉ. बच्चन सिंह
- : गामवर सिंह
- : आचार्य नंददुलारे याजपेयी
- : डॉ. भारकर शैवा
- : क्षमा शर्मा
- : डॉ. करुणा उमरे
- : डॉ. संजय नवने
- : डॉ. सुनीता साखरे
- : डॉ. रेणुका मोरे

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के इस्ताफ़र :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शा.स.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शा.स.महाविद्यालय, जैजपुर, जिला जाँजगीर-बांधा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिरहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरेशीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. भीमकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आदल-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बंकिमर सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार वंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनील जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

: सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

- श्री राजीव गुप्ता, धनुहारइरा रायगढ़

: सदस्य

अनुमोदित

इस्ताफ़र

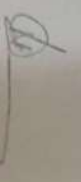












प्रस्तावना :

पूर्वमध्यकाल में सूफी काव्य की एक सशक्त धारा दिखाई देती है, जिसमें हिंदू और इस्लामी संस्कृति का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। उत्तरमध्यकालीन काव्य (शैतिकाव्य) अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धड़कनों को समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है। इस प्रश्नपत्र में समावृत्त तीनों काव्य-कृतियों से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प-युक्त लघुलंघी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वस्तुनिष्ठ / अतिलघुलंघी प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य विषय :

1. जायसी : सांशिव परभावत - (पद्मावती खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)
सम्पादक-श्यामसुंदर दास
 2. घनानंद : घनानंद चर्यानिका
सम्पादक - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा (प्रारम्भिक 25 छंद)
 3. बिहारी : बिहारी सार्द्धशती
सम्पादक - ओमप्रकाश (प्रारम्भिक 100 दोहे)
- द्रुत पाठ के कवि : केशव, देव, भूषण, सेनापति, पद्माकर

अंक विभाजन :

3 व्याख्यात्मक प्रश्न	-3 × 10 = 30	(प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न	-2 × 15 = 30	(प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
3 लघुलंघी प्रश्न / टिप्पणी लेखन-3 × 5 = 15		(प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघुलंघी प्रश्न-5 × 1 = 05		(प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

कुल अंक 80

—00—

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
3. डॉ. बिहारी लाल साहू
5. डॉ. उषा वैरागकर आठल
7. श्री रामकुमार बंजारे
9. श्री राजीव गुप्ता

[Signature]

2. डॉ. फूलदास महंत
4. डॉ. भीमकान्त प्रधान
6. डॉ. बोडियार सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतसम्भका

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

संदर्भ ग्रंथ :

1. पद्मानंद : काव्य और आलोचना
2. पद्मानंद का काव्य
3. ब्रह्मरी भाष्य
4. ब्रह्मरी की काव्य-साधना
5. ब्रह्मरी
6. ब्रह्मरी : आलोचनात्मक अध्ययन
7. ब्रह्मरी का नया मूल्यांकन
8. सूफी मत
9. पद्मानंद का अनुशीलन
10. जायसी : एक नई दृष्टि
11. शैलिकालीन कविता में भक्तिताल
12. हिंदी शैलि साहित्य
13. शैलिकालीन कवियों की प्रेम-व्यंजना
14. शैलिकाल की इतिहास-दृष्टि
15. केशवदास
16. केशव-काव्यसुधा
17. भीम का काव्य
18. हिंदी साहित्य का मध्यकाल
19. शैलिवह्द काव्य में तत्कालीन सामाजिक व्यंग्य या स्वरूप
20. बोधा के काव्य में जीवन-मूल्य
21. शैलिकाल कवि ठाकुर और उनका काव्य
22. कवि आलम और उनकी आलमकेलि
23. मध्ययुगीन रहस्यवादी प्रवृत्तियों के मूल स्रोत :
24. मध्यकालीन हिंदी काव्य
25. भूषण का प्रशस्तिकाव्य

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. एच. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जंजपुर, जिला जौनपुर-बांघा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. ब्रह्मरी ताल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरौड़ीमल कालोनी, रायगढ़

(Signature)

1. डॉ. भीमकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठल-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बंकिमेश्वर सिंह साहू-आतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-आतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जनतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

: सदस्य

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुहरडेरा रायगढ़

: सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

(Signature)

(Signature)
(Signature)
(Signature)

4

(Signature)

प्रस्तावना :

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, वैश्विक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कम्प्यूटर-सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के भाषा के विकास के आधुनिक चरण में कामकाजी हिंदी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य-विषय से आलोचनात्मक/लघुलेखी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघुलेखी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ -
वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत- उनकी विशेषताएँ।
मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ -
पालि, प्रकृत - शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश- उनकी विशेषताएँ।

2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार :
हिंदी की उपभाषाएँ -
पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।

3. हिंदी का भाषिक स्वरूप:
हिंदी शब्द-रचना -
उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास।
हिंदी रूप-रचना -
लिंग, वचन, कारक-व्यवस्था, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।

4. हिंदी के विविध रूप-
पदक्रम और अनिचि।
सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा।

5. देवनागरी लिपि :
प्रमुख प्रकार - ग्राह्यपण, टिप्पण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन।
व्युत्पत्ति, विशेषताएँ और मानकीकरण।

अंक विभाजन :	कुल अंक 80
02 आलोचनात्मक प्रश्न	3 x 20 = 60 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
03 लघुलेखी प्रश्न	3 x 5 = 15 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5 x 1 = 05 (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन भण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3. डॉ. बिहारी लाल साहू

5. डॉ. उषा वैरागकर आदले

7. श्री रामकृष्ण बंजारे

9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. मीनकंतन प्रधान

6. डॉ. बंदिबारा सिंह साहू

8. श्री नवनीत जगतसामिका

सदस्य ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा की सृष्टि-संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी संज्ञा-संरचना और लक्ष्मि : डॉ. प्रीति सोहनी
3. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी : सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या
4. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी
5. भाषा एवं भाषाविज्ञान : महावीरचरन जैन
6. हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप : डॉ. राजमणि शर्मा
7. हिंदी भाषा-संरचना के विविध आयाम : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8. हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. भाषा : इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका : जे. वाट्टिथेज
10. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन: डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा
11. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा : द्वारिकप्रसाद सक्सेना
12. हिंदी शब्दानुशासन : पं. किशोरीदास बाजपेयी
13. अपभ्रंश के योग : नामवर सिंह
14. भाषा और प्रौद्योगिकी : डॉ. विनोद प्रसाद
15. भाषा और व्यवहार : ब्रजमोहन
16. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा : सुवास कुमार
17. हिंदी की मानक वर्तनी : कैलाशचंद्र भाटिया
18. हिंदी भाषा : विकास और स्वरूप : कैलाशचंद्र भाटिया
19. भाषा चिंतन के नए आयाम : डॉ. समकिशोर शर्मा
20. हिंदी व्याकरण मीमांसा : काशीराम शर्मा
21. वाक्य-संरचना और विश्लेषण : नए प्रतिमान: बदरीनाथ कपूर
22. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य : डॉ. पंडित वन्ने

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के इस्तेाहर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. टी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास. विद्यापीठ कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास भट्ट, सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य, शास. महाविद्यालय, जैजपुर, जिला जॉजपीर-बांधा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू, सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किराडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. देवियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य


भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश रायगढ़ : सदस्य

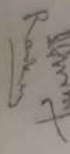
अनुमोदित
इस्तेाहर













प्रस्तावना :

आज गद्य साहित्य उपन्यास एवं कथा साहित्य जैसी विधाओं के साथ वामन से विराट हो गया है। हिंदी गद्य की विधाओं में आज उपन्यास और कहानी सर्वाधिक विकसित एवं लोकप्रिय हैं क्योंकि इसमें किसी क्षेत्र के विस्तृत या सीमित फलक पर घटित होने वाली ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक घटनाओं तथा उनके परिश्रेक्ष्य में अनेक व्यक्तित्व-समूहों को चित्रित किया जाता है अतः इन विधाओं का अध्ययन भी आवश्यक है। इन विधाओं के क्रमिक विकास के साथ कुछ कृतियों का अध्ययन भी अव्यक्त है।

इस प्रश्न पत्र में सम्बन्धित उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिव्युत्तरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

उपन्यास :

1. गोदान
2. पुनर्जात

कहानी :

1. उसने कहा था
2. आकाशदीप
3. कफन
4. वापसी

दुत पाठ :

उपन्यासकार : जैनेन्द्रकुमार, फणीश्वरनाथ रेणु, मन्मथ भंडारी ।
कहानीकार : कमलेश्वर, कृष्णा सोबती, अमरकान्त ।

अंक विभाजन :

03	व्याख्या	3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
02	आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
03	लघुव्युत्तरी प्रश्न	3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित दुत पाठ से)
05	वस्तुनिष्ठ/अतिव्युत्तरी प्रश्न-5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ से)	

—00—

कुल अंक 80

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर
1. डॉ. डी. एस. टाकुर
3. डॉ. बिहारी लाल साहू
5. डॉ. उषा वैरागकर आठल
7. श्री रामकुमार बंजारे
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. कुलदास महंत
4. डॉ. मीनकान्त प्रधान
6. डॉ. सेठियार सिंह साहू
8. श्री नवनील जगतदानक

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018
एम. ए. हिंदी : सेक्टर-द्वितीय
आनिवार्य प्रश्नपत्र - चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवं कहानी Code 908

संदर्भ ग्रंथ :

- | | |
|---|----------------------------|
| 1. प्रेमचंद : एक विवेचन | : डॉ. इंद्रनाथ मदान |
| 2. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन | : शंभूनाथ |
| 3. प्रेमचंद और उनका युग | : रामविलास शर्मा |
| 4. प्रेमचंद | : संपादक - सत्येन्द्र |
| 5. प्रेमचंद के उपन्यासों में व्यंग्यबोध | : उर्मिला सिन्हा |
| 6. आद्यबिम्ब और गोदान | : कृष्णमुरारी मिश्र |
| 7. आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद | : सत्यकाम |
| 8. पुनर्नवा और लोकजीवन | : सुरेन्द्रप्रताप यादव |
| 9. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की साहित्य सर्जना | : विंध्यवासिनीनंदन पाण्डेय |
| 10. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यास : संस्कृति और इतिहास | : डॉ. अरुण कुलकर्णी |
| 11. हिंदी उपन्यास का विकास | : मधुरेश |
| 12. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास | : इंद्रनाथ मदान |

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित

विषय विशेषज्ञ :

हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता,
धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

११

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-द्वितीय
परियोजना-कार्य Code 918

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आबंटित पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/स्व-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय :

1. दलित गद्य साहित्य
2. हिंदी गद्य साहित्य में नारी-विमर्श
3. साठोत्तरी हिंदी कथा साहित्य
4. छत्तीसगढ़ का गद्य साहित्य
5. हिंदी कथा साहित्य में उत्तरआधुनिकता
6. हिंदीतर भाषा-साहित्य का अध्ययन
7. पाठ्यक्रमेतर आधुनिक हिंदी आलोचना/समीक्षा
8. हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी का प्रयोग
9. हिंदी भाषा-शिक्षण का व्यावहारिक प्रयोग
10. विदेशों में हिंदी की लोकप्रियता
11. अन्य विषय : संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्तुति से)

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक - 50

शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 10)

मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 08)

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगत रामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिंदी, सत्र 2014-15) :

- श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

- [Signature]

- [Signature]

- [Signature]

- [Signature]

- [Signature]

- [Signature]

- [Signature]

[Signature]

[Signature]

कि. शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य
एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

क्र.	प्रश्नपत्र का नाम	अंक विभाजन				योग
		समे. परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	अधिकतम	न्यूनतम	
1.	प्रथम आधुनिक हिंदी काव्य (छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्य-धारा)	अधिकतम 80	न्यूनतम 29	अधिकतम 20	न्यूनतम 07	100
2.	द्वितीय भारतीय काव्यशास्त्र	80	29	20	07	100
3.	तृतीय पत्रकारिता प्रशिक्षण	80	29	20	07	100
4.	चतुर्थ लोकसाहित्य	80	29	20	07	100
5.	परियोजना कार्य			50	18	50
				कुल		450

दैनिक दिनांक : 30.11.2018

विभागाध्यक्ष - हिन्दी

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं संदर्भ ग्रंथ सूची संलग्न

नोट : परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में सेमेस्टर परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में अलग-अलग 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अध्ययन-मॉडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

- डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास. जिलाशा. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
- डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जौजपुर, जिला जौजपुर-बांधा

कुलपति द्वारा नामांकित :

- डॉ. िहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

- डॉ. मीनकेशन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
- डॉ. उषा वैरागकर आठल-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
- डॉ. वैश्याय सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
- श्री रामकुमार बजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

- श्री नवनील जगतलामका,
प्रधान सपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

- श्री राजीव गुप्ता : सदस्य
धनुहरड्डा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर-तृतीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र-प्रथम

आधुनिक हिंदी काव्य-छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्य धारा Code - 909

प्रस्तावना :

हिंदी की विशाल साहित्यिक परम्परा में भक्तिकाल के लोकजागरण के बाद नवोन्मेष का विकास छायावाद में ही दिखाई दिया। छायावाद परम्परा की समस्त विकास-प्रक्रिया को समेटते हुए नई-नई भावभूमि और नए-नए रूप विन्यास प्रस्तुत करने में भील का पथर साबित हुआ। उसने अपनी साहित्यिक यात्रा पर-पर न चलकर छलांग के द्वारा तय की। स्थूलता, इतिवृत्तात्मकता की जगह सूक्ष्मता, तथ्य की जगह विराट कल्पना, सामाजिक बोध की जगह व्यक्तित्व की स्वाधीनता, प्रकृति साहचर्य, मानव-प्रेम, वैयक्तिक प्रेम, उच्च नैतिक आदर्श, देश-भक्ति, राष्ट्रीय स्वाधीनता एवं सारकृतिक जागरण का नया स्वर छायावाद में मुखरित हुआ। छायावाद नूतन और मौलिक शक्ति का काव्य है। इसमें 'स्व' की आप्यंतरिक शक्ति अभिव्यंजित हुई है, जिसमें आत्मीयता, जीवन की लालसा, उच्चतर जीवन की आकांक्षा, त्याग, प्रेम का संदेश निहित है। इसीतरह दूसरी ओर राष्ट्रीय काव्यधारा में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता अवतरित हुई। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

इस प्रश्नपत्र में समादृत रचनाओं से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प-युक्त लघूत्तरी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य-विषय :

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता, श्रद्धा एवं इडा सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता

द्रुत पठन : सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', हरिवंशराय वच्चन, भुकुटधर पाण्डेय।

—0—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 3 व्याख्यात्मक प्रश्न $-3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से)
- 2 आलोचनात्मक प्रश्न $-2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से)
- 3 लघूत्तरी प्रश्न / टिप्पणी लेखन $-3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्रुत पाठ से)
- 5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न $-5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

- 1 डॉ. डी. एस. ठाकुर
- 3 डॉ. विहारी लाल साहू
- 5 डॉ. उषा वैरागकर आठले
- 7 श्री रामकुमार वंजारे
- 9 श्री राजीव गुप्ता

- 2 डॉ. फूलदास महंत
- 4 डॉ. भूिनकेतन प्रधान
- 6 डॉ. वेडियार सिंह साहू
- 8 श्री नवनील जगतारामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. छायावाद : नामवर सिंह
2. कामायनी : एक पुनर्विचार : ग. मा. मुक्तिबोध
3. छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन : कुमार विमल
4. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य : प्रेमशंकर
5. कल्याण और छायावाद : केदारनाथ सिंह
6. निराला : रामविलास शर्मा
7. महादेवी : इंद्रनाथ मदान
8. निराला और मुक्तिबोध : चार लम्बी कविताएँ : नंदकिशोर नवल
9. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
10. कामायनी का पुनर्मुल्यांकन : डॉ. रामरत्न चतुर्वेदी
11. प्रसाद-निराला-अज्ञेय : डॉ. रामरत्न चतुर्वेदी
12. जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी
13. कवि निराला : नंददुलारे वाजपेयी
14. कामायनी की टीका : विश्वम्भर 'मानव'
15. सुमित्रानंदन पंत की भाषा : उषा दीक्षित
16. मैथिलीशरण गुदा : पुनर्मुल्यांकन : डॉ. नरोत्तर
17. छायावादी काव्य : पुनर्मुल्यांकन : डॉ. कृष्णाचंद्र वर्मा
18. निराला की काव्य-दृष्टि : डॉ. रामकृष्ण कौशिक
19. साकेत : समीक्षा : ऋचा मिश्रा
20. कामायनी-लोचन - खण्ड एक एवं दो : डॉ. उदयमानु सिंह
21. छायावाद और निराला : डॉ. वीणा दाह
22. छायावाद की सही परख-पहचान : डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शासविद्यालय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रमोदी प्राचार्य, शासमहाविद्यालय, जैजपुर, जिला जौनपुर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू, सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
 2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
 3. डॉ. बंठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
 4. श्री रामकुमार बजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
- औद्योगिक/निगम क्षेत्र :
1. श्री नवनीत जनतरामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य
- धनुहारदेश रायगढ़

अनुमोदित

हस्ताक्षर













प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यवोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अभिहरण है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा। लघुत्तरी/टिप्पणी लेखन / वस्तुनिष्ठ/अतिवृत्तरी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क) संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य-लक्षण, काव्य हेतु काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

1. रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस निमित्त, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

2. अलंकार सिद्धांत: मूल स्थापनार्थ, अलंकारों का वर्गीकरण।

3. शैलि सिद्धांत : शैलि की अवधारणा, काव्य-गुण, शैलि एवं शैली, शैलि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनार्थ।

4. वक्रोक्ति सिद्धांत: वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनवाद

5. ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनार्थ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत-व्यंग्य, चित्र-काव्य।

6. अतिव्यंजन सिद्धांत: प्रमुख स्थापनार्थ, अतिव्यंजन के भेद।

(ख) आधुनिक हिंदी समीक्षा :

(1) आधुनिक हिंदी के प्रमुख समीक्षक एवं उनकी समीक्षा शैलियाँ :

आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलार वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेंद्र, डॉ. रामचिरास शर्मा।

(2) हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :

शास्त्रीय, व्यक्तित्ववादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनीविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

—0—

कुल अंक 80

अंक विभाजन :

3 आलोचनात्मक प्रश्न 3 x 20 = 60 (खण्ड क से 02, खण्ड ख से 01)

3 लघुत्तरी प्रश्न / टिप्पणी 3 x 05 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

5 वस्तुनिष्ठ / अतिवृत्तरी प्रश्न 5 x 01 = 5 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एच. त्रिपाठी
3. डॉ. विश्वरी ताल साहू
5. डॉ. उषा बेरानकर आठले
7. श्री रामकुमार बंजारे
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत
4. डॉ. मीनकंतन प्रधान
6. डॉ. देविदार सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतसामिका

W

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : मूलजी भाई वी. पटेल
2. भारतीय काव्यसिद्धांत : डॉ. राजकिशोर सिंह
3. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ. नगोन्द
4. ध्वनि सिद्धांत और व्यंजन-वृत्ति-विवेचन : डॉ. गथाप्रसाद
5. रस सिद्धांत का पुनर्विवेचन : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
6. रस सिद्धांत : डॉ. नगोन्द
7. भारतीय काव्यशास्त्र : सिद्धांत और समस्यारूप : डॉ. सुधांशु कुमार शुक्ल
8. वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : बालेन्दु शेखर तिवारी
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : रामचंद्र तिवारी
10. हिंदी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल
11. व्यावहारिक समीक्षा : पूर्णमासी राय
12. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत : योगेन्द्र प्रताप सिंह
13. हिंदी साहित्यशास्त्र : नंदकिशोर नवल
14. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना : पाण्डेय शशिभूषण श्रीवास्तव
15. इतिहास और आलोचना के वस्तुवादी सरोकार : निर्मला जैन
16. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी : रामेश्वर खंडेलवाल, सुरेशचंद्र गुप्त
17. हिंदी आलोचना के आधारस्तम्भ : डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र
18. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी समीक्षा सिद्धांत : डॉ. शिवकुमार मिश्र
19. हिंदी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल : डॉ. विश्वम्भरनाथ त्रिपाठ्याय
20. भारतीय काव्यशास्त्र : राममूर्ति त्रिपाठी
21. भारतीय काव्य विमर्श : एस.टी. नरसिंहाधिकारी
22. साँदर्यशास्त्रीय समीक्षा : डॉ. उमेश कुमार सिंह
23. भारतीय काव्यशास्त्र

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.विलास कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभाषी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजपुर, जिला-जॉजनीर-बाण

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विशाखी ताल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठल-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेटियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बजार-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसमका,

प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश रायगढ़

अनुमोदित

सुरेशचंद्र गुप्त

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी :सेमेस्टर-तृतीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र-तृतीय

पत्रकारिता प्रशिक्षण Code 911

प्रस्तावना :

पत्रकारिता आज जनजीवन की धड़कन बन गई है, सिमटते विश्व में स्नायु-तंतुओं की तरह काम कर रही है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित रूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। अतः पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक विवेचन राज्यास्तरकता की दिशा में एक कदम है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न/लघुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य-विषय :

1. पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय।
3. हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
4. समाचार-पत्रकारिता के मूल तत्व : समाचार-संकलन एवं लेखन के मूल आयाम।
5. समापदन-कला के सामान्य सिद्धांत : शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना।
7. दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न स्रोत।
9. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य-पद्धति।
10. समापदकीय लेखन, साक्षात्कार, पत्रकार-वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।
11. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
12. प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

—0—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- | | | |
|---------------------------------|--------------------|--|
| 3 आलोचनात्मक प्रश्न | $3 \times 20 = 60$ | (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से) |
| 3 लघुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी | $3 \times 05 = 15$ | (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से) |
| 5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न | $5 \times 01 = 05$ | (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से) |

- अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -
1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
 3. डॉ. विहारी लाल साहू
 5. डॉ. उषा बैरागकर आठले
 7. श्री रामकुमार बंजारे
 9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत
4. डॉ. भीमकेतन प्रधान
6. डॉ. गौडियार सिंह साहू
8. श्री नवनीत जनतशमका

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क
 2. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार
 3. पत्रकारिता एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास
 4. हिंदी पत्रकारिता
 5. पत्रकारिता : विविध विधाएँ
 6. आधुनिक समाचार पत्र प्रबंधन
 7. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास
 8. पत्रकारिता : मिशन से भीडिया तक
 9. प्रेस विधि
 10. समाचार और संवाददाता
 11. पत्रकारिता की चुनौतियाँ
 12. हिंदी पत्रकारिता : कल, आज और कल
 13. समाचार सम्पादन
 14. भेंटवार्ता और प्रेस कान्फ्रेंस
 15. समाचार पत्र प्रबंधन
 16. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ
 17. पत्रकारिता के नये परिशेष्य
 18. कॉपीराइट
 19. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र
 20. पत्रकारिता के नए आयाम
- डी.डी.एस.आलोक
: डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
: डॉ. अर्जुन तिवारी
: कृष्णविहारी मिश्र
: डॉ. राजकुमारी रानी
: अनिल किशोर पुरोहित
: डॉ. अर्जुन तिवारी
: अखिलेश मिश्र
: डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
: काशीनाथ गोविंद जोगलेकर
: गणेश मंत्री
: सुरेश गौतम
: कमल दीक्षित, महेश दर्पण
: प्रो. नंदकिशोर त्रिखा
: डॉ. गुलाब कोजरी
: विनोद गोदरे
: राजकिशोर
: कमलेश जैन
: रवीन्द्र शुक्ला
: एस.के.दुब

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.वि.लासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक / प्रभाषी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जौजेपुर, जिला-जौजगीर-बापा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
 2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
 3. डॉ. बेटिशार सिड साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
 4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
- श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

प्रस्तावना :

हिंदी जनत की बोलियों या विभाषाओं में अमूल्य लोकसाहित्य-संपदा विद्यमान है। इसके संकलन, संपादन, सर्वक्षण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संस्कृति को संरक्षित किया जा सकता है और हिंदी का जनधार बलया जा सकता है। अस्तु, इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्विवाद है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत पाठ्य-विषय से आंतरिक विकल्प मुक्त आलोचनात्मक प्रश्न/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. लोक की अवधारणा :
'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति।
2. लोक साहित्य का स्वरूप :
परिभाषा एवं विशेषताएँ, लोकसाहित्य एवं शिष्ट साहित्य में साम्य-भेद।
3. लोक संस्कृति की अवधारणा :
लोकवात्ता और लोकसंस्कृति, लोकसाहित्य और साहित्य।
4. लोक साहित्य के परिप्रेक्ष्य:
सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषाशास्त्रीय
5. लोक साहित्य के विविध रूप :
लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नृत्य, लोक-संगीत, लोक-सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।
6. लोक साहित्य का भाव एवं शिल्प सौन्दर्य:
विषय, भाव-व्यंजना, रस-परिष्कार, भाषा, अलंकार-योजना, छंद-विधान, प्रतीकात्मकता।
7. लोक साहित्य की उपयोगिता, महत्व एवं चुनौतियाँ।
_____0_____

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- | | |
|---------------------------------|--|
| 3 आलोचनात्मक प्रश्न | 3 × 20 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से) |
| 3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी | 3 × 05 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से) |
| 5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न | 5 × 01 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से) |

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

- | | | | |
|------------------------|---|--------------------------|---|
| 1 डॉ. डी. एस. ठाकुर | - | 2 डॉ. फूलदास महल | - |
| 3 डॉ. विहारी लाल साहू | - | 4 डॉ. भीमकेतन प्रधान | - |
| 5 डॉ. उषा बैरागकर आठले | - | 6 डॉ. शैलेश्वर सिंह साहू | - |
| 7 श्री रामकुमार बज्रि | - | 8 श्री नवनीत जगतारामका | - |
| 9 श्री राजीव गुप्ता | - | | - |

H

संदर्भ ग्रंथ :

1. लोकसाहित्य की भूमिका
 2. खड़ी बोली का लोकसाहित्य
 3. लोक : परंपरा, पहचान एवं प्रवाह
 4. भारत में लोकसाहित्य
 5. लोकसाहित्य समग्र
 6. लोकसाहित्य और संस्कृति
 7. मानव और संस्कृति
 8. लोकसाहित्य : अर्थ और व्याप्ति
 9. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति
 10. लोकसाहित्य शास्त्र
 11. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति
 12. लोकसाहित्य
 13. लोकसाहित्य : विविध आयाम
 14. हिंदी लोकसाहित्यशास्त्र
 15. लोकसंस्कृति की रूपरेखा
 16. मध्यप्रदेश का लोकसंगीत
 17. भारत के लोकनृत्य
 18. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम
 19. हिंदी प्रदेश के लोकगीत
 20. भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा
 21. लोकसाहित्य के स्वरूप का सैद्धांतिक विवेचन
- : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
: डॉ. सत्या गुप्त
: डॉ. श्यामसुंदर दुबे
: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
: डॉ. रामनारायण उपाध्याय
: डॉ. दिनेश्वर प्रसाद
: डॉ. श्यामावरण दुबे
: डॉ. पुरुष गीतम
: डॉ. उषा चवसेना
: डॉ. बापूराव देसाई
: डॉ. रामनिवास शर्मा
: डॉ. शशिकान्त सोनवणे
: डॉ. जयश्री गावित
: डॉ. अनसुइया अग्रवाल
: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
: शशीक मोहनमद
: शशीक मोहनमद
: डॉ. शक्ति जैन
: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
: दुर्गा भागवत
: डॉ. नारायण चौधरी

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जंजौर, जिला-जौनपीर-बांसा

कृतपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा बैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. देवियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान सपादक, इस्पात टाइम्स रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

- श्री राजीव गुप्ता, धनुहरडेश रायगढ़ : सदस्य
: सदस्य

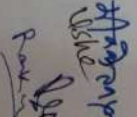
अनुमोदित

हस्ताक्षर











प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमोत्तर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की रचयिता हस्त लिखित प्रति विभागा द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय 1. रायगढ़ जिले का लोकसाहित्य

1. जिले के लोक-गीतों/लोक-कथाओं का संकलन
2. जिले की कहावतों एवं मुहावरों का संकलन
3. रायगढ़ जिले के किसी एक स्थानीय समाचार पत्र का तथ्यपरक विवेचन
4. हिंदी में प्रकाशित होने वाली साहित्यिक पत्रिकाएँ
5. रायगढ़ जिले के साहित्यिक/सांस्कृतिक आयोजनों का प्रतिवेदन
6. उद्घोषणा लेखन/महाविद्यालयीन-विभागीय कार्यक्रमों का शोधपरक प्रतिवेदन
7. पाठ्योत्तर आधुनिक कवि (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का प्रदेश
8. छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्यधारा के किसी एक कवि/काव्य-कृति (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का वैशिष्ट्य
9. आधुनिक नाटक/लोकनाट्य/संगम्य का सामाजिक प्रभाव
10. भारतीय काव्यशास्त्र के किसी एक सिद्धांत/आधुनिक हिंदी समीक्षक/हिंदी आलोचना की प्रवृत्ति से संबंधित समीक्षा
11. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्तुति से)

अंक विभाजन : कुल अंक - 50

शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 10)

मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 08)

अनुमोदित

हस्ताक्षर

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शासत्रिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत,

सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य

शासत्रमहाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जॉजनीर-बांधा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारो ताल साहू

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी

3. डॉ. वेदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी

4. श्री रामकुमार बजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी

शैक्षणिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनील जगतसामका,

प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स रायगढ़

भूगर्भ विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिंदी) सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता,

धनुहारदेश रायगढ़

: सदस्य-

: सदस्य-

: सदस्य-

प्रस्तावित सत्र २०१७-२०१८ एवं २०१८-२०१९

एम. ए. हिंदी-सेमेस्टर-तृतीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र-प्रथम

आधुनिक हिंदी काव्य-छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्य धारा Code 903

प्रस्तावना :

हिंदी की निम्नलिखित साहित्यिक परम्परा में भवितकाल के लोकजागरण के बाद नवोन्मेष का विकास छायावाद में ही दिखाई दिया। छायावाद परम्परा की समस्त विकास-प्रक्रिया को समेटते हुए नई-नई भावभूमि और नए-नए रूप विन्यास प्रस्तुत करने में भील का पथर सावित हुआ। उसने अपनी साहित्यिक यात्रा पग-पग न चलकर छलांग के द्वारा तय की। स्थूलता, इतिवृत्तात्मकता की जगह सूक्ष्मता, तथ्य की जगह विराट कल्पना, सामाजिक बोध की जगह व्यक्तित्व की स्वाधीनता, प्रकृति साहचर्य, मानव-प्रेम, वैयक्तिक प्रेम, उच्च नैतिक आदर्श, देश-भक्ति, राष्ट्रीय स्वाधीनता एवं सांस्कृतिक जागरण का नया स्वर छायावाद में मुखरित हुआ। छायावाद नूतन और मौलिक शक्ति का काव्य है। इसमें 'रच' की आभ्यंतरिक शक्ति अभिव्यक्त हुई है, जिसमें आत्मीयता, जीवन की लालसा, उच्चतर जीवन की आकांक्षा, त्याग, प्रेम का संदेश निहित है। इसीतरह दूसरी ओर राष्ट्रीय काव्यधारा में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता अवतरित हुई। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

इस प्रश्नपत्र में समग्र रचनाओं से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। कुल पाठ से विकल्प-युक्त लघुलेखी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वस्तुनिष्ठ / अतिव्युत्तरी प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य-विषय :

- | | |
|--------------------------------|--|
| 1. मैथिलीशरण गुप्त | : साकेत (नवम सर्ग) |
| 2. जयशंकर प्रसाद | : कामायनी (चिता, श्रद्धा एवं इडा सर्ग) |
| 3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' | : राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता |

दुत पठन : सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', हरिवंशराय वचन, मुकुटधर पाण्डेय।

अंक विभाजन :

- | | |
|---|--|
| 3 व्याख्यात्मक प्रश्न | -3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से) |
| 2 आलोचनात्मक प्रश्न | -2 × 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से) |
| 3 लघुलेखी प्रश्न / टिप्पणी लेखन-3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित दुत पाठ से) | |
| 5 वस्तुनिष्ठ / अतिव्युत्तरी प्रश्न-5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से) | |

—0—

कुल अंक 80

- अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -
- | | | | |
|-------------------------|---|--------------------------|---|
| 1. डॉ. डी. एस. ठाकुर | - | 2. डॉ. फूलदास महंत | - |
| 3. डॉ. विहारी लाल साहू | - | 4. डॉ. भानुकेतन प्रधान | - |
| 5. डॉ. उषा वैरागकर आदलत | - | 6. डॉ. वैद्यार सिंह साहू | - |
| 7. श्री रामकुमार तंजारे | - | 8. श्री नवनील जागतारामका | - |
| 9. श्री राजीव गुप्ता | - | | - |

M

संदर्भ ग्रंथ :

1. छायावाद : नामवर सिंह
2. कामायनी : एक पुनर्निर्धार : ग. मा. मुक्तिबोध
3. छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन : कुमार विमल
4. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य : प्रेमशंकर
5. कल्पना और छायावाद : केदारनाथ सिंह
6. निराला : रामविलास शर्मा
7. महादेवी : इन्द्रनाथ मदान
8. निराला और मुक्तिबोध : चार लम्बी कविताएँ : नंदकिशोर नवल
9. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
10. कामायनी का पुनर्नूल्यांकन : डॉ. रामरत्नरूप चतुर्वेदी
11. प्रसाद-निराला-अज्ञेय : डॉ. रामरत्नरूप चतुर्वेदी
12. जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी
13. कवि निराला : नंददुलारे वाजपेयी
14. कामायनी की टीका : विश्वम्भर 'मानव'
15. सुमित्रानंदन पंत की भाषा : उषा दीक्षित
16. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्नूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र
17. छायावादी काव्य : डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
18. निराला की काव्य-दृष्टि : डॉ. रामकृष्ण कौशिक
19. साकेत : समीक्षा : ऋचा मिश्रा
20. कामायनी-लोचन - खण्ड एक एवं दो : डॉ. उदयमानु सिंह
21. छायावाद और निराला : डॉ. दीपा दाह
22. छायावाद की सही परख-परिचयन : डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. त्रिपाठी, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. पल्लवदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राध्यापक, शास. महाविद्यालय, जौजेपुर, जिला जौजगीर-बाँपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू, सेवा निवृत्त प्राध्यापक, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा देवराजकर आदले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. वैदित्यार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसामक, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

पूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता, धनुशरदेरा रायगढ़

: सदस्य

अनुमोदित

हस्ताक्षर













प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-तृतीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र-हिंदीय : भारतीय काव्यशास्त्र code 910

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मुख्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा। लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन/ वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :
(क) संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य-लक्षण, काव्य हेतु काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार।
1. रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

2. अलंकार सिद्धांत: गूढ स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

3. शैति सिद्धांत : शैति की अवधारणा, काव्य-गुण, शैति एवं शैली, शैति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

4. वक्रोक्ति सिद्धांत: वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

5. ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत-व्यंग्य, चित्र-काव्य।

6. औचित्य सिद्धांत: प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

(ख) आधुनिक हिंदी समीक्षा :
(1) आधुनिक हिंदी के प्रमुख समीक्षक एवं उनकी समीक्षा शैलियाँ :
आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामनिवास शर्मा।

(2) हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :
शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोवैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

अंक विभाजन :

3 आलोचनात्मक प्रश्न 3 × 20 = 60 (खण्ड क से 02, खण्ड ख से 01)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी 3 × 05 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न 5 × 01 = 5 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

कुल अंक 80

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :-
1. डॉ. डी. एच. ठाकुर
3 डॉ. विश्वरी लाल साहू
5 डॉ. उषा बेरानकर आठल
7 श्री रामकृष्ण वर्मा
9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत
4 डॉ. भीमकेतन प्रधान
6 डॉ. वैदिकार सिंह साहू
8 श्री नवनीत जगतारामका

HL

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पश्चात्य काव्यशास्त्र : मूलजी भाई वी. पटेल
2. भारतीय काव्यसिद्धांत : डॉ. राजकिशोर सिंह
3. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ. नगेन्द्र
4. ध्वनि सिद्धांत और व्यंजना-गुणित-विवेचन : डॉ. गयाप्रसाद
5. रस सिद्धांत का पुनर्विवेचन : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
6. रस सिद्धांत : डॉ. नगेन्द्र
7. भारतीय काव्यशास्त्र : सिद्धांत और समग्र्याएँ : डॉ. सुधांशु कुमार शुक्ल
8. वरतुनिष्ठ काव्यशास्त्र : बालेन्दु शंखर तिवारी
9. भारतीय एवं पश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : रामचंद्र तिवारी
10. हिंदी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल
11. व्यावहारिक समीक्षा : पूर्णमासी राय
12. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत : योगेन्द्र प्रताप सिंह
13. हिंदी साहित्यशास्त्र : नंदकिशोर नवल
14. गार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना : पाण्डेय शशिभूषण शीलांशु
15. इतिहास और आलोचना के वस्तुवादी सरोकार : निर्मला जैन
16. हिंदी आलोचना की दीर्घा सदी : निर्मला जैन
17. हिंदी आलोचना के आधाररत्नम : रामेश्वर खंडेलवाल, सुरेशचंद्र गुप्त
18. स्वतंत्र्योत्तर हिंदी समीक्षा सिद्धांत : डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र
19. हिंदी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल : डॉ. शिवकुमार मिश्र
20. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
21. भारतीय काव्य विमर्श : रामभूति त्रिपाठी
22. साँवरीशास्त्रीय समीक्षा : एस.टी.नरसिंहाचिकारी
23. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. उमेश कुमार सिंह

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास.वि.लासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. पूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य शास.महाविद्यालय, जौजेपुर, जिला-जौजनीर-बांण

कुलपति द्वारा नामांकित :
1. डॉ. विश्वरी लाल साहू, सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमाल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :
1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वटिथार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार दजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :
1. श्री नवनील जगतरायनका, प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी) सत्र 2014-15) :
श्री राजीव गुला, धनुहारडस रायगढ़

: सदस्य

AS

AS

अनुमोदित
इस्पात

AS

AS

: सदस्य

प्रस्तावित सत्र २०१७-२०१८ एवं २०१८-२०१९
 एम. ए. हिंदी :सेमेस्टर-तृतीय
 अनिवार्य प्रश्नपत्र-तृतीय
 पत्रकारिता प्रशिक्षण Code ९११

प्रस्तावना :

पत्रकारिता आज जनजीवन की धड़कन बन गई है, सिमटते विश्व में स्नायु-तंतुओं की तरह काम कर रही है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित रूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। अतः पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक विवेचन रोजगारपरकता की दिशा में एक कदम है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न/लघुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य-विषय :

1. पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय।
3. हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
4. समाचार-पत्रकारिता के मूल तत्व : समाचार-संकलन एवं लेखन के मूल आयाम।
5. समाचार-पत्रकारिता के सामान्य सिद्धांत : शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विचार, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति-शक्ति।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना।
7. दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न स्रोत।
9. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य-पद्धति।
10. सम्पादकीय लेखन, साक्षात्कार, पत्रकार-वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।
11. प्रेस संवैधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
12. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

—0—

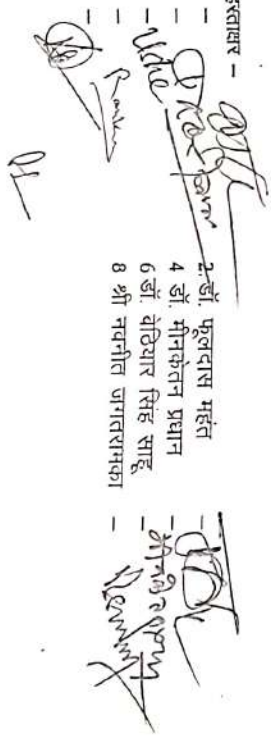
अंक विभाजन :

कुल अंक ८०

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3 x 20 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
3 लघुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	3 x 05 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न	5 x 01 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

- | | | |
|-------------------------|---|--------------------------|
| 1. डॉ. डी. एस. ठाकुर | - | 2. डॉ. फूलदास महंत |
| 3. डॉ. विशारी लाल साहू | - | 4. डॉ. भोजकेतन प्रधान |
| 5. डॉ. उपा वैरागकर आठले | - | 6. डॉ. वेठियार सिंह साहू |
| 7. श्री रामकुमार वंजारे | - | 8. श्री नवनील जगतारामका |
| 9. श्री राजीव गुप्ता | - | |



संदर्भ ग्रंथ :

सं. १०१४-२०१९

1. पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क
 2. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार
 3. पत्रकारिता एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास
 4. हिंदी पत्रकारिता
 5. पत्रकारिता : विविध विधाएँ
 6. आधुनिक समाचार पत्र प्रबंधन
 7. हिंदी पत्रकारिता का दृष्टि इतिहास
 8. पत्रकारिता : मिशन से मीडिया तक
 9. प्रेस विधि
 10. समाचार और संचालन
 11. पत्रकारिता की चुनौतियाँ
 12. हिंदी पत्रकारिता : कल, आज और कल
 13. समाचार सम्पादन
 14. संचालन और प्रेस कॉन्फ्रेंस
 15. समाचार पत्र प्रबंधन
 16. हिंदी पत्रकारिता : रचलप और संदर्भ
 17. पत्रकारिता के नये परिशेष्य
 18. कॉपीराइट
 19. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र
 20. पत्रकारिता के नए आयाम
- अध्ययन-मॉडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
- विषय विशेषज्ञ :
1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
 2. डॉ. कूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रमोशी प्राचार्य शास. महाविद्यालय, जौजपुर, जिला-जाँजगीर-बापा कुलपति द्वारा नामांकित :
 1. डॉ. विहारी लाल साहू, सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोशीमल कालोनी, रायगढ़

: टी.डी.एस.आलोक
: डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
: डॉ. अर्जुन तिवारी
: कृष्णविहारी मिश्र
: डॉ. राजकुमारी रानी
: अनिल किशोर पुरोहित
: डॉ. अर्जुन तिवारी
: अखिलेश मिश्र
: डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
: काशीनाथ गोविंद जोगलेकर
: गणेश मंत्री
: सुरेश गौतम
: कमल दीक्षित, महेश दर्पण
: प्रो. नंदकिशोर त्रिखा
: डॉ. गुलाब कोठारी
: विनोद गोदरे
: राजकिशोर
: कमलेश जैन
: रवीन्द्र शुक्ला
: एस.के.दुबे

अनुमोदित
हस्ताक्षर









: सदस्य
: सदस्य
: सदस्य
: सदस्य
: सदस्य
: सदस्य



विभागीय सदस्य :
1. डॉ. मीनकेवन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार वंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
औद्योगिक/निगम क्षेत्र :
1. श्री नवनीत जगतसमक,
प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़
भूतपुर विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी) सत्र 2014-15) :
श्री राजीव गुला, धनुहारडेश रायगढ़

12

प्रस्तावना :

हिंदी जगत की दोलियों या शिशाषाओं में अमूल्य लोकसाहित्य-संपदा विद्यमान है। इसके संकलन, संपादन, सर्वेक्षण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संस्कृति को संरक्षित किया जा सकता है और हिंदी का जनाधार बढ़ाया जा सकता है। अस्तु इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्विवाद है।

इस प्रश्नपत्र में समाप्त पाठ्य-विषय से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न/लघुत्तरी प्रश्न/दिष्णी लेखन/वरुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. लोक की अवधारणा :
लोक शब्द की व्युत्पत्ति।
2. लोक साहित्य का स्वरूप :
परिभाषा एवं विशेषताएँ, लोकसाहित्य एवं शिष्ट साहित्य में साम्य-भेद।
3. लोक संस्कृति की अवधारणा :
लोकवादा और लोकसंस्कृति, लोकसंस्कृति और साहित्य।
4. लोक साहित्य के परिधिः
सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषाशास्त्रीय
5. लोक साहित्य के विविध रूप :
लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नृत्य, लोक-संगीत, लोक-सुभाषित, मुहावरे, काहावते, पहेलियाँ।
6. लोक साहित्य का भाव एवं शिल्प सौन्दर्यः
विषय, भाव-व्यंजना, रस-परिष्कार, भाषा, अलंकार-योजना, छंद-विधान, प्रतीकारत्नकता।
7. लोक साहित्य की उपयोगिता, महत्त्व एवं चुनौतियाँ।

—0—

अंक विभाजन :

युक्त अंक 80

- | | |
|-------------------------------|--|
| 2 आलोचनात्मक प्रश्न | 3 × 20 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से) |
| 3 लघुत्तरी प्रश्न/दिष्णी | 3 × 05 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से) |
| 5 वरुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न | 5 × 01 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से) |

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

- | | | | |
|-------------------------|---|--------------------------|---|
| 1. डॉ. डी. एस. टावुल | - | 2. डॉ. फूलदास महंत | - |
| 3. डॉ. विहारी लाल साहू | - | 4. डॉ. मीनकान्त प्रधान | - |
| 5. डॉ. उषा बैरागकर आठले | - | 6. डॉ. धैरियार सिंह साहू | - |
| 7. श्री रामकुमार वंजोर | - | 8. श्री नवनील जगतारामका | - |
| 9. श्री राजीव गुप्ता | - | | - |

HL

संदर्भ ग्रंथ :

1. लोकसाहित्य की भूमिका : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
2. खड़ी बोली का लोकसाहित्य : डॉ. सत्या गुप्त
3. लोक : परंपरा, पहचान एवं प्रवाह : डॉ. श्यामसुंदर दुबे
4. भारत में लोकसाहित्य : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
5. लोकसाहित्य समग्र : डॉ. रामनारायण उपाध्याय
6. लोकसाहित्य और संस्कृति : डॉ. दिनेश्वर प्रसाद
7. मानव और संस्कृति : डॉ. श्यामाचरण दुबे
8. लोकसाहित्य : अर्थ और व्यापि : डॉ. सुरेश गौतम
9. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति : डॉ. उषा सक्सेना
10. लोकसाहित्य शास्त्र : डॉ. बापूराव देसाई
11. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति : डॉ. रामनिवास शर्मा
12. लोकसाहित्य : डॉ. जयश्री गणित
13. लोकसाहित्य : विविध आयाम : डॉ. अनसुइया अग्रवाल
14. हिंदी लोकसाहित्यशास्त्र : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
15. लोकसंस्कृति की रूपरेखा : शरीफ मोहम्मद
16. मध्यप्रदेश का लोकसंगीत : शरीफ मोहम्मद
17. भारत के लोकनृत्य : शरीफ मोहम्मद
18. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम : डॉ. शांति जैन
19. हिंदी प्रदेश के लोकगीत : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
20. भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा : दुर्गा भागवत
21. लोकसाहित्य के स्वरूप का सैद्धांतिक विवेचन : डॉ. नारायण चौधरी

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य शास. महाविद्यालय, जीकेपुर, जिला-जौनपीर-बांसा कुलपति द्वारा नामांकित :

कुलपति द्वारा नामांकित :
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

- विभागीय सदस्य :
1. डॉ. भीमकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
 2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
 3. डॉ. वेदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
 4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

- औद्योगिक/निगम क्षेत्र :
1. श्री नवनीत जगतसमका, प्रधान संपादक, इरपात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य
- भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडगा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित

हस्ताक्षर

11

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी : सेक्टर-तृतीय

परियोजना कार्य Code 919

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमों के किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। विद्यार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, लेखन-कार्य, संशोधन, संश्लेषण आदि प्रविधियों पर कोशिश आलेख को स्वच्छ हस्त लिखित प्रति विषय द्वारा निर्धारित विधि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

- निर्धारित विषय 1. रायगढ़ जिले का लोकसाहित्य
1. जिले के लोक-गीतों/लोक-कथाओं का संकलन
 2. जिले की कहावतों एवं मुहावरों का संकलन
 3. रायगढ़ जिले के किसी एक स्थानीय समाचार पत्र का तथ्यपरक विवेचन
 4. हिंदी में प्रकाशित होने वाली साहित्यिक पत्रिकाएँ
 5. रायगढ़ जिले के साहित्यिक/सांस्कृतिक आयोजनों का प्रतिवेदन
 6. उदघोषणा लेखन/महाविद्यालयीन-दिनांगीय कार्यक्रमों का शोधपरक प्रतिवेदन
 7. पाठ्यपत्र आधुनिक कवि (हिंदी/उत्तीसगढ़ी) का प्रदेश
 8. छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्यधारा के किसी एक कवि/काव्य-कृति (हिंदी/उत्तीसगढ़ी) का देशैश्वर्य
 9. आधुनिक नाटक/लोकनाट्य/संगम का सामाजिक प्रभाव
 10. भारतीय काव्यशास्त्र के किसी एक सिद्धांत/आधुनिक हिंदी समीक्षक/हिंदी आलोचना की प्रयुक्ति से संबंधित समीक्षा
 11. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्युति से)

अंक विभाजन : कुल अंक - 50

शोध आलेख: 30 अंक (सूचना उत्तीर्ण अंक - 10)

मौखिकी : 20 अंक (सूचना उत्तीर्ण अंक - 08)

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के इस्तेमाल के लिए विशेषज्ञ :

1. डॉ. एम. वावुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शासनाभ्यास कक्षा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. पूनदास महंत,

सहा. प्राध्यापक/प्रभाषी प्राचार्य

शासनाभ्यास महाविद्यालय, बीजपुर, जिला-जंजगीर-बांगण

युवक प्रति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिकारी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किराडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. गीतकेशन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष - श्री गीतकेशन प्रधान
2. डॉ. उषा वैश्याकर आदले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य - श्री उषा वैश्याकर
3. डॉ. वैश्याकर सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य - श्री वैश्याकर सिंह साहू
4. श्री रामचंद्रगार यंगर-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य - श्री रामचंद्रगार यंगर

औद्योगिक/विभाग क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसमक,

प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिंदी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता,

धनुसखंड रायगढ़

: सदस्य -

अनुमोदित

इस्तेमाल

के लिए

के लिए

के लिए

के लिए

के लिए

11

प्रस्तावना :

हिंदी की विशाल साहित्यिक परम्परा में भक्तिकाल के लोकजागरण के बाद नवोन्मेष का विकास छायावाद में ही दिखाई दिया। छायावाद परम्परा की समस्त विकास-प्रक्रिया को समेटते हुए नई-नई भावभूमि और नए-नए रूप विन्यास प्रस्तुत करने में भील का परेशर साक्षित हुआ। उसने अपनी साहित्यिक यात्रा पर-पर न चलकर छलांग के द्वारा तय की। स्थूलता, इतिवृत्तात्मकता की जगह सूक्ष्मता, तथ्य की जगह विशद कल्पना, सामाजिक बोध की जगह व्यक्तित्व की स्वाधीनता, प्रकृति साहचर्य, मानव-प्रेम, वैयक्तिक प्रेम, उच्च नैतिक आदर्श, देश-भक्ति, राष्ट्रीय स्वाधीनता एवं सांस्कृतिक जागरण का नया स्वर छायावाद में मुखरित हुआ। छायावाद नूतन और मौलिक भावित का काव्य है। इसमें 'रू' की आभ्यंतरिक भावित अभिव्यक्ति हुई है, जिसमें आत्मीयता, जीवन की लालसा, उच्चतर जीवन की आकांक्षा, त्याग, प्रेम का संदेश निहित है। इसीतरह दूसरी ओर राष्ट्रीय काव्यधारा में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता अवतरित हुई। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

इस प्रश्न पत्र में समदूत काव्य कृतियों से 03 व्याख्यात्मक, 03 आलोचनात्मक प्रश्न एवं दूत पाठ से लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प होगा। संपूर्ण पाठ्य-विषय से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य-विषय :

- | | |
|--------------------------------|--|
| 1. मैथिलीशरण गुप्त | : साकेत (नवम सर्ग) |
| 2. जयशंकर प्रसाद | : कामायनी (चिंता, श्रद्धा ईडा सर्ग) |
| 3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' | : राम की शक्तिपूजा, सराज स्मृति, कुकुरमुत्ता |

दूत पाठन : सुनिश्चानंदन पंत, महादेवी वर्मा, अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध, हरिवंशराय बच्चन, मुकुटधर पाण्डेय।

—0—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- | | |
|--|--|
| 03 व्याख्या | - 3 × 10 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से) |
| 02 आलोचनात्मक प्रश्न | - 2 × 15 = 30 (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से) |
| 03 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी | - 3 × 05 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित दूत पाठ से) |
| 05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न-5 × 01 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से) | |

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
7. डॉ. वेदियार सिंह साहू
9. श्री राजीव गुप्ता

(Handwritten signature)

2. डॉ. वित्तरंजन कर
4. डॉ. भीमकेतन प्रधान
6. सुश्री लक्ष्मणेश्वरी कुरे
8. श्री नवनीत जगतसामका

(Handwritten signature)

(Handwritten signature)

संकेत प्रश्न :

1. छायावाद
2. काव्यमयी : एक पुनर्निवार
3. छायावाद का सर्वाधिकारकारी अग्रगण्य
4. द्वितीय स्याह्यदत्तवादी काव्य
5. कल्याण और छायावाद
6. निराला
7. मंगलदेवी
8. निराला और मुक्तिबोध : धार कर्मकी कोविदार

9. प्रवाल का काव्य
10. काव्यमयी का पुनर्न्यायकन
11. प्रवाल-निराला-अक्षय
12. जगदीश्वर प्रवाल
13. कवि निराला
14. काव्यमयी की टीका
15. सुनिवारदत्त धर की भाषा
16. श्रीलोकेश्वर युवा : पुनर्न्यायकन
17. छायावादी काव्य
18. निराला की काव्य-दृष्टि
19. साकेत : स्वीकार
20. काव्यमयी-स्वीकार - छाया एक एव दो
21. छायावाद और निराला
22. छायावाद की सही परख-परिमाण

अभ्यास-मूडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. शालेश दूहे.

अनुमोदित
हस्ताक्षर

2. डॉ. निरालाकर

पूर्व विभागाध्यक्ष तथा शिक्षण

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विद्या कुमार पाठक.

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अष्टाक्ष-छात्रसंगीत संजयभा अरामेण
छात्रशासन, नयापुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. दीपकान्त प्रवाल-अध्यक्षक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र बारी-सहायक अध्यक्षक हिन्दी : सदस्य
3. यू.डी. लक्ष्मणनदी कुंठे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. वैदिकार सिंह साहू-अतिथि व्याख्यान हिन्दी : सदस्य

आवैशिक/विभागीय क्षेत्र :

1. श्री नवनील जगन्नाथरायणक.

प्रवाल संपादक रूपाना दत्तवारा, नयापुर

पुस्तक विभागीय (स्वायत्तकार हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री शालेश गुप्ता, छात्रसंगीत संजयभा

W

सदस्य
D.V.V. - A
21/8/18

D.V.V. - A

D.V.V. - A

D.V.V. - A
21/8/18

प्रस्तावित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021

एम. ए. हिन्दी : सेमेस्टर-तृतीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र-द्वितीय : भारतीय काव्यशास्त्र Code 910

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक संमंज विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02 खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न तथा, समस्त पाठ्य-विषय से लघुलघु/टिप्पणी लेखन, वस्तुनिष्ठ/अतिलघुलघु प्रश्न किए जाएंगे। जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क) संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य-लक्षण, काव्य हेतु काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

1. रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

2. अलंकार सिद्धांत: मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

3. शैति सिद्धांत : शैति की अवधारणा, काव्य-गुण, शैति एवं शैली, शैति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

4. वक्रोक्ति सिद्धांत: वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यजनावाद

5. ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत-व्यंग्य, चित्र-काव्य।

6. औचित्य सिद्धांत: प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

(ख) (1) आधुनिक हिन्दी के प्रमुख समीक्षक एवं उनकी समीक्षा शैलियाँ :
आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे बाजपेयी, आचार्य हजारिप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नरेन्द्र, डॉ. समविलास शर्मा।

(2) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :

शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, नूतनात्मक, मनोविरलेक्षणवादी,
सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

—0—

कुल अंक 80

अंक विभाजन :
3 आलोचनात्मक प्रश्न —3 × 20 = 60 (खण्ड क से 02, खण्ड ख से 01)

3 लघुलघु प्रश्न/टिप्पणी —3 × 05 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुलघु प्रश्न —5 × 01 = 5 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे

3. डॉ. विनय कुमार पाठक

5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधरी

7. डॉ. बंदि्यार सिंह साहू

9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. वितरंजन कर

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

6. सुश्री लक्ष्मणेशी कुरु

8. श्री नवनीत जगतसमका

1. भारतीय एवं पश्चिम काव्यशास्त्र
2. भारतीय कालसिद्धांत
3. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा
4. ध्वनि सिद्धांत और व्यंजन-वृत्ति-विभेचन
5. रस सिद्धांत का पुनर्विचिन
6. रस सिद्धांत
7. भारतीय काव्यशास्त्र : सिद्धांत और समस्यारं
8. वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र
9. भारतीय एवं पश्चिम काव्यशास्त्र की रूपांखा
10. हिंदी आलोचना का विकास
11. व्यावहारिक समीक्षा
12. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत
13. हिंदी साहित्यशास्त्र
14. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना
15. इतिहास और आलोचना के वस्तुवादी संश्लेष
16. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी
17. हिंदी आलोचना के आधारस्तम्भ
18. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी समीक्षा सिद्धांत
19. हिंदी आलोचना की परम्परा और आवरण

- मूलजी भाई वी. पटेल
 डॉ. राजकिशोर सिंह
 डॉ. नगेन्द्र
 डॉ. गयाप्रसाद
 डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
 डॉ. नगेन्द्र
 डॉ. सुधांशु कुमार शुक्ल
 बालेन्दु शंकर तिवारी
 रामचंद्र तिवारी
 नंदकिशोर नवल
 पूर्णमासी राय
 योगेन्द्र प्रताप सिंह
 नंदकिशोर नवल
 पाण्डेय शशिभूषण शीताशु
 निर्मला जैन
 निर्मला जैन
 रामेश्वर खडेलवाल, सुरेशचंद्र गुप्त
 डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र
 डॉ. शिवकुमार मिश्र
 डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
 राममूर्ति त्रिपाठी
 एस.टी.नरसिंहचिकरी
 डॉ. उमेश कुमार सिंह

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,

प्राचार्य

शास.नवीन महाविद्यालय खरोच, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. चित्तरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

कूलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अर्थशास्त्र-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
 छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मणी कुर्से-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बंजियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगताराधका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडैरा रायगढ़

अनुमोदित
 हस्ताक्षर

(Handwritten signatures and dates)
 21/8/18

प्रस्तावना :

पत्रकारिता आज जनजीवन की धड़कन बन गई है, क्षिप्तते विश्व में स्नायु-तंतुओं की तरह काम कर रही है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित रूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। अतः पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक विवेचन रोजगारपरकता की दृष्टि से एक कदम है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघुत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य-विषय से 05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य-विषय :

1. पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय।
3. हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
4. समाचार-पत्रकारिता के मूल तत्व : समाचार-संकलन एवं लेखन के मूल आद्यम।
5. समाचार-कला के सामान्य सिद्धांत : शीर्षकीकरण, पूछ-चिन्हा, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना।
7. दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न स्तंभ।
9. संवाददाता की अहंता, श्रेणी एवं कार्य-पद्धति।
10. समावर्तीय लेखन, साक्षात्कार, पत्रकार-वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।
11. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आधार संहिता।
12. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 3 आलोचनात्मक प्रश्न -3 × 20 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
- 3 लघुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी -3 × 05 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
- 5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न -5 × 01 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधरी
7. डॉ. वेदियार सिंह साहू
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. चित्तरंजन कर
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
6. सुश्री लक्ष्मण देवी कुंठ
8. श्री नवनीत जगतारामका

1. पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क
2. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार
3. पत्रकारिता एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास
4. हिंदी पत्रकारिता
5. पत्रकारिता : विविध विधायें
6. आधुनिक समाचार पत्र प्रबंधन
7. हिंदी पत्रकारिता का वृहद इतिहास
8. पत्रकारिता : मिशन से भीड़िया तक
9. प्रेस विधि
10. समाचार और संचारदाता
11. पत्रकारिता की चुनौतियाँ
12. हिंदी पत्रकारिता : कल, आज और कल
13. समाचार सम्पादन
14. मॉडर्न और प्रेस कन्फेन्स
15. समाचार पत्र प्रबंधन
16. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ
17. पत्रकारिता के नये परिदृश्य
18. कॉपीराइट
19. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र
20. पत्रकारिता के नए आयाम

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

- टी.डी.एस.आलोक : टी.डी.एस.आलोक
 डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक' : डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
 डॉ. अर्जुन तिवारी : डॉ. अर्जुन तिवारी
 कृष्णविहारी मिश्र : कृष्णविहारी मिश्र
 डॉ. राजकुमारी रानी : डॉ. राजकुमारी रानी
 अनिल किशोर पुरोहित : अनिल किशोर पुरोहित
 डॉ. अर्जुन तिवारी : डॉ. अर्जुन तिवारी
 अश्विनेश मिश्र : अश्विनेश मिश्र
 डॉ. नंदकिशोर त्रिखा : डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
 काशीनाथ गौर्विंद जोगलेकर : काशीनाथ गौर्विंद जोगलेकर
 गणेश मंत्री : गणेश मंत्री
 सुरेश गौतम : सुरेश गौतम
 कमल दीक्षित, महेश दर्पण : कमल दीक्षित, महेश दर्पण
 प्रो. नंदकिशोर त्रिखा : प्रो. नंदकिशोर त्रिखा
 डॉ. गुलाब कोठारी : डॉ. गुलाब कोठारी
 विनाद गोदरे : विनाद गोदरे
 राजकिशोर : राजकिशोर
 कमलेश जैन : कमलेश जैन
 रवीन्द्र शुक्ला : रवीन्द्र शुक्ला
 एस.क.दुबे : एस.क.दुबे

अनुमोदि
 हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे,

प्राचार्य

शासनवीन महाविद्यालय खरोडा, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. चित्तरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनाय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मणेश कुरू-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. वेदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :
 1. श्री नवनीत जगतसामका,
 प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :
 श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

Handwritten signatures and marks at the bottom of the page, including a large signature that appears to be 'Rajesh Dubey' and other smaller marks.

प्रकाशित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021
 एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर-द्वितीय
 अधिवाह प्रश्नपत्र-संगुण
 लोकसाहित्य Code 912

प्रश्नावली :
 हिंदी जगत की महिलाओं या विभागाओं में आधुनिक लोकसाहित्य-संपन्न विद्यमान है। इसके संकलन, संपादन, संशोधन, प्रकाशन द्वारा ही अपनी पूरा राष्ट्रीय संस्कृति को संरक्षित किया जा सकता है और हिंदी का जनजात बलाका का संकलन है। अतः इसके अध्ययन की उपयोगिता निश्चित है।
 इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 वाक्यशैली/दिग्दर्शी लेखन के प्रश्नों में आलोचक विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य-विषय से 05 वाक्यशैली/अद्वितीयपूर्वक प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. लोक की अवधारणा :
2. लोकसाहित्य का स्वरूप :
3. लोकसाहित्य एवं विशिष्ट साहित्य में सम्य-भेद ।
4. लोकसाहित्य की अवधारणा :
5. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति, लोकसंस्कृति और साहित्य ।
6. लोकसाहित्य के परिधिः
7. लोकसाहित्य का सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषा सांस्कृतिक दृष्टि से महत्व
8. लोकसाहित्य के विविध रूप :
9. लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-मूल्य, लोक-संगीत, लोक-सुभाषित, मुहावरें, कठालमें, पहेलियाँ।
10. लोकसाहित्य का भाव एवं शिक्षा संदर्भ :
11. विषय, भाव-व्यंजन, रूप-परिष्कार, भाषा, जन्तु-संज्ञान, प्रद-विषय, प्रतीकात्मकता।
12. लोक साहित्य की उपयोगिता , महत्व एवं सुगमिता।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 3 आलोचनात्मक प्रश्न $-3 \times 20 = 60$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
 - 3 वाक्यशैली प्रश्न/दिग्दर्शी $-3 \times 05 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
 - 5 वाक्यशैली/अद्वितीयपूर्वक प्रश्न $-5 \times 01 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
- अध्ययन सपटल के सदस्यों के हस्ताक्षर -
1. डॉ. राजेश दुबे
 2. डॉ. विनाय कुमार पाठक
 3. डॉ. (शैली)रवीशंकर चौधरी
 4. डॉ. वैदिकान्त सिंह साहू
 5. श्री. सतीश मुखर्जी
2. डॉ. सितरंजन कर्
3. डॉ. भीमकान्त प्रधान
 4. डॉ. सुधी कान्हेरवारी कुं
 5. श्री. रघुवीर नारायणन



21/11/20
 21/11/20

संदर्भ ग्रंथ :

1. लोकसाहित्य की भूमिका
2. खड़ी बोली का लोकसाहित्य
3. लोक : परंपरा, पहचान एवं प्रवाह
4. भारत में लोकसाहित्य
5. लोकसाहित्य समग्र
6. लोकसाहित्य और संस्कृति
7. मानव और संस्कृति
8. लोकसाहित्य : अर्थ और व्यक्ति
9. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति
10. लोकसाहित्य शास्त्र
11. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति
12. लोकसाहित्य
13. लोकसाहित्य : विविध आयाम
14. हिंदी लोकसाहित्यशास्त्र
15. लोकसंस्कृति की रूपरेखा
16. मध्यप्रदेश का लोकसंगीत
17. भारत के लोकनृत्य
18. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम
19. हिंदी प्रदेश के लोकगीत
20. भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा
21. लोकसाहित्य के स्वरूप का सैद्धांतिक विवेचन

: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
: डॉ. सत्या गुप्ता
: डॉ. श्यामसुंदर दुबे
: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
: डॉ. रामनारायण उपाध्याय
: डॉ. दिनेश्वर प्रसाद
: डॉ. श्यामाचरण दुबे
: डॉ. सुरेश गौतम
: डॉ. उषा सक्सेना
: डॉ. बापूराव देसाई
: डॉ. रामनिवास शर्मा
: डॉ. शशिकांत सोनवणे
: डॉ. जयश्री गणित
: डॉ. अनसुइया अग्रवाल
: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
: शशोक मोहम्मद
: शशीक मोहम्मद
: डॉ. शक्ति जैन
: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
: दुर्गा भगवत
: डॉ. नारायण चौधरी

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य

2. डॉ. चित्तरंजन कर,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
प. एच.एस.के. युवक वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधरी-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कूर्-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :
1. श्री नवनीत जगतसमका,
प्रधान संपादक इस्पात टाहसल, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित

हस्ताक्षर

श्रीमती
श्रीमती

श्रीमती
श्रीमती

श्रीमती
श्रीमती

सदस्य

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमोत्तर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। विद्यार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केंद्रित आलेख की रचना करना आवश्यक है।
विद्यार्थी द्वारा निर्धारित विधि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

- निर्धारित विषय
1. रायगढ़ जिले का लोकसाहित्य
 2. जिले के लोक-गीतों/लोक-कथाओं का संकलन
 3. जिले की कहावतों एवं मुहावरों का संकलन
 4. रायगढ़ जिले के किसी एक स्थानीय समाचार पत्र का तथ्यपरक विवेचन
 5. हिंदी में प्रकाशित होने वाली साहित्यिक पत्रिकाएँ
 6. रायगढ़ जिले के साहित्यिक/सांस्कृतिक आयोजनों का प्रतिवेदन
 7. उत्सोर्षणा लेखन
 8. पाठ्योत्तर आधुनिक कवि (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का प्रदेश
 9. छायाचार एवं राष्ट्रीय काव्यधारा के किसी एक कवि/काव्य-कृति (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का कौशिक
 10. आधुनिक नाटक/लोकनाट्य/रंगमंच का सामाजिक प्रभाव
 11. पाठ्योत्तर आधुनिक हिंदी समीक्षक/हिंदी आलोचना की प्रवृत्ति से संबंधित समीक्षा
 12. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्तुति से)

अंक विभाजन : कुल अंक : 50, शोध आलेख : 30 अंक, मौखिकी : 20 अंक
अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य
शासनवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चित्तरंजन कर्,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
य. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मणेश्वरी कुर्रे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. वेदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

गतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़

अनुमोदित

हस्ताक्षर

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

कि.शास.कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य

एम. ए. चतुर्थ-सेमेस्टर

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक विभाजन				योग
			सेमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन			
1.	प्रथम	छायावादोत्तर काव्य	अधिकतम 80	न्यूनतम 29	अधिकतम 20	न्यूनतम 07	100
2.	द्वितीय	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	80	29	20	07	100
3.	तृतीय	प्रयोजनमूलक हिंदी	80	29	20	07	100
4.	चतुर्थ	छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य अथवा लघु शोध प्रबंध	80	29	20	07	100
5.		परियोजना कार्य			50	18	50
					कुल		450

बैठक दिनांक : 30.11.2016

दीपक
विभागाध्यक्ष - हिन्दी

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं संदर्भ ग्रंथ सूची संलग्न

नोट : परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में सेमेस्टर परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में अलग-अलग 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

- डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
- डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

- डॉ. बिहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

- डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
- डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
- डॉ. वेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
- श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

- श्री नवनीत जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

- श्री राजीव गुप्ता,
धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

Prakash

Usha
Ram Kumar

Rajiv

R

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-19

एम. ए. हिंदी-सेमेस्टर-चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र-प्रथम : छायावादोत्तर काव्य Code - 913

प्रस्तावना :

छायावादी कृति में यथार्थ और स्वप्न दोनों की समान संस्थिति थी। राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समस्त शक्ति-सामर्थ्य तथा कतिपय नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जोर पकड़ते गए, जिसके बीज-बिंदु छायावाद में पड़ चुके थे। औद्योगिकरण के साथ-साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्रोहियों ने प्रगतिशील साहित्यिक आंदोलन को बढ़ावा दिया। नए मार्ग की अन्वेषी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्यधारा के रूप में अपने को विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद मोहनग की स्थिति ने जन्म लिया। स्वप्न अंधरे रहे, संकल्प टूटे। आक्रोश और विद्रोह की प्रवृत्तियाँ एक पर परिलक्षित हुईं। विज्ञान ने बौद्धिकता का विकास किया। फलस्वरूप नए-नए बिम्ब, प्रतीक एवं अभिव्यंजना-रूप विकसित हुए। अंतर्विशेषी स्थितियों ने मूल्य-विघटन, तनाव-संक्रमण, मोहनग की स्थिति पैदा की, जिसकी अभिव्यंजना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता विभ्रजनीन हो गई। इस वैश्विक संदर्भ की जानकारी और समझदारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत रचनाओं से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प-युक्त लघूत्तरी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य विषय :

1. सखिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' : नदी के द्वीप, असाध्य बीणा, वावरा अहंरी, सौंप।
: बादल को धिरते देखा है, यह तुम थी, यह तो था बीमार, नईपौष, कालिदास, मैं तुम्हें अपना युष्मन् दूँगा, येने दाँतों वाली, तो फिर क्या हुआ शशासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद।
2. नागार्जुन : अंधरे में।
3. गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधरे में।

द्रुत पठन :

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', रघुवीर सहाय, धूमिल, दुष्यंत कुमार, अरूणकमल

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 03-व्याख्यात्मक प्रश्न 3 × 10 = 30 (समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
02-आलोचनात्मक प्रश्न 2 × 15 = 30 (समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03-लघूत्तरी प्रश्न / टिप्पणी लेखन 3 × 05 = 15 (द्रुत पाठ से)
05-वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न 5 × 01 = 05 (समादृत पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. सी. एस. ठाकुर
2. डॉ. फूलदास महंत
3. डॉ. विहारी लाल साहू
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले
6. डॉ. बेदियार सिंह साहू
7. श्री रामकुमार बंजारे
8. श्री नवनीत जगतसमका
9. श्री राजीव गुप्ता

21

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारस्वात और प्रागैशिल साहित्य
2. आधुनिक हिंदी कविता में दुःखता
3. आधुनिक हिंदी कविता और विचार
4. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
5. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन
6. असाध्य बीजा और अज्ञेय
7. बाबा नागार्जुन
8. कविता के नए प्रतिमान
9. छायावादोत्तर काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
10. प्रागैवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना
11. अज्ञेय : प्रकृति काव्य : काव्य में प्रकृति
12. दुष्यंत कुमार की गजलों का समीक्षात्मक अध्ययन
13. कवि कहानीकार अज्ञेय और मुक्तिवाच : संवेदना और दृष्टि
14. नागार्जुन की कविता
15. अंतराल का पूरा विस्तार : अंधरे में
16. नई कविता : निराला, अज्ञेय और मुक्तिवाच
17. रघुवीर सहाय का कविकर्म
18. समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिवाच के संदर्भ में
19. धूमिल और उसका काव्य-संघर्ष
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद
21. अज्ञेय-काव्य में प्रागैव्य और मिथक
22. धूमकेतु धूमिल और साजोतरी कविता
23. निराला और मुक्तिवाच
24. रघुवीर सहाय और श्रीकान्त वर्मा की कविता
25. गजलकार दुष्यंतकुमार
26. नागार्जुन के काव्य में जनवादी चेतना

: रामविलास शर्मा

: डॉ. एस. वसन्ता

: डॉ. राजेन्द्रमहान भटनगर

: गजानन माधव मुक्तिवाच

: चंद्रकान्त वादिवडकर

: रामेश्वर शहा

: नरेन्द्र कोहली

: नामवर सिंह

: डॉ. कमलाप्रसाद

: डॉ. विद्या प्रधान

: संजय कुमार

: डॉ. सरदार मुजावर

: डॉ. भरत सिंह

: अजय तिवारी

: संपादक - निर्मला जैन

: विद्या सिन्हा

: सुरेश शर्मा

: शशि शर्मा

: डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र

: डॉ. भार्गव मेघा

: डॉ. सी.एम. राजन

: श्रीनाथी जोशी

: नदकिशोर नवल

: अभिय कुमार साहू

: डॉ. अतिनाथ कासाई

: डॉ. रमाकान्त आपरे

अनुमोदित

हस्ताक्षर

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.विद्याया कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजपुर, जिला-जौनपुर-बांसा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किराडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. सौनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वैठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य
- भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) : सदस्य
- श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

—

—

—

—

—

—

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर-चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र-द्वितीय

पाश्चात्य काव्यशास्त्र Code - 914

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूलबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का भी हमारी काव्य-दृष्टि पर प्रभाव पड़ा है अतः आधुनिक रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा। लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन/ वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क) पाश्चात्य काव्य सिद्धांत

1. प्लेटो : काव्य-सिद्धांत।
2. अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन।
3. लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
4. वर्ड्सवर्थ : काव्य-भाषा का सिद्धांत।
5. कॉलरिज : कल्पना-सिद्धांत और ललित कल्पना।
6. मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।
7. टी. एस. झलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
8. आई.ए.रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

(ख) पाश्चात्य समीक्षा

1. सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदता वाद, अभिव्यंजना वाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण वाद तथा अस्तित्व वाद।
2. आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : सरयनावाद, विखंडन वाद, शैलीविज्ञान, उत्तर आधुनिकता वाद।

अंक विभाजन :

- | | |
|---------------------------------|--|
| 3 आलोचनात्मक प्रश्न | 3 × 10 = 60 (खण्ड क से 02 एवं खण्ड ख से 01) |
| 3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी | 3 × 05 = 15 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न | 5 × 01 = 05 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
2. डॉ. विहारी लाल साहू
3. डॉ. उषा वैरागकर आठले
4. श्री रामकुमार बंजारे
5. श्री राजीव गुप्ता

कुल अंक 80

—0—

2. डॉ. फूलदास महंत
4. डॉ. भोजकेशन प्रधान
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतसमका

11

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत
 2. साहित्य समीक्षा के पाश्चात्य मानदंड
 3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन
 4. पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धांत
 5. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श
 6. देरिदाँ विखंडन की सैद्धांतिकी
 7. शैलीविज्ञान और सरचनावाद
 8. शैलीविज्ञान
 9. पाश्चात्य काव्य चिंतन
 10. साहित्य सिद्धांत
 11. स्वातंत्र्योत्तरहिंदी समीक्षा सिद्धांत
 12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ
 13. भाषा और समीक्षा के विन्दु
 14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वादः डॉ. मगीरथ मिश्र
 15. सौंदर्यबोधशास्त्र
 16. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ
 17. पाश्चात्य काव्य चिंतन
 18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र
- : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्ता
: डॉ. राजेन्द्र वर्मा
: संपादक - निर्मला जैन
: डॉ. लीलाधर गुदा
: सुधीश पर्वारी
: सुधीश पर्वारी
: डॉ. नरेन्द्र सैनी
: डॉ. सुरेश कुमार
: डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
: रेने वेलेक, ऑस्ट्रेन वारेन
: डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र
: डॉ. सत्यदेव मिश्र
: डॉ. सत्यदेव मिश्र
: डॉ. जगदीश सिंह मन्हास
: राजनाथ
: करुणाशंकर उपाध्याय
: डॉ. उमेशकुमार सिंह

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.वि.लासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जौनपुर, जिला-जौनपुर-बांदा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकैतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
 2. डॉ. उषा वैशगकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
 3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
 4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
- औद्योगिक/निगम क्षेत्र :
1. श्री नवनीत जगतसरामका,
प्रधान संपादक, इस्थल टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी) सत्र 2014-15) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुहरडेश रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

H

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र - तृतीय

प्रयोजन मूलक हिंदी Code - 915

प्रस्तावना :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है, जब इन दृश्य-श्रव्य माध्यमों से संबंधित विधाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत सौज्यपूर्ण है। इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से आलोचनात्मक प्रश्न/लघुत्तरी/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आन्तरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(अ) मीडिया लेखन :

1. जनसंचार : प्रौद्योगिकी और चुनौतियाँ।
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट।
3. श्रव्य माध्यम (रेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार-लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा-लेखन, विज्ञापन-लेखन, फीचर तथा रिपोर्टेज।
4. दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं वीडियो) : दृश्य माध्यमों में भाषाकी प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर), पटकथा लेखन, टली ड्रामा, संवाद-लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तर, विज्ञापन की भाषा।

(ब) हिंदी कम्प्यूटिंग :

1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग-क्षेत्र
2. इंटरनेट एवं वेब वर्ल्ड वाइड का परिचय।
3. इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप।
4. लिंक, ई-मेल भेजना, प्राप्त करना, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।
5. हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी की प्रमुख वेबसाइट्स, हिंदी के ब्लॉग्स, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेजिंग।
5. एम.एस.वर्ड, फोटोशॉप, कवर डिजाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मल्टीमीडिया, ई-कॉमर्स का सामान्य परिचय।
6. इंटरनेट : सामग्री-सृजन।

(स) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार :

1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।
2. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. मशीनी अनुवाद।

---0---

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 20 = 60 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	3 × 05 = 15 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरी प्रश्न	5 × 01 = 05 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
3. डॉ. बिहारी लाल साहू
5. डॉ. जया वैरागकर आठले
7. श्री रामकुमार बंजारे
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
6. डॉ. वेठियार सिंह साहू
8. श्री नवनील जगतारामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता और जनसंचार
2. जनसंचार : सिद्धांत और अनुप्रयोग
3. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग
5. इंटरनेट और ई मेल
6. कम्प्यूटर कोर्स
7. मीडिया लेखन
8. प्रयोजनमूलक हिंदी
9. मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप और समावहार
10. एडिटर लेखन : स्वरूप और शिल्प
11. रेडियो नाटक की कला
12. कम्प्यूटर प्रयोग और हिंदी
13. कम्प्यूटर और हिंदी
14. प्रयोजनमूलक हिंदी : एक
15. प्रयोजनमूलक हिंदी : दो
16. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी
17. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सूचना प्रौद्योगिकी
18. दूरदर्शन का स्वरूप एवं हिंदी प्रस्तुतीकरण
19. जनसम्पर्क : सिद्धांत और व्यवहार
20. रेडियो का कलापक्ष
21. सम्प्रेषण और रेडियो शिल्प
22. 1000 कम्प्यूटर—इंटरनेट प्रश्नोत्तरी
23. अनुवाद के भाषिक पक्ष
24. अनुवाद क्या है?
25. अनुवाद क्या है?
26. अनुवाद : प्रक्रिया और परिदृश्य
27. साहित्यानुवाद: सवाद और संवदन
28. सिम्पलरिंग : सिद्धांत और प्रयोग
29. आज की हिंदी और अनुवाद की समस्याएँ

अभ्यास-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. ए.एस. ठाकुर

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

2. डॉ. फूलदास महल,

सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य

शास.महाविद्यालय, जीजपुर, जिला-जाँजगीर-बापा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोशीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकैतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बेडियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बजार-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतशर्मका,
प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़

अनुमोदित

हस्ताक्षर









: सदस्य

: सदस्य



प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र-चतुर्थ

छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य Code 916

प्रस्तावना :

हिंदी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है। उसकी अनेक विभाषाओं में आज भी पर्याप्त साहित्य-सृजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की राजभाषा के रूप में छत्तीसगढ़ी प्रतिष्ठित हो चुकी है। अतः इसके पृथक् अध्ययन से इस विभाषा का उत्तरोत्तर विकास ही होगा।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से आलोचनात्मक प्रश्न/लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आन्तरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास।
2. छत्तीसगढ़/छत्तीसगढ़ी का नामकरण।
3. छत्तीसगढ़ी का भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य।
4. छत्तीसगढ़ी की उपबोलियाँ एवं उनका वर्गीकरण।
5. छत्तीसगढ़ी का शब्दकोश।
6. छत्तीसगढ़ी का मानक व्याकरण।
7. छत्तीसगढ़ी साहित्य : युग-प्रवृत्तियाँ एवं विकास के चरण।
8. छत्तीसगढ़ी गद्य-साहित्य की विविध विधायें।
9. छत्तीसगढ़ी पद्य-साहित्य की विविध विधायें।
10. छत्तीसगढ़ी साहित्य के विशिष्ट रचनाकार।

—0—

- अंक विभाजन :
- 4 आलोचनात्मक प्रश्न $4 \times 15 = 60$ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
 - 3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी $3 \times 05 = 15$ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
 - 5 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न $5 \times 01 = 05$ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

- अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर
1. डॉ. ए.एस. टाकुर
 3. डॉ. विहारी ताल साहू
 5. डॉ. उषा बैसागर आठले
 7. श्री रामकुमार वंजारे
 9. श्री राजीव गुप्ता

कुल अंक 80

3720

4. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

6. डॉ. बटियार सिंह साहू

8. श्री नवनीत जगतसामिका

AL

संदर्भ ग्रंथ :

- | | |
|---|--|
| 1. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकसाहित्य | : डॉ. विश्वरीलाल साहू |
| 2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्भविकास | : डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा |
| 3. छत्तीसगढ़ी, हल्दी, मतरी भाषाओं का वैज्ञानिक अध्ययन | : भालचंद्रराव तैलंग |
| 4. छत्तीसगढ़ी : दशा एवं दिशा | : नंदकिशोर तिवारी |
| 5. छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश | : हीरालाल शुक्ल |
| 6. छत्तीसगढ़ : इतिहास, संस्कृति एवं परम्परा | : डॉ. तृषा शर्मा |
| 7. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश | : डॉ. रमेशचंद्र महरोत्रा |
| 8. राजभाषा छत्तीसगढ़ी | : डॉ. सुशील शर्मा |
| 9. छत्तीसगढ़ का भूगोल | : डॉ. किरण राजपाल |
| 10. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण | : चंद्रलाल चंद्राकर |
| 11. छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं संकर्म | : डॉ. उषा वैरागकर आठले |
| 12. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी | : डॉ. चित्तरंजन कर |
| 13. छत्तीसगढ़ी : अभिव्यक्ति के परिप्रेक्ष्य | : डॉ. विश्वरीलाल साहू |
| 14. छत्तीसगढ़ी बोली, व्याकरण और कोश | : डॉ. कालिकुमार |
| 15. छत्तीसगढ़ी जनभाषा | : डॉ. व्यासनारायण दुबे |
| 16. प्राचीन छत्तीसगढ़ | : प्यारेलाल गुप्त |
| 17. छत्तीसगढ़ी पहलियाँ | : डॉ. विश्वरीलाल साहू |
| 18. छत्तीसगढ़ी मुहावरा-कोश | : संपा-रमेशचंद्र महरोत्रा एवं चित्तरंजन कर |
| 19. प्रहलिकाएँ और छत्तीसगढ़ी संस्कृति | : डॉ. विश्वरीलाल साहू |
| 20. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं परम्परा | : डॉ. पाले वर प्रसाद भार्गव |
| 21. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन | : डॉ. शंकर शेष |

अध्ययन-गण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

- डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासापुर
- डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य शास.महाविद्यालय, जंजपुर, जिला-जॉंगीर-बांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

- डॉ. विश्वरी लाल साहू, सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

- डॉ. भीमकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
- डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
- डॉ. वैटियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
- श्री रामकुमार वंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

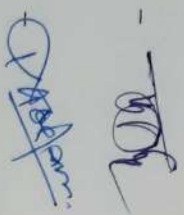
- श्री नवनील जगतारामका, प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

- श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित

हस्ताक्षर









प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम.ए.हिंदी : सेनेस्टर-चतुर्थ

परियोजना-कार्य Code - 920

प्रस्तावना :-

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवंटित पाठ्यक्रमों पर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की रचना/रच-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय

1. रायगढ़ जिले के साहित्यकारों से साक्षात्कार।
2. जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों की रचनाओं पर शोधपरक लेख।
3. इंटरनेट-माध्यम से किसी एक साहित्यिक वर्णन का विश्लेषण।
4. किसी फिल्म/सेडियो नाटक/टी वी धारावाहिक/वृत्तचित्र के लिए पटकथा लेखन।
5. अनुवाद : छत्तीसगढ़ी/हिंदी/उड़िया का पारस्परिक अनुवाद।
6. छत्तीसगढ़ के संदर्भ में लगभग 25 विज्ञापन तैयार करना।
7. पर्याय काव्यशास्त्र के किसी एक विचारक/सिद्धांत/वाद की समीक्षा/तुलनात्मक अध्ययन।
8. छायावादोत्तर/इक्कीसवीं सदी के किसी एक हिंदी/छत्तीसगढ़ी/उड़िया/अन्य भाषा के कवि/काव्य-कृति का साहित्यिक मूल्यांकन।
9. आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित कार्यक्रमों की समीक्षा।
10. रायगढ़ जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास।
11. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संसूचि से)

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक - 50

शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 10)

मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 08)

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शासक विद्यापीठ कल्याण, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. भूलादास महल,

सहा. प्राध्यापक/प्राची प्राध्यापक

शासक महाविद्यालय, जंजेपुर, जिला-जाँजगीर-बाघ

कुलपति द्वारा नामीकृत :

1. डॉ. विश्वरी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरांडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष -

2. डॉ. उषा वैरागकर आदले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य -

3. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य -

4. श्री रामकुमार धनार-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य -

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसमका,

प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़

शुभपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता,

धनुहरडेशा रायगढ़

अनुमोदित

हस्ताक्षर

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी सेमेस्टर - चतुर्थ

वैकल्पिक प्रश्नपत्र चतुर्थ

लघु शोध-प्रबंध Code- 921

पत्रा - इस प्रश्न पत्र की लिखित परीक्षा के विकल्प में लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करने की पात्रता विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 60 प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। तदनुसार प्रा. की संस्तुति से किसी एक विषय पर शोधार्थी को शोध निर्देशक के मार्गदर्शन में मौलिक रूप लक्षण 100 पृष्ठों का लघु शोध-प्रबंध तैयार करना होगा, जिसकी 05 मुद्रित/टंकित प्रतियाँ लघु सेमेस्टर परीक्षा समाप्ति के दस दिवस तक परीक्षणार्थ विभाग में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। लघु शोध-प्रबंध के मूल्यांकन के प्रदत्त अंकों को पृथक्-पृथक् लिखिक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा लघु शोध-प्रबंध के मूल्यांकन के प्रदत्त अंकों को पृथक्-पृथक् जोड़ा जाना प्रस्तावित है।

लघु शोध प्रबंध के आंतरिक मूल्यांकन/सेमिनार/मौखिकी हेतु विभाग द्वारा निर्धारित लिखियों में परीक्षार्थी की उपस्थिति अनिवार्य है। लघु शोध-प्रबंध प्रस्तुति के लिए निम्नानुसार अंक निर्धारित है-
अंक विभाजन कुल अंक-100

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा	10
सेमिनार	10
बाह्य परीक्षक	40
आंतरिक परीक्षक	40

अनुमोदित
हस्ताक्षर

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जौजेपुर, जाँजगीर-बाँपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू
17 किलोमीटर कालानी रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठल-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेटियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जनतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

: सदस्य

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुवारडेश रायगढ़

: सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-19

एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर-चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र-प्रथम : छायावादोत्तर काव्य code 913

प्रस्तावना :

छायावादी कृतिव में यथार्थ और स्वप्न दोनों की समान संस्थिति थी। राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समस्त शक्ति-सामर्थ्य तथा कतिपय नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जोर पकड़ते गए, जिसके बीज-बिंदु छायावाद में पड़ चुके थे। औद्योगीकरण के साथ-साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्रूपताओं ने प्रगतिशील साहित्यिक आंदोलन को बढ़ावा दिया। नए मार्ग की अन्वेषी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्यधारा के रूप में अपने को विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद मोहभंग की स्थिति ने जन्म लिया। स्वप्न अधूरे रहे, संकल्प टूटे। आक्रोश और विद्रोह की प्रवृत्तिव्यापक पैमाने पर परिलक्षित हुई। विज्ञान ने बौद्धिकता का विकास किया। फलस्वरूप नए-नए बिम्ब, प्रतीक एवं अभिव्यंजना-रूप विकसित हुए। अंतर्विरोधी स्थितियों ने मूल्य-विघटन, तनाव-संक्रमण, मोहभंग की स्थिति पैदा की, जिसकी अभिव्यंजना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता विश्वजनीन हो गई। इस वैश्विक संदर्भ की जानकारी और समझदारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत रचनाओं से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प-युक्त लघूत्तरी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय': नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, साँप।
2. नागार्जुन : बादल को धिरते देखा है, यह तुम थी, वह तो था बीमार, नईपौध, कालिदास, मैं तुम्हें अपना चुम्बन दूँगा, पैने दाँतों वाली, तो फिर क्या हुआ ?शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद।
3. गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में।

द्रुत पठन :

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', रघुवीर सहाय, धूमिल, दुष्यंत कुमार, अरुणकमल

— 0 —

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

03-व्याख्यात्मक प्रश्न	3 × 10 = 30	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
02-आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 15 = 30	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03-लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन	3 × 05 = 15	(द्रुत पाठ से)
05-वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	5 × 01 = 05	(समादृत पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3. डॉ. विहारी लाल साहू

5. डॉ. उषा वैरागकर आठले

7. श्री रामकुमार बंजारे

9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. मीनकंतन प्रधान

6. डॉ. बंटियार सिंह साहू

8. श्री नवनीत जगतारामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य
2. आधुनिक हिंदी कविता में दृष्टता
3. आधुनिक हिंदी कविता और विचार
4. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
5. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन
6. असाध्य बीजा और अज्ञेय
7. याया नागार्जुन
8. कविता के नए प्रतिमान
9. छायावादीतर काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
10. प्रगतिवादी काव्य में सामाजिक एवं सामाजिक चेतना
11. अज्ञेय : प्रकृति काव्य : काव्य में प्रकृति
12. दुर्धत कुमार की गजलों का समीक्षणक अध्ययन
13. कवि केशरीकर अज्ञेय और मुक्तिबोध : संवेदन और दृष्टि
14. नागार्जुन की कविता
15. अंतराल का पूरा विस्तार : अक्षरे में
16. नई कविता : निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध
17. रघुवीर सहाय का कविकर्म
18. रामकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में
19. धूमिल और उसका काव्य-संघर्ष
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद
21. अज्ञेय-काव्य में प्राग्भित्य और निष्क
22. धूमकेतु धूमिल और साठोत्तरी कविता
23. निराला और मुक्तिबोध
24. रघुवीर सहाय और श्रीकांत वर्मा की कविता
25. गजलकार दुर्धतकुमार
26. नागार्जुन के काव्य में जनतादी चेतना

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास.वि.लासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जौजेपुर, जिला-जौनपुर-बांधा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैशगकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वैठियार सिंह साहू-आतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार वंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारामका,
प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

- श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

समकालीन शर्मा

डॉ एच दसता

डॉ. राजेन्द्रशंकर भट्टनागर

गजानन माधव मुक्तिबोध

चंद्रकांत कादिकडकर

रमेशचंद्र शाह

नरेन्द्र कोहली

नामवर सिंह

डॉ. कमलाप्रसाद

डॉ विद्या प्रधान

सत्यम कुमार

डॉ. सरदार गुजरावर

डॉ. भरत सिंह

अजय तिवारी

संपादक - निर्मला जैन

विद्या सिन्हा

सुरेश शर्मा

शशि शर्मा

डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र

डॉ. भास्कर मैया

डॉ. सी.एम.राजन

मीनाक्षी जोशी

नंदकिशोर खलत

अमित कुमार साहू

डॉ. अविनाश कासाडे

डॉ. रणकाल आपरे

अनुमोदित

हस्ताक्षर

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर-चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र-द्वितीय

पारयात्य काव्यशास्त्र Code 914

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। पारयात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का भी हमारी काव्य-दृष्टि पर प्रभाव पड़ता है अतः आधुनिक रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए पारयात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा। लघुत्तरी/टिप्पणी लेखन/ वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क) पारयात्य काव्य सिद्धांत

1. खोटे
 2. अररू
 3. लॉजान्दनस
 4. वर्ड्सवर्थ
 5. कोलरिज
 6. मैथ्यू आर्नल्ड
 7. टी. एस. इलियट
 8. आई.ए.रिचर्ड्स
- : काव्य-सिद्धांत।
: अनुकरण सिद्धांत, आसदी विवेचन।
: उदात्त की अवधारणा।
: काव्य-भाषा का सिद्धांत।
: कल्पना-सिद्धांत और ललित कल्पना।
: आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।
: परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्बन्धकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीक्षण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
: रसात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

(ख) पारयात्य समीक्षा

1. सिद्धांत और वाद
 2. आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ
- : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदता वाद, अभिव्यंजना वाद, मार्क्सवाद, नवीविश्लेषण वाद तथा अस्तित्व वाद।
: संरचनावाद, विखंडन वाद, शैलीविज्ञान, उत्तर आधुनिकता वाद।

अंक विभाजन :

- 2 आलोचनात्मक प्रश्न
 - 3 लघुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी
 - 5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न
- कुल अंक 80

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. ए.एस. ठाकुर
2. डॉ. फूलदास महंत
3. डॉ. विहारी लाल साहू
4. डॉ. भानुकान्त प्रधान
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले
6. डॉ. वैठियार सिंह साहू
7. श्री रामकुमार बंजारे
8. श्री नवनील जगतारामका
9. श्री राजीव गुप्ता

11

संदर्भ ग्रंथ :

1. पारशाल्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत
2. साहित्य समीक्षा के पारशाल्य मानदंड
3. पारशाल्य साहित्य चिंतन
4. पारशाल्य साहित्यालोचन के सिद्धांत
5. उत्तररामपुरिक साहित्यिक विमर्श
6. देरिन् विखडन की सैद्धांतिकी
7. शैलीविज्ञान और संरचनावाद
8. शैलीविज्ञान
9. पारशाल्य काव्य चिंतन
10. साहित्य सिद्धांत
11. स्वातंत्र्योत्तरहिंदी समीक्षा सिद्धांत
12. पारशाल्य काव्यशास्त्र : अनुनाशन संदर्भ
13. भाषा और समीक्षा के विन्दु
14. पारशाल्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद: डॉ. यमीरथ मिश्र
15. सौंदर्यबोधशास्त्र
16. पारशाल्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ
17. पारशाल्य काव्य चिंतन
18. पारशाल्य काव्यशास्त्र

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. ए. एस. ठाकुर

पाठ्यापक एवं विभागध्यक्ष-हिंदी,

शासनाधिकाशा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत,

सहा. प्राध्यापक/प्रभाती प्राचार्य

शासनाधिकाशा विद्यालय, बीजपुर, जिला-जौनपीर-बांसा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगाढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-पाठ्यापक एवं विभागध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य

3. डॉ. कविदार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

4. श्री रामकुमार दंगार-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतराजक,

प्रधान संपादक, इस्यात टाइम्स/रायगाढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश रायगाढ़

: डॉ. शांतिस्वरूप गुप्ता

: डॉ. राजेन्द्र वर्मा

: संपादक - निर्मला जैन

: डॉ. लीलाधर गुदा

: सुधीश परासी

: सुधीश परासी

: डॉ. नरेन्द्र सैनी

: डॉ. सुरेश कुमार

: डॉ. कल्याणकर उपाध्याय

: रेने गेलक, ऑस्ट्रेन वारेन

: डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र

: डॉ. सत्यदेव मिश्र

: डॉ. सत्यदेव मिश्र

: डॉ. जगदीश सिंह मन्हास


: राजनाथ

: कल्याणकर उपाध्याय

: डॉ. उमेशकुमार सिंह

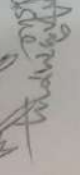
अनुमोदित

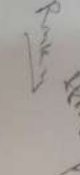
हस्ताक्षर













41

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी : सेक्टर-बतुर्ध

अनिवार्य प्रश्नपत्र -- तृतीय

प्रयोजन मूलक हिंदी Code 915

प्रस्तावना :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है, जब इन दृश्य-श्रव्य माध्यमों से संबंधित विधाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत सौजन्यपरक है। इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से आलोचनात्मक प्रश्न/लघुतरी/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघुतरी प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आन्तरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(अ) मीडिया लेखन :

1. जनसंचार : प्रौद्योगिकी और चुनौतियाँ।
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट।
3. श्रव्य माध्यम (रेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार-लेखन एवं वाचन, शैडियो नाटक, उद्घोषणा-लेखन, विज्ञापन-लेखन, फीचर तथा रिपोर्टाज।
4. दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं सीडियो) : दृश्य माध्यमों में भाषाकी प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (कॉन्स ओवर), पटकथा लेखन, टैली ड्रामा, संवाद-लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तर, विज्ञापन की भाषा।

(ब) हिंदी कम्प्यूटिंग :

1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग-क्षेत्र
2. इंटरनेट एवं वेब वर्ल्ड वाइड का परिचय।
3. इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप।
4. लिंक, ई-मेल भोजना, प्राप्त करना, आउनलोडिंग, अपलोडिंग।
5. हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी की प्रमुख वेबसाइट्स, हिंदी के ब्लॉग्स, हिंदी सर्चएंगलर शैकेजस।
6. एम.एस.वर्ड, फोटोशॉप, कवर डिजाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मल्टीमीडिया, ई-कॉमर्स का सामान्य परिचय।
7. इंटरनेट : सामग्री-सृजन।

(स) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार :

1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।
2. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. मशीनी अनुवाद।

—0—

कुल अंक 80

- अंक विभाजन :
- 3 आलोचनात्मक प्रश्न $3 \times 20 = 60$ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
 - 3 लघुतरी प्रश्न/टिप्पणी $3 \times 05 = 15$ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
 - 5 वस्तुनिष्ठ/अति लघुतरी प्रश्न $5 \times 01 = 05$ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के द्वारा

1. डॉ. डी. एस. टावुल
3. डॉ. विजयी लाल साहू
5. डॉ. उषा वैसागर आदले
7. श्री रामकुमार बंजारे
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महल
4. डॉ. भीमकेशन प्रधान
6. डॉ. मेडियार सिंह साहू
8. श्री नवनील जगतसामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता और जनसंचार
2. जनसंचार : सिद्धांत और अनुप्रयोग
3. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग
5. इंटरनेट और ई मेल
6. कम्प्यूटर कौशल
7. मीडिया लेखन
8. प्रयोजनमूलक हिंदी
9. मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप और समावर्णार्
10. पीयर लेखन : स्वरूप और शिल्प
11. रेडियो नाटक की कला
12. कम्प्यूटर प्रयोग और हिंदी
13. कम्प्यूटर और हिंदी
14. प्रयोजनमूलक हिंदी : एक
15. प्रयोजनमूलक हिंदी : दो
16. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी
17. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सूचना प्रौद्योगिकी
18. दूरदर्शन का स्वरूप एवं हिंदी प्रस्तुतीकरण
19. जनसम्पर्क : सिद्धांत और व्यवहार
20. रेडियो का कलापक्ष
21. सम्प्रेषण और रेडियो शिल्प
22. 1000 कम्प्यूटर-इंटरनेट प्रश्नोत्तरी
23. अनुवाद के भाषिक पक्ष
24. अनुवाद क्या है?
25. अनुवाद क्या है?
26. अनुवाद : प्रक्रिया और परिदृश्य
27. साहित्यानुवाद: संचार और संवेदना
28. निबंधरचना : सिद्धांत और प्रयोग
29. आल की हिंदी और अनुवाद की समस्याएं

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

- : डॉ. रामकुमार शर्मा आलोक
- : डॉ. राधाकृष्ण
- : डॉ. टी.डी.एस.आलोक
- : रमल झाले
- : हेमंत कुमार गोयल
- : कर्णिलदेव सपडा
- : सुधीर मोहन
- : डॉ. विनोद गौदरे
- : डॉ. अर्जुन चक्रवर्त
- : डॉ. मनाहर प्रभाकर
- : सिद्धनाथ कुमार
- : डॉ. अनुराग ध्यान
- : डॉ. हरिमोहन
- : डॉ. रामनाथराज पटेल
- : डॉ. रामनाथराज पटेल
- : डॉ. सुधीर पर्वशी
- : डॉ. यू.सी. गुप्ता
- : डॉ. उमेश मिश्र
- : डॉ. अर्जुन तिवारी
- : डॉ. नीरजा माथव
- : विश्वनाथ पापडेय
- : विनयभूषण
- : विभा गुप्ता
- : डॉ. महाराजूरकर
- : राजनल कौरा
- : शैलशर्मा पालीवाल
- : डॉ. आरसु
- : डॉ. रामप्रकाश सकसेना
- : डॉ. राधकर

अनुमोदित

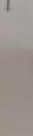
हस्ताक्षर

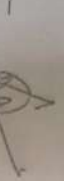












- विषय विशेषज्ञ :**
1. डॉ. टी. एस. ठाकुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास.द्विभासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
 2. डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य शास.महाविद्यालय, जंजोपुर, जिला-जौनपीर-बांसा
- कुलपति द्वारा नामांकित :**
1. डॉ. विहारी लाल साहू, सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किराड़ीमल कालोनी, रायगढ़
- विभागीय सदस्य :**
1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
 2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
 3. डॉ. वेदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
 4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
- औद्योगिक/निगम क्षेत्र :**
1. श्री नवनीत जगतसामका, प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स,रायगढ़
- भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी,सत्र 2014-16) :**
- श्री राजीव गुप्ता, धनुहारदेव रायगढ़

: सदस्य



प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019
एम. ए. हिंदी : सेमिस्टर-चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र-चतुर्थ
छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य Code 916

प्रस्तावना : हिंदी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है। उसकी अनेक विभवाश्रयों में आज भी पर्याप्त साहित्य-सृजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की राजभाषा के रूप में छत्तीसगढ़ी प्रतिष्ठित हो चुकी है। अतः इसके पृथक अध्ययन से इस विभाषा का उत्तरोत्तर विकास ही होगा। इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से आलोचनात्मक प्रश्न/तर्कालोचनी/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिरिक्त प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आन्तरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास।
2. छत्तीसगढ़/छत्तीसगढ़ी का नामकरण।
3. छत्तीसगढ़ी का भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य।
4. छत्तीसगढ़ी की उपभोक्तियाँ एवं उनका वर्गीकरण।
5. छत्तीसगढ़ी का शब्दकोश।
6. छत्तीसगढ़ी का मानक व्याकरण।
7. छत्तीसगढ़ी साहित्य : युग-प्रवृत्तियाँ एवं विकास के चरण।
8. छत्तीसगढ़ी गद्य-साहित्य की विशिष्ट विधाएँ।
9. छत्तीसगढ़ी पद्य-साहित्य की विशिष्ट रचनाकार।
10. छत्तीसगढ़ी साहित्य के विशिष्ट रचनाकार।

अंक विभाजन :

- 4 आलोचनात्मक प्रश्न
- 3 लघुप्रश्नी प्रश्न/टिप्पणी
- 5 वस्तुनिष्ठ/अति लघुप्रश्नी प्रश्न

- अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर
- 1 डॉ. डी. एस. जगपुर
 - 2 डॉ. फूलदास महंत
 - 3 डॉ. विहारी लाल साहू
 - 4 डॉ. मीनकान्त प्रधान
 - 5 डॉ. उषा वैरागकर आठले - Usha
 - 6 डॉ. अटियार सिंह साहू
 - 7 श्री रामकुमार वंजारे
 - 8 श्री नवनील जगतसमका
 - 9 श्री राजीव गुप्ता

11

संदर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकसाहित्य
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्भविकारा
3. छत्तीसगढ़ी, हल्दी, नतरी भाषाओं का वैज्ञानिक अध्ययन
4. छत्तीसगढ़ी : दशा एवं शिक्षा
5. छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश
6. छत्तीसगढ़ : इतिहास, संस्कृति एवं परम्परा
7. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश
8. राजभाषा छत्तीसगढ़ी
9. छत्तीसगढ़ का भूगोल
10. भाषा छत्तीसगढ़ी व्याकरण
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं रंगकर्म
12. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी
13. छत्तीसगढ़ी-: आणव्यक्ति के परिश्रेय
14. छत्तीसगढ़ी बोली, व्याकरण और कोश
15. छत्तीसगढ़ी जनभाषा
16. प्राचीन छत्तीसगढ़
17. छत्तीसगढ़ी पहलियाँ
18. छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोश
19. पहलिकार और छत्तीसगढ़ी संस्कृति
20. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं परम्परा
21. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन

: डॉ. विशरीलाल साहू
: डॉ. नरन्देव वर्मा
: भालचंद्रराव तैलंग

: नंदकिशोर तिवारी
: हीरालाल शुक्ल
: डॉ. तृषा शर्मा
: डॉ. रामशंकर महरोजा
: डॉ. सुधीर शर्मा
: डॉ. किरण मजपात
: कंदूलाल चंद्रकर
: डॉ. उषा वैरागकर आलवे
: डॉ. विलरंजन कर
: डॉ. विशरीलाल साहू
: डॉ. कालिकुमार
: डॉ. व्यासनाथरायण दुबे
: पार्श्वलाल गुप्त
: डॉ. विशरीलाल साहू
: संपा. -रमेशचंद्र महरोजा एवं विलरंजन कर
: डॉ. विशरीलाल साहू
: डॉ. पाले वर प्रसाद भर्मा
: डॉ. शंकर शेष

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. एस्. वावुर, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास.शिलाशा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य शास.महाविद्यालय, जेजपुर, जिला-जौनपीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विशरी लाल साहू, सेवा नियुक्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मौनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आलवे-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार वजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

आैथानिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनील जगतसमक, प्रधान संपादक, इस्पताल टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहरडंडा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित

हस्ताक्षर













प्रस्तावना :-

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवंटित पाठ्यक्रमों पर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौखिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/स्व-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय

1. रायगढ़ जिले के साहित्यकारों से साक्षात्कार।
2. जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों की रचनाओं पर शोधपरक लेख।
3. इंटरनेट-माध्यम से किसी एक साहित्यिक वर्ग का विश्लेषण।
4. किसी फिल्म/रेडियो नाटक/टी वी धारावाहिक/वृत्तचित्र के लिए पटकथा लेखन।
5. अनुवाद : छत्तीसगढ़ी/हिंदी/उड़िया का पारस्परिक अनुवाद।
6. छत्तीसगढ़ के संदर्भ में लगभग 25 विज्ञापन तैयार करना।
7. पश्चात्य काव्यशास्त्र के किसी एक विचारक/सिद्धांत/वाद की समीक्षा/तुलनात्मक अध्ययन।
8. छायावादोत्तर/इक्वीसर्बी सदी के किसी एक हिंदी/छत्तीसगढ़ी/उड़िया/अन्य भाषा के कवि/काव्य-कृति का साहित्यिक मूल्यांकन।
9. आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित कार्यक्रमों की समीक्षा।
10. रायगढ़ जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास।
11. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्तुति से)

अंक विभाजन : कुल अंक - 50

शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 10)

मीखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 08)

अनुमोदित

हरनाथर

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शास.वि.लासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. प्यूलदास महंत,

सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य

शास.महाविद्यालय, जेजेपुर, जिला-जौनपीर-झापा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किंगडोमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष-

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य-

3. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य-

4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य-

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतारमका,

प्रधान संचालक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़

नृत्तपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिंदी, सत्र 2014-15) :

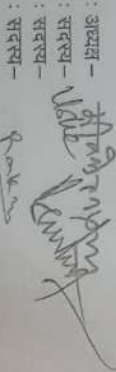
1. श्री राजीव गुप्ता,

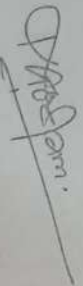
धनुहरडेश रायगढ़

: सदस्य-

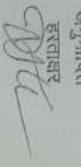


: सदस्य-









प्रस्तावना -

इस प्रश्न पत्र की लिखित परीक्षा के विकल्प में लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करने की पात्रता हेतु विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 60 प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। तदनुसार विभाग की संस्तुति से किसी एक विषय पर शोधार्थी को शोध निर्देशक के मार्गदर्शन में मौखिक रूप से लगभग 100 पृष्ठों का लघु शोध-प्रबंध तैयार करना होगा, जिसकी 05 मुद्रित/टंकित प्रतियाँ चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा समाप्ति के दस दिवस तक परीक्षणार्थ विभाग में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। आंतरिक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा लघु शोध-प्रबंध के मूल्यांकन के प्रदत्त अंकों को पृथक्-पृथक् जोड़ा जाना प्रस्तावित है।

लघु शोध प्रबंध के आंतरिक मूल्यांकन/सेमिनार/मौखिकी हेतु विभाग द्वारा निर्धारित विधियों में परीक्षणार्थी की उपस्थिति अनिवार्य है। लघु शोध-प्रबंध प्रस्तुति के लिए निम्नानुसार अंक निर्धारित है-

अंक विभाजन	कुल अंक-100
आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा	10
सेमिनार	10
बाह्य परीक्षक	40
आंतरिक परीक्षक	40

अनुमोदित
हस्ताक्षर

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी,

शास.वि.लासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत,

सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य

शास.महाविद्यालय, जौजेपुर, जौंजगीर-बांधा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू,

17 किसेडोमल कालोनी रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. उषा वैरागकर आदले-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

3. डॉ. बंदिपार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनील जगतसामका, : सदस्य

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुषारडेरा रायगढ़ : सदस्य

[Handwritten signatures and initials]

[Handwritten signatures and initials]

प्रस्तावित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021
 एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर-चतुर्थ
 अनिवार्य प्रश्नपत्र-प्रथम : छायावादोत्तर काव्य Code 913

प्रस्तावना :

छायावादी कृतिव में यथार्थ और स्वप्न दोनों की समान संस्थिति थी। राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समस्त शक्ति-सामर्थ्य तथा कतिपय नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जोर पकड़ते गए, जिसके बीज-बिंदु छायावाद में पड़ चुके थे। औद्योगीकरण के साथ-साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्रूपताओं ने प्रगतिशील साहित्यिक आंदोलन को बढ़ावा दिया। नए मार्ग की अन्वेषी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्यधारा के रूप में अपने को विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद मोहभंग की स्थिति ने जन्म लिया। स्वप्न अधूरे रहे, संकल्प टूटे। आक्रोश और विद्रोह की प्रवृत्तिव्यापक पैमाने पर परिलक्षित हुई। विज्ञान ने बौद्धिकता का विकास किया। फलस्वरूप नए-नए बिम्ब, प्रतीक एवं अभिव्यंजना-रूप विकसित हुए। अंतर्विरोधी स्थितियों ने मूल्य-विघटन, तनाव-संक्रमण, मोहभंग की स्थिति पैदा की, जिसकी अभिव्यंजना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता विवजनीन हो गई। इस वैश्विक संदर्भ की जानकारी और समझदारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत कवियों से 03 व्याख्यात्मक, 03 आलोचनात्मक प्रश्न एवं द्रुत पाठ से लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प होगा। संपूर्ण पाठ्य-विषय से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय': नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, साँप।
2. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, यह तुम थी, वह तो था बीमार, नईपौध, कालिदास, मैं तुम्हें अपना चुम्बन दूँगा, पैसे दाँतों वाली, तो फिर क्या हुआ ? शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद।
3. गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में।

द्रुत पठन :

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', रघुवीर सहाय, धूमिल, दुष्यंत कुमार, अरुणकमल

—0—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

03-व्याख्या	-3 × 10 = 30	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03-आलोचनात्मक प्रश्न	-3 × 10 = 30	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03-लघूत्तरी प्रश्न	-3 × 05 = 15	(द्रुत पाठ से)
05-वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	-5 × 01 = 05	(समादृत पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
7. डॉ. बेठियार सिंह साहू
9. श्री राजीव गुप्ता

Rayans
Lemik

2. डॉ. चित्तरंजन कर

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

6. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुर्रे

8. श्री नवनीत जगतारामका

Handwritten signatures and dates
 21/8/18
Handwritten marks

संदर्भ ग्रंथ :

1. मावस्यदा और प्रागैशियल साहित्य
2. आधुनिक हिंदी कविता में दुरुहता
3. आधुनिक हिंदी कविता और विचार
4. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
5. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन
6. असाध्य बीजा और अज्ञेय
7. बाबा नागार्जुन
8. कविता के नए प्रतिमान
9. छायावादोत्तर काल्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
10. प्रागैशियली काल्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना
11. अज्ञेय : प्रकृति काल्य : काल्य में प्रकृति
12. दुष्यंत कुमार की गजलों का समीक्षणक अध्ययन
13. कवि कलानीकर अज्ञेय और मुक्तिबोध : संवेदना और दृष्टि
14. नागार्जुन की कविता
15. अंतराल का पूरा विस्तार : अज्ञेय में
16. नई कविता : चिराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध
17. रघुवीर सहज का कविकर्म
18. समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में
19. ब्रह्मदेव सहज का कविकर्म
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद
21. अज्ञेय-काल्य में प्रागैशियन और मिथक
22. धमकतु धूमिल और साठोत्तरी कविता
23. निराला और मुक्तिबोध
24. रघुवीर सहज और श्रीकांत वर्मा की कविता
25. नाजलकार दुष्यंतकुमार
26. नागार्जुन के काल्य में जनवादी चेतना

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य
शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)
2. डॉ. चित्तरंजन कर,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
प. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेश प्रशान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मणवती कुर-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसामका,
प्रधान सपादक इस्पात टाइम्स, रायपुर
मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15)
श्री राजीव गुप्ता, धनुहारखेरा रायपुर

: रामविलास शर्मा

: डॉ. एस.यसवंता

: डॉ. राजेन्द्रमोहन भटनगर

: गजानन भास्कर मुक्तिबोध

: वंदना कौशल

: रमेशचंद्र साहू

: नरेन्द्र कोइली

: नामवर सिंह

: डॉ. कमलाप्रसाद

: डॉ. विद्या प्रशान

: संजय कुमार

: डॉ. सारदार मुजावर

: डॉ. मरत सिंह

: अजय तिवारी

: सपादक - निर्मला जैन

: विद्या सिन्हा

: सुरेश शर्मा

: शशि शर्मा

: डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र

: डॉ. मास्कर मिया

: डॉ. सी.एम.राजान

: मीनाली जोशी

: नंदविशोर नंदल

: अभिय कुमार साहू

: डॉ. अभिनाश कासाडे

: डॉ. रमकांत आपरे

अनुमोदित

हस्ताक्षर



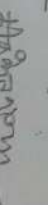


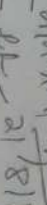


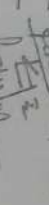












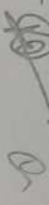


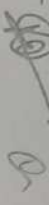


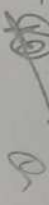


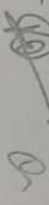


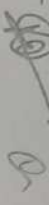


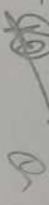


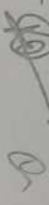




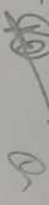


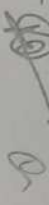


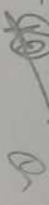


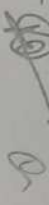












प्रस्तावित सन् 2019-2020 एवं 2020-2021

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर-चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र-द्वितीय

पारचात्य काव्यशास्त्र Code 914

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूलबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। पारचात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का भी हमारी काव्य-दृष्टि पर प्रभाव पड़ा है अतः आधुनिक रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए पारचात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न तथा, समस्त पाठ्य-विषय से लघुलघु प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प रहेंगा।

पाठ्य विषय :

(क) 1. चेतो

2. अरस्तू

3. लॉजाइनस

4. वर्ड्सवर्थ

5. कॉलरिज

6. मैथ्यू आर्नल्ड

7. टी. एस. इलियट

8. आई.ए.रिचर्ड्स

(ख) (1) सिद्धांत और वाद

(2) आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, विखंडनवाद, शैलीविज्ञान, चत्तरशाधुनिकतावाद।

अंक विभाजन :

3 आलोचनात्मक प्रश्न

3 लघुलघु प्रश्न / टिप्पणी

5 वस्तुनिष्ठ / अति लघुलघु प्रश्न

-3 x 20 = 60 (खण्ड क से 02 एवं खण्ड ख से 01)

-3 x 05 = 15 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

-5 x 01 = 05 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

कुल अंक 80

—0—

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर
1. डॉ. राजेश दुबे
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
7. डॉ. देवियार सिंह साहू
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. वितरंजन कर
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
6. सुश्री लक्ष्मणेश्वरी कुरै
8. श्री नवनीत जगतारामका

21/8/18

संदर्भ ग्रंथ :

1. पारश्वाल्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत
2. साहित्य समीक्षा के पारश्वाल्य मानदंड
3. पारश्वाल्य साहित्य चिंतन
4. पारश्वाल्य साहित्यालोचन के सिद्धांत
5. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श
6. देरिदा विच्छेदन की सैद्धांतिकी
7. शैलीविज्ञान और संरचनावाद
8. शैलीविज्ञान
9. पारश्वाल्य काव्य चिंतन
10. साहित्य सिद्धांत
11. स्वातंत्र्योत्तरहिंदी समीक्षा सिद्धांत
12. पारश्वाल्य काव्यशास्त्र : अशुनातन संदर्भ
13. भाषा और समीक्षा के बिन्दु
14. पारश्वाल्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद: डॉ. भगीरथ मिश्र
15. सौंदर्यबोधशास्त्र
16. पारश्वाल्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ
17. पारश्वाल्य काव्य चिंतन
18. पारश्वाल्य काव्यशास्त्र

: डॉ. शांतिसवरूप गुप्ता
: डॉ. राजेन्द्र वर्मा
: संपादक - निर्मला जैन
: डॉ. लीलाधर गुप्त
: सुधीरा पवार
: सुधीरा पवार
: डॉ. नरेन्द्र सेनी
: डॉ. सुरेश कुमार
: डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
: रेने वेलेक, ऑस्ट्रेन वारेन
: डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र
: डॉ. सत्यदेव मिश्र
: डॉ. सत्यदेव मिश्र
: डॉ. जगदीश सिंह मन्हास
: राजनाथ
: करुणाशंकर उपाध्याय
: डॉ. उमेशकुमार सिंह

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश द्रुवे,
प्राचार्य

2. डॉ. चित्तरंजन कर्,
शासनहीन महाविद्यालय परराज, रायपुर (छ.ग.)
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

कुलपति द्वारा नामांकित :
1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुशी लक्ष्मण कुर्से-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बंदि्यार सिंह साहू -अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/नियम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसमका,
प्रधान संपादक इरस्यत टाइम्स, रायपुर
नूतनपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :
श्री राजीव गुप्ता, धनुहरडेश रायगढ़

: सदस्य

: सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

प्रस्तावना :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्वदेशीय प्रयोग तभी हो सकता है, जब इन दूरस्थ-श्रव्य माध्यमों से संबंधित विधाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजगारप्ररक है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 तथुत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य-विषय से 05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

(अ) मीडिया लेखन : 1. जनसंचार : प्रौद्योगिकी और चुनौतियाँ।

2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट।
3. श्रव्य माध्यम (रेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार-लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा-लेखन, विज्ञापन-लेखन, कीचर तथा रिपोर्टाज
4. दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं वीडियो) : दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर), पटकथा लेखन, टेली ड्रामा, सवाद-लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतर, विज्ञापन की भाषा।

(ब) हिंदी कम्प्यूटिंग : 1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग-क्षेत्र

2. इंटरनेट एवं वेब वर्ल्ड नाइड का परिचय।
3. इंटरनेट एक्सट्रीसर अथवा नेटकेप।
4. लिंक, ई-मेल भेजना, प्राप्त करना, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।
5. हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी की प्रमुख वेबसाइट्स, हिंदी के ब्लॉग्स, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेजिंग।
6. एम्.एस.वर्ड, कोटिंग, कवर डिजाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मल्टीमीडिया, ई-कॉमर्स का सामान्य परिचय।
7. इंटरनेट : सामग्री-सृजन।

(स) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार : 1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।

2. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. मशीनी अनुवाद।

—0—

कुल अंक 80

अंक विभाजन :	
3 आलोचनात्मक प्रश्न	-3 × 20 = 60 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 तथुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी	-3 × 05 = 15 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ/अति तथुत्तरी प्रश्न	-5 × 01 = 05 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन भण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे
2. डॉ. चितरंजन कर
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
4. डॉ. मीनकान्त प्रधान
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
6. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुरू
7. डॉ. बंदि्यार सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतारामका
9. श्री राजीव गुप्ता

संदर्भ ग्रंथ :
1. पत्रकारिता और जनसंचार

डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
Dr. B. S. Singh
21/8/12

2. जनसंवार : सिद्धांत और अनुप्रयोग
3. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग
5. इंटरनेट और ई मेल
6. कम्प्यूटर कम्प्यूटर कोर्स
7. भीडिया लेखन
8. प्रयोजनमूलक हिंदी
9. मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप और संभावनाएँ
10. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प
11. सेडियो नाटक की कला
12. कम्प्यूटर प्रयोग और हिंदी
13. कम्प्यूटर और हिंदी
14. प्रयोजनमूलक हिंदी : एक
15. प्रयोजनमूलक हिंदी : दो
16. नए जनसंवार माध्यम और हिंदी
17. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सूचना प्रौद्योगिकी
18. दूरदर्शन का स्वरूप एवं हिंदी प्रस्तुतीकरण
19. जनसम्पर्क : सिद्धांत और व्यवहार
20. सेडियो का कलापक्ष
21. सम्प्रेषण और सेडियो शिल्प
22. 1000 कम्प्यूटर—इंटरनेट प्रश्नोत्तरी
23. अनुवाद के भाषिक पक्ष
24. अनुवाद क्या है?
25. अनुवाद क्या है?
26. अनुवाद : प्रक्रिया और परिदृश्य
27. साहित्यानुवाद: संवाद और संवेदना
28. लिप्यंतरण : सिद्धांत और प्रयोग
29. आज की हिंदी और अनुवाद की समस्याएँ

विषय विशेषज्ञ :
 1. डॉ. राजेश दुबे,
 प्राचार्य

2. डॉ. चितरंजन कर,
 पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
 प. सचिवशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :
 1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
 पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
 छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :
 1. डॉ. भीमकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
 2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौहे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
 3. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुरू-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
 4. डॉ. वैदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/विभाग क्षेत्र :
 1. श्री नवगीत जगतसामिका,
 प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

यूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :
 श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश, रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित
 हस्ताक्षर

(Handwritten signatures and dates)
 - 21
 - 21/8/18
 - 21/8/18
 - 21/8/18

प्रस्तावना :

हिंदी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है। उसकी अनेक विभागाओं में आज भी पर्याप्त साहित्य-सृजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की राजभाषा के रूप में छत्तीसगढ़ी प्रतिष्ठित हो चुकी है। अतः इसके पृथक् अध्ययन से इस विभाषा का उत्तरोत्तर विकास ही होगा। इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघुलंघी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य-विषय से 05 वस्तुनिष्ठ/अतिरिक्त प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

खण्ड - अ. छत्तीसगढ़ी भाषा

1. छत्तीसगढ़ का नामकरण।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा : उद्भव, विकास एवं परंपरा।
3. छत्तीसगढ़ी भाषा का भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य।
4. छत्तीसगढ़ी की उपबोलियाँ एवं उनका वर्गीकरण।
5. छत्तीसगढ़ी का मानक व्याकरण एवं शब्दकोश।

खण्ड - ब. छत्तीसगढ़ी साहित्य

1. छत्तीसगढ़ी साहित्य : उद्भव, विकास एवं प्रवृत्तियाँ-
पद्य साहित्य- मुक्तक काव्य/गीत, खण्ड काव्य, महाकाव्य, नई कविता।
नव्य साहित्य- कथानी, उपन्यास, निबंध, नाटक, एकांकी, आलोचना, संस्मरण,
यात्रासाहित्य।
2. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य की विविध विधाएँ-
लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकनृत्य, लोकसंगीत, लोक सुभाषित, झाना।

अंक विभाजन :

- 3 आलोचनात्मक प्रश्न -3 × 20 = 60 (समादृत संपूर्ण पाठ्य विषय से)
- 3 लघुलंघी प्रश्न/टिप्पणी -3 × 05 = 15 (समादृत संपूर्ण पाठ्य विषय से)
- 5 वस्तुनिष्ठ/अति लघुलंघी प्रश्न -5 × 01 = 05 (समादृत संपूर्ण पाठ्य विषय से)

कुल अंक 80

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे
7. डॉ. भदियार सिंह साहू
9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. सितरंजन कर
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
6. सुश्री लक्ष्मणरी कुरे
8. श्री नवनील जगतसमका

संदर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकसाहित्य
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्भविकार

3. डॉ. विहारीलाल साहू
4. डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा

3. छत्तीसगढ़ी, इन्दी, भरसी भाषाओं का वैज्ञानिक अध्ययन
4. छत्तीसगढ़ी : दशा एवं दिशा
5. छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश
6. छत्तीसगढ़ : इतिहास, संस्कृति एवं परम्परा
7. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश
8. राजभाषा छत्तीसगढ़ी
9. छत्तीसगढ़ का भूगोल
10. गानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं रंगकर्म
12. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी
13. छत्तीसगढ़ी : अभिव्यक्ति के पर्यवेक्ष्य
14. छत्तीसगढ़ी बोली, व्याकरण और कोश
15. छत्तीसगढ़ी जनभाषा
16. प्राचीन छत्तीसगढ़
17. छत्तीसगढ़ी पहलियाँ
18. छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोश
19. प्रहेलिकार और छत्तीसगढ़ी संस्कृति
20. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं परम्परा
21. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन
22. छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन
23. छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियाँ
24. छत्तीसगढ़ी साहित्य के समर्पित हस्ताक्षर
25. बीसवीं शताब्दी का छत्तीसगढ़ी साहित्य

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,

प्राचार्य

शास.नवीन महाविद्यालय खरसा, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. चित्तरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

प. रविशंकर शुक्ल विश्वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. गीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) स्वीन्द वीर-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मण कुंर-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेटियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतसमक,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायपुर

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायपुर

- | | |
|---|---|
| : गोलचन्द्र राव तैलंग | : नंदकिशोर शिवारी |
| : श्रीमती सुक्ल | : शैरलाल शुक्ल |
| : डॉ. तुषा शर्मा | : डॉ. सुशोभन महेशोत्रा |
| : डॉ. सुधीर शर्मा | : डॉ. किरण गजपाल |
| : डॉ. किरण गजपाल | : वंदूजाल चंद्राकर |
| : वंदूजाल चंद्राकर | : डॉ. उषा वैरागकर आठले |
| : डॉ. उषा वैरागकर आठले | : डॉ. चित्तरंजन कर |
| : डॉ. चित्तरंजन कर | : डॉ. विशरीलाल साहू |
| : डॉ. विशरीलाल साहू | : डॉ. कतिकुमार |
| : डॉ. कतिकुमार | : डॉ. व्यासनाथरायण दुबे |
| : डॉ. व्यासनाथरायण दुबे | : प्यरेलाल गुप्ता |
| : प्यरेलाल गुप्ता | : डॉ. विशरीलाल साहू |
| : डॉ. विशरीलाल साहू | : संपा. - रमेशचंद्र महाराज एवं चित्तरंजन कर |
| : संपा. - रमेशचंद्र महाराज एवं चित्तरंजन कर | : डॉ. विशरीलाल साहू |
| : डॉ. विशरीलाल साहू | : डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा |
| : डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा | : डॉ. शंकर शंभर |
| : डॉ. शंकर शंभर | : डॉ. विमल कुमार पाठक |
| : डॉ. विमल कुमार पाठक | : डॉ. चित्तरंजन कर |
| : डॉ. चित्तरंजन कर | : डॉ. विनय कुमार पाठक |
| : डॉ. विनय कुमार पाठक | : डॉ. मजु शर्मा |

अनुमोदित

हस्ताक्षर

- 21

श्रीमती सुक्ल

कुलपति

श्रीमती सुक्ल

कुलपति

श्रीमती सुक्ल

कुलपति

श्रीमती सुक्ल

कुलपति

श्रीमती सुक्ल

कुलपति

श्रीमती सुक्ल

कुलपति

श्रीमती सुक्ल

कुलपति

श्रीमती सुक्ल

कुलपति

श्रीमती सुक्ल

कुलपति

श्रीमती सुक्ल

कुलपति

प्रस्तावित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर-चतुर्थ

परियोजना-कार्य

Code 920

प्रस्तावना :-

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमोत्तर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। विद्यार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, श्रेय-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केंद्रित आलेख की रचना हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। विद्यार्थी का मौलिक दृष्टिकोण अव्यक्तित है।

निर्धारित विषय

1. रायगढ़ जिले के साहित्यकारों से साक्षात्कार।
2. जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों की रचनाओं पर शोधपरक लेख।
3. इंटरनेट-माध्यम से किसी एक साहित्यिक व्यंग का विश्लेषण।
4. किसी फिल्म/शेड्यो नाटक/टी वी धारावाहिक/दूरदर्शन के लिए पटकथा लेखन।
5. अनुवाद : छत्तीसगढ़ी/हिंदी/उड़िया का पारस्परिक अनुवाद।
6. छत्तीसगढ़ के संदर्भ में लगभग 25 विज्ञापन तैयार करना।
7. पर्याय कव्यशास्त्र के पाठ्यतर किसी एक विचारक/सिद्धांत/वाद की समीक्षा/जुलनात्मक अध्ययन।
8. छायावादोत्तर/इक्कीसवीं सदी के किसी एक हिंदी/छत्तीसगढ़ी/उड़िया/अन्य भाषा के कवि/काल्प-कृति का साहित्यिक मूल्यांकन।
9. आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित कार्यक्रमों की समीक्षा।
10. रायगढ़ जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास।
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य के विशिष्ट रचनाकार।
12. संदर्भित सामयिक एवं प्रासंगिक अन्य विषय (विभागीय संस्कृति से)

अंक विभाजन : कुल अंक - 50, शोध आलेख - 30 अंक एवं मौखिकी : 20 अंक
अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. राजेश दुबे,

प्राचार्य

2. डॉ. चितरंजन कर,
शासनवीन महाविद्यालय खखेरां, रायपुर (छ.ग.)

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
प. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकान्त प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधरी-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुश्री लक्ष्मणेश कुंजरू-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. वेदियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनील जगतारामका,

सदस्य

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश रायगढ़

सदस्य

19.09.18

11/09/18